E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

सुबह 6:50 बजे
शाम 5:28 बजे

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष :11, अंक : 260 | प्रयागराज,बुधवार 21 जनवरी 2026 | पृष्ठ : 8, मूल्य : 2:00 रुपये

खेलःभारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज हार पर बवाल... | विविधःकच्ची उम्र में ही जरूरत से ज्यादा... | सिनेमाःअनन्या और जान्हवी कपूर के साथ क्यों नहीं...

‘उरान नक्सली’ और घुसपैठियों पर पीएम मोदी का डबल अटैक,बोले-ये अंतरराष्ट्रीय साजिश है

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को शहरी नक्सलवाद के बढ़ते प्रभाव पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इसने अंतरराष्ट्रीय आयाम हासिल कर लिए हैं और यह भारत के खिलाफ काम करना जारी रखे हुए है। राजधानी में भाजपा के राष्ट्रीय मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए, जहां नितिन नबीन ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला, पीएम मोदी ने कहा कि एक और बड़ी चुनौती शहरी नक्सलवाद है। शहरी नक्सलवाद का दायरा अंतरराष्ट्रीय होता जा रहा है। अगर वे साल में एक-दो बार भी मोदी के बारे में कुछ सकारात्मक ट्वीट करते हैं, या टीवी पर कुछ सकारात्मक कहते हैं, या अखबार में कुछ सकारात्मक लिखते हैं, तो कुछ पत्रकार उन्हें इतना अपमानित करते हैं कि उनका पीछा किया जाता है और उन्हें अछूत बना दिया जाता है। उन्हें इस तरह चुप करा दिया जाता है कि वे फिर कभी बोल न सकें। यही शहरी नक्सलवाद का तरीका है।

मोदी ने आगे कहा कि वर्षों से ऐसे समूह भाजपा को अलग-थलग करते रहे हैं और देश भर में पार्टी सदस्यों को अछूतों की तरह मानते रहे हैं। ’अब देश इन शहरी नक्सलियों की हरकतों को समझ रहा है। शहरी नक्सली लगातार भारत को नुकसान पहुंचाने के लिए काम कर रहे हैं। आज सुबह प्रधानमंत्री मोदी ने देश भर में घुसपैठियों के बारे में चेतावनी देते हुए कहा कि हमें हर चुनौती का पूरी ताकत से सामना करना होगा। आज देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती घुसपैठियों की है। दुनिया में कोई भी देश अपने देश में घुसपैठियों को स्वीकार नहीं करता, और भारत भी घुसपैठियों को अपने गरीबों और युवाओं के अधिकारों को छीनने की अनुमति नहीं दे सकता। विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि घुसपैठिए देश की सुरक्षा के लिए बहुत बड़ा खतरा हैं; उनकी पहचान करना और उन्हें उनके देशों में वापस भेजना बेहद जरूरी है। इसके अलावा, जो राजनीतिक दल वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठियों को संरक्षण दे रहे हैं, उन्हें पूरी ताकत से जनता के सामने बेनकाब किया जाना चाहिए।

इसी बीच, नितिन नबीन ने आज सुबह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, कई अन्य भाजपा नेता और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री उपस्थित थे। वरिष्ठ भारतीय राजनीतिज्ञ नितिन नबीन बिहार विधानसभा के पांच बार के सदस्य और बिहार सरकार में पूर्व मंत्री रह चुके हैं। वे अपनी निरंतर संगठनात्मक क्षमता और प्रशासनिक अनुभव के लिए जाने जाते हैं। 36 में से 30 राज्य अध्यक्षों के निर्वाचित होने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव की प्रक्रिया शुरू हुई, जो आवश्यक 50 प्रतिशत की सीमा को पार कर गई। चुनाव कार्यक्रम 16 जनवरी, 2026 को मतदाता सूची के साथ घोषित किया गया था। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, नामांकन प्रक्रिया कल, 19 जनवरी, 2026 को दोपहर 2 बजे से 4 बजे के बीच संपन्न हुई।

अरब सागर में उठ रहे खौलते पानी के बुलबुले रहस्यमयी हलचल से गुजरात तट पर मचा हड़कंप

सूरत। गुजरात तट से सटे अरब सागर के गहरे पानी में सोमवार को एक ऐसी हलचल देखी गई जिसने सबको स्तब्ध कर दिया है। पालघर जिले के आपदा प्रबंधन विभाग को मछुआरों से कुछ ऐसे वीडियो मिले हैं, जिनमें समुद्र का पानी किसी विशाल कड़ाही की तरह ‘उबलता’ हुआ दिखाई दे रहा है। मछुआरों के अनुसार, यह हलचल अचानक शुरू हुई और समुद्र के एक बड़े हिस्से को कवर कर लिया। पानी की सतह पर सफेद झाग और बड़े-बड़े बुलबुले उठ रहे थे, जो आमतौर पर पानी के नीचे भारी दबाव या गैस निकलने पर देखे जाते हैं। पालघर जिले के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि मछुआरों द्वारा रिकॉर्ड किए गए वीडियो में समुद्र के बड़े हिस्से में पानी में हलचल होनेऔर बुलबुले निकलते दिख रहा है। उनके अनुसार, ऐसा लगता है मानो पानी ‘उबल’ रहा हो। इस असामान्य गतिविधि ने क्षेत्र में आशंकाएं बढ़ा दी हैं।पालघर जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम ने इस घटना की गहन जांच की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ‘‘देखी गई हलचल अत्यंत असामान्य है और इस पर विशेष समुद्री तथा औद्योगिक एजेंसियों का तत्काल ध्यान देना आवश्यक है।’’ कदम ने बताया कि यह क्षेत्र समुद्री परिवहन मार्गों और मछली पकड़ने के प्रमुख इलाकों के करीब स्थित है। उन्होंने कहा कि ऐसे में आशंका जतायी जा रही है कि यह घटना समुद्र तल से गैस रिसाव, पानी के नीचे भू-वैज्ञानिक गतिविधियों या समुद्र के नीचे बिछी पाइपलाइनों से रिसाव के कारण हो सकती है।उन्होंने कहा कि जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ इस बात का पता लगाने के लिए समुद्री प्राधिकरणों के साथ समन्वय कर रहा है कि यह हलचल प्राकृतिक भू-वैज्ञानिक बदलावों का नतीजा है या किसी मानव-जनित औद्योगिक घटना का संकेत है। अधिकारी ने बताया कि एहतियात के तौर पर उक्त जगह के आसपास से गुजरने वाले जहाजों और मछली पकड़ने वाली नौकाओं को अत्यधिक सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

लातेहार में बारात ले जा रही बस पलटी, नौ लोगों की मौत, 80 घायल

नई दिल्ली। झारखंड के लातेहार जिले में बारात ले जा रही एक बस के पलट जाने से उसमें सवार कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 80 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह हादसा महुआडांड़ पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत ओरसा बंगलाधारा घाटी में हुआ। पुलिस अधीक्षक (एसपी) कुमार गौरव ने ‘पीटीआई-भाषा’ से कहा, ‘‘छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले से बारात लेकर बस लातेहार के महुआडांड़ आ रही थी। बस पलट गई और पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मरने वालों में से चार महिलाएं शामिल हैं। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है।’’

वहीं, एक अन्य अधिकारी ने बताया कि लातेहार के अस्पताल में इलाज के दौरान दो और लोगों की मौत हो गई जबकि गुमला सदर अस्पताल में भी दो लोगों की मौत हुई। गुमला के सिविल सर्जन शंभूनाथ चौधरी ने कहा कि नौ घायलों को यहां के सदर अस्पताल में रेफर किया गया था जिनमें से दो को मृत घोषित कर दिया गया।

अंगीठी के धुएं से दम घुटने के कारण चार साल की बच्ची की मौत

लखनऊ। उत्तराखंड के नई टिहरी स्थित सीआईएसएफ कॉलोनी में कथित तौर पर ठंड से बचने के लिए जलाई गयी अंगीठी के धुएं से दम घुटने के कारण चार साल की एक बच्ची की मौत हो गयी जबकि उसकी मां गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है। पुलिस ने बताया कि पूर्वाह्न 10 बजे जब केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में सिपाही के पद पर तैनात गणेश पालवे के घर का दरवाजा नहीं खुला तो आसपास के लोगों ने आवाज दी लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर पुलिस को मामले की सूचना दी गयी। पुलिस के मुताबिक, सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़ा और पाया कि बिस्तर पर पालवे की पत्नी मोनिका (37) और उनकी चार वर्षीय बेटी आर्या बेहोश पड़ी थीं।

अधिकारियों ने सभी मतदान केन्द्रों पर एसआईआर से जुड़े कार्यों का आकलन किया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के तहत रविवार को प्रदेश के सभी मतदान केन्द्रों पर बूथ स्तरीय अधिकारियों द्वारा किये गये कार्यों की गुणवत्ता का आकलन किया गया। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि इस अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के अधिकारियों ने विभिन्न जिलों में मतदान केन्द्रों का स्थलीय भ्रमण कर जमीनी हकीकत का जायजा लिया गया। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मतदान केन्द्रों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया और बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा किए जा रहे कार्य की गुणवत्ता का आकलन किया।

प्रधानमंत्री मोदी के ‘बॉस’ वाले बयान पर कांग्रेस का पलटवार,कहा-बीजेपी में ‘बिग बॉस’ का खेल चल रहा है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस बयान पर कि नितिन नबीन अब पार्टी मामलों में उनके ‘बॉस’ हैं को लेकर कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने तंज कसा है। पवन खेड़ा ने कहा कि भाजपा और

आरएसएस आपस में खेल खेलते रह सकते हैं। कभी (आरएसएस प्रमुख) मोहन भगवत किसी के बॉस बनते हैं, कभी मोदी किसी के बॉस बनते हैं। उन्होंने लोकप्रिय रियलिटी शो ‘बिग बॉस’ का जिक्र करते हुए आगे कहा, ‘क्या यहां बिग बॉस का खेल खेला जा रहा है?’दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में खेड़ा से इस घटनाक्रम के बारे में पूछा गया, जहां उन्होंने कहा, ‘चुनाव कहां है? इसे चुनाव क्यों कहते हैं? पहले राष्ट्रपति की घोषणा करते हैं, फिर कहते हैं कि चुनाव होगा, और फिर कोई चुनाव होता ही नहीं।’ पार्टी के मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने कटाक्ष करते हुए यह भी कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार अब इस्तीफा देना चाहते हैं क्योंकि भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में उनकी कोई भूमिका नहीं रही और चुनाव को ‘‘प्रभावित करने का’’ का मौका भी नहीं मिला। नितिन नवीन को मंगलवार को औपचारिक रूप से भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित कर दिया गया। उन्होंने जेपी नड्डा का स्थान लिया है। इस बारे में पूछे जाने पर खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा, ‘‘चुनाव कहां हुआ है, इसे चुनाव क्यों कहा जाए? आपने अध्यक्ष पहले घोषित कर दिया और फिर कहा कि चुनाव होगा, लेकिन चुनाव नहीं हुआ। ज्ञानेश कुमार गुप्ता इसके विरोध में इस्तीफा देना चाहते हैं क्योंकि उनकी कोई भूमिका नहीं है, वह कुछ प्रभावित नहीं कर सके, कुछ हेरफेर नहीं कर सके।’’ उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि स्वामी अविमुक्तवेश्वरानंद की आंखों से आंसू निकल रहे हैं और प्रधानमंत्री एवं भाजपा के लोग ‘बिग बॉस’ का गेम खेल रहे हैं। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी ने नवीन को भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई दी और कहा कि पार्टी से संबंधित मामलों में यह युवा नेता उनका ‘बॉस’ होगा।

कड़ाके की ठंड की वजह से गौतम बुद्ध नगर में नर्सरी से 12वीं तक के विद्यालयों का समय बदला

लखनऊ।उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले में घने कोहरे और कड़ाके की सर्दी की वजह से नर्सरी से 12वीं कक्षा तक के सभी विद्यालयों के समय में बदलाव किया गया है। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार, अब सभी बोर्डों से संबद्ध विद्यालय सोमवार 19 जनवरी से अग्रिम आदेश तक पूर्वाह्न 10 बजे से दोपहर तीन बजे तक संचालित होंगे। उन्होंने बताया कि यह आदेश जिले के सभी परिषदीय, अशासकीय, राजकीय विद्यालयों के साथ-साथ सीबीएसई, आईसीएसई, आईबी, यूपी बोर्ड और अन्य सभी संबद्ध बोर्डों से मान्यता प्राप्त विद्यालयों पर लागू होगा। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने सभी संबंधित विद्यालय प्रबंधनों को इस आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं और किसी भी तरह की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा।

पंजाब पुलिस का ’ऑपरेशन गैंगस्टर्स’, 12 हजार पुलिसवालों की 2000 ठिकानों पर मेगा छापेमारी

श्रीनगर। पंजाब पुलिस ने मंगलवार को ’गैंगस्टर्स के खिलाफ जंग’ अभियान के तहत संगठित अपराध के पूरे तंत्र को ध्वस्त करने के उद्देश्य से राज्यव्यापी कार्रवाई शुरू करने के लिए 72 घंटे का अभियान चलाया। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि अभियान के पहले चरण में 12,000 पुलिस अधिकारी 2,000 स्थानों पर छापेमारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य से बाहर सक्रिय गैंगस्टर्स को प्रत्यर्पित करने के लिए आईजी आशीष चौधरी के नेतृत्व में एक विशेष सेल का गठन किया गया है, जिसमें सभी ऑपरेशनल विंग के अधिकारी शामिल हैं। डीजीपी यादव ने यहां पत्रकारों से कहा कि मुख्यमंत्री ने हमें निर्देश दिए हैं कि पंजाब में गैंगस्टर्स को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हमने रणनीति बनाई है और गैंगस्टर्स के खिलाफ जंग छेड़ दी गई है। आज से 72 घंटे का अभियान शुरू किया गया है। इसके पहले चरण में 12,000 पुलिस अधिकारी लगभग 2,000 स्थानों पर छापेमारी कर रहे हैं।उन्होंने आगे कहा कि पंजाब के बाहर बैठे गैंगस्टरों को वापस लाने के लिए आईजी आशीष चौधरी के नेतृत्व में एक सेल का गठन किया गया है। इसमें सभी ऑपरेशनल

विंग के अधिकारी शामिल होंगे। हम आपराधिक वित्तपोषण पर कड़ी कार्रवाई करेंगे। हमने आज से एक गैंगस्टर विरोधी हेल्पलाइन भी शुरू की है। पंजाब सरकार ने इनाम के लिए 10 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। 18 जनवरी को संगठित अपराध के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, लुधियाना कमिश्नरेट पुलिस ने गैंगस्टर गोल्डी ब्रार से जुड़े एक जबरन वसूली मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और 10 सदस्यों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के दौरान, पुलिस ने अत्याधुनिक विदेशी हथियारों का जखीरा बरामद किया।’ पर एक पोस्ट में, पंजाब के डीजीपी ने घोषणा की कि तीन सप्ताह के केंद्रित अभियान के बाद गिरफ्तारियां की गई हैं। पुलिस ने आगे बताया कि ये सदस्य अवैध हथियार तस्करी, जबरन वसूली और सुनियोजित हत्याओं में शामिल थे और उनका मकसद पूरे राज्य में अराजकता फैलाना था।

बीजेपी संग गठबंधन की अटकलों पर ओवैसी का पूर्ण विराम

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को महाराष्ट्र नगर निगम चुनावों में अपनी पार्टी के शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन की किसी भी संभावना से इनकार करते हुए कहा कि समुद्र के दो किनारे कभी नहीं मिल सकते। ओवैसी ने अकोट में हुई हालिया घटना का जिक्र किया, जिसमें एआईएमआईएम पार्षदों ने बीजेपी के साथ गठबंधन करने की कोशिश की थी। उन्होंने बताया कि अकोट में एआईएमआईएम के पांच पार्षदों ने चुनाव जीता था और पार्टी ने उन्हें पहले ही चेतावनी दे दी थी। ओवैसी ने कहा कि शुरुआत में पार्षदों ने दावा किया कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि जिस समूह में वे शामिल हुए हैं वह बीजेपी से जुड़ा हुआ है। ओवैसी ने बताया कि इसके बाद पार्टी ने उन्हें तुरंत नगर आयुक्त को पत्र लिखकर अपना समर्थन वापस लेने का निर्देश दिया। उन्होंने आगे कहा कि बाद में यह बात सामने आई कि भाजपा नेता के बेटे को सह-विकल्प के माध्यम से पार्टी में शामिल किया गया था, जिसके बाद इम्तियाज जलील ने पार्षदों को पार्टी से निलंबित कर दिया। ओवैसी ने स्पष्ट किया कि एआईएमआईएम प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों से गठबंधन करने वाले किसी भी सदस्य के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि यह पता चला कि जब भाजपा नेता के बेटे को सह-विकल्प के माध्यम से पार्टी में शामिल किया गया, तो इम्तियाज जलील ने उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया। चाहे भाजपा हो, एकनाथ शिंदे हों या अजीत पवार, अगर वे उनके साथ जाते हैं, तो पार्टी उनके खिलाफ कार्रवाई करेगी। महाराष्ट्र नगर निगम चुनावों में एआईएमआईएम के प्रदर्शन पर प्रकाश डालते हुए, ओवैसी ने कहा कि पार्टी ने हाल के चुनावों में 125 सीटें और लगभग एक महीने पहले हुए नगर निगम चुनावों में लगभग 85 सीटें जीती थीं।

तेज रफ्तार कार ने 13 मजदूरों को रौंदा पांच श्रमिकों की मौत

भोपाल। मध्यप्रदेश के जबलपुर में दोपहर तेज रफ्तार एक कार ने सड़क निर्माण कार्य में लगे 13 मजदूरों को कुचल दिया, जिनमें से दो श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीन ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आठ घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है और इनमें से दो की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान मंडला जिले के बम्होरी गांव की निवासी भारती चैनवती (35) व लच्छो बाई (38) के रूप में हुई है और इन दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि बाद में इलाज के दौरान गोमती बाई (40), वर्षा बाई (39) और कृष्णा बाई (41) ने दम तोड़ दिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) पल्लवी शुक्ला ने वीडियो’ सेवा से बातचीत में पांचों मौतों की पुष्टि की।

पश्चिम बंगाल जीतने का बीजेपी का नया प्लान

सुनील बंसल की अगुवाई में ये दिग्गज नेता संभालेंगे चुनावी कमान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा अपनी व्यवस्था को मजबूत करने में जुटी है और इसके लिए उसने अन्य राज्यों के कई अनुभवी नेताओं को चुनाव की तैयारियों में शामिल किया है। पिछले एक महीने में भाजपा ने अन्य राज्यों के कई अनुभवी वरिष्ठ नेताओं (प्रवासी सदस्य) को बंगाल इकाई में मंडल से लेकर जिला स्तर तक आंतरिक मतभेदों को सुलझाने और चुनाव की तैयारियों का प्रबंधन करने के लिए नियुक्त किया है। इन प्रवासी सदस्यों में उत्तर प्रदेश के मंत्री जेपी एस राठौर, उत्तराखंड के मंत्री धन सिंह रावत, राजस्थान भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष कैलाश चौधरी, उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री सुरेश राणा, हरियाणा भाजपा के महासचिव संजय भाटिया और कर्नाटक के पूर्व मंत्री सी टी रवि शामिल हैं। चूंकि ये नेता मुख्य रूप से हिंदी बोलते हैं, इसलिए

उनके साथ स्थानीय नेता भी होते हैं जो जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं और लोगों से बातचीत के दौरान अनुवाद में मदद करते हैं। बंगाल में तैनाती के बाद से, इन नेताओं ने मंडल, विधानसभा और जिला इकाइयों में पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठकें की हैं।

राठौर, जिन्हें 2017 और 2022 के यूपी विधानसभा चुनावों और 2019 के लोकसभा चुनावों के प्रबंधन का अनुभव है, को पश्चिम बंगाल की 35 विधानसभा सीटें सौंपी गई हैं। उनके अधीन पूर्वी मेदिनीपुर जिले के कोंटाई और तामलुक तथा पश्चिमी मेदिनीपुर जिले के घाटाल और मेदिनीपुर शहर आते हैं। राणा उत्तर 24 परगना जिले के बैरकपुर, बारासात और बोंगाँव की देखरेख कर रहे हैं। राणा पश्चिमी यूपी के शामली जिले से हैं और उन्होंने हरियाणा, दिल्ली, त्रिपुरा और मध्य प्रदेश में पार्टी के चुनावी प्रयासों का नेतृत्व किया है। उनके पास 28 विधानसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी है और हाल ही में उन्होंने संदेशखाली का दौरा किया, जहां 2024 में स्थानीय टीएमसी नेताओं पर यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद एक बड़ा राजनीतिक विवाद हुआ था। भाटिया को आरामबाग उपमंडल और श्रीरामपुर सहित हुगली जिला और हावड़ा शहर सौंपा गया है, जबकि चौधरी को कूच बिहार, जलपाईगुड़ी, सिलीगुड़ी और उत्तरी बंगाल के अन्य जिलों में पार्टी की तैयारियों की निगरानी का जिम्मा दिया गया है। ये सभी नेता राज्य के प्रभारी भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल को रिपोर्ट करते हैं।

अपने-अपने राज्यों के अनुभव के आधार पर हम राजनीतिक और संगठनात्मक प्रबंधन की देखरेख कर रहे हैं। हम संगठनात्मक अभियानों और कार्यक्रमों का भी ध्यान रख रहे हैं और उन मतदान केंद्रों में अपनी पहुंच बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं जहां हमारी पकड़ कमजोर है।

राजनीति भोग नहीं, त्याग है...बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनते ही नितिन नबीन का पहला धुआंधार भाषण

नई दिल्ली। नितिन नबीन को मंगलवार को औपचारिक रूप से भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित कर दिया गया। उन्होंने जेपी नड्डा का स्थान लिया और पार्टी के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत की, क्योंकि पार्टी देश की राजनीति पर अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही है। भाजपा के संगठनात्मक चुनावों के रिटर्निंग ऑफिसर के. लक्ष्मण ने संगठनात्मक चुनावों के परिणाम घोषित किए और 45 वर्षीय नबीन को चुनाव प्रमाण पत्र सौंपा। वे पार्टी के शीर्ष पद पर आसीन होने वाले अब तक के सबसे युवा अध्यक्ष हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, नड्डा, वरिष्ठ मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी और अन्य कई लोग नेतृत्व परिवर्तन के साक्षी बनने के लिए भाजपा मुख्यालय में उपस्थित थे। नबीन भाजपा के 12वें अध्यक्ष बने, जिसकी स्थापना 1980 में हुई थी, उसी वर्ष उनका जन्म भी हुआ था। सादगीप्रिय और कम चर्चित नबीन ने 14 दिसंबर को भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद बिहार सरकार में कानून और न्याय, शहरी विकास और आवास मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि मैं आज इस अवसर पर पार्टी के पूर्व के राष्ट्रीय अध्यक्षों का स्मरण करता हूं और उनका अभिवादन करता हूं। आज का क्षण मेरे लिए संकल्प का क्षण है। आज मैं केवल पद ग्रहण नहीं कर रहा हूँ। मैं इस पार्टी की विचारधारा, परंपराओं और राष्ट्रवादी आंदोलन की ज़िम्मेदारी को स्वीकार कर रहा हूँ, और इस अवसर पर मैं अपने सभी वरिष्ठ सहयोगियों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। आज 140 करोड़ भारतीय विकसित भारत के सपने से जुड़ रहे हैं और देश को आगे ले जाने के लिए काम कर रहे हैं। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री जी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। अगले कुछ महीनों में तमिलनाडु, असम, बंगाल, केरल और पुडुचेरी में चुनाव होने वाला है और वहां की डेमोग्राफी की चर्चा हो रही है कि किस प्रकार वहां डेमोग्राफी बदल रही है। यह हमारे लिए चुनौती है लेकिन हम पूरी तरह आश्वस्त हैं कि भाजपा का कार्यकर्ता अपने संघर्ष और परिश्रम के बल पर इन पांचों राज्यों में सशक्त भाजपा का नेतृत्व प्रदान करेगा। भाजपा के कार्यकर्ता कुछ नारों को जनसंघ के समय से गढ़ते थे- ’राम लला हम आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे,’ ’जहां हुए बलिदान मुखर्जी वह कश्मीर हमारा है’, ’एक देश में दो विधान, दो निशान, दो प्रधान नहीं चलेगा।’

मण्डल स्तरीय खादी व ग्रामोद्योग प्रदर्शनी में आज के सांस्कृतिक संध्या में सिंगर राज रसिया के द्वारा भजन की प्रस्तुति

आधुनिक समाचार

प्रयागराज - माघ मेला 2026 के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा परेड ग्राउण्ड त्रिवेणी रोड प्रयागराज में आयोजित मण्डल स्तरीय खादी तथा ग्रामोद्योग प्रदर्शनी माघ मेला 2026 का परेड ग्राउण्ड त्रिवेणी रोड प्रयागराज में दिनॉक- 10.01.2026 से 15.02.2026 तक किया जा रहा है। मण्डल स्तरीय खादी तथा ग्रामोद्योग प्रदर्शनी 2026 के सांस्कृतिक संध्या में राज रसिया व ग्रुप रवि शंकर द्वारा भजन की प्रस्तुति की गई भजन सुनने के लिए काफी की संख्या में लोग मौजूद थे,। प्रधानमंत्री जी के ओकल फार लोकल के विचार को स्वदेशी अभियान की सफलता का आधार बताया। प्रदर्शनी में खादी संस्थाओं एवं ग्रामोद्योगी इकाईयों हेतु कुल-210 स्टाल बनवाये गये है, जिसमें ग्रामोद्योगी इकाईयां अपने उत्कृष्ट

उत्पादों/वस्तुओं की बिक्री एवं प्रदर्शन हेतु प्रतिभाग करती हैं, जिसमें प्रदेश एवं अन्य प्रदेशों जैसे झारखण्ड, बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, एवं उत्तराखण्ड आदि राज्यों की खादी संस्थाओं द्वारा खादी के वस्त्र जैसे-कटिया, रेशम, पोली खादी, सूती व ऊनी वस्त्रों एवं अन्य परिधानों की बिक्री की जायेगी। कार्यक्रम में जवाहर लाल जिला/परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी मौजूद थे । मंच का संचालन राकेश मोहन गुप्ता, ज्येष्ठ लेखा परिक्षक इस अवसर पर सुनील कुमार, महेन्द कुशवाहा, आशीष यादव, अनुज द्विवेदी, राम लाल, दिनेश दुबे,आशुतोष कुमार, हिमांशु यादव, सूर्य प्रकाश यादव आदि उपस्थित रहे।

हेल्थ एंड वेलनेस एंबेसडर का प्रशिक्षण संपन्न

सोनभद्र। चोपन ब्लॉक के 45 उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विधालयों के 1 अध्यापक जो हेल्थ एंड वेलनेस एंबेसडर के रूप में नामित हैं, उनका प्रशिक्षण खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय सभागार में सोमवार को संपन्न हुआ।खंड शिक्षा अधिकारी ने प्रशिक्षण की शुरुआत की, जिसमें सभी 45 विधालयों के अध्यापक उपस्थित हुए। सेंटर फार नालेज एंड डेवलपमेंट टीम के जिला समन्वयक संजीत सिंह ने प्रतिभागियों को स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया और एंड्स एमआईएस के बारे में जानकारी दी।सीएचसी चोपन के किशोर स्वास्थ्य काउंसलर स्वाती पांडे ने प्रतिभागियों को पोषण, एनीमिया, मानसिक स्वास्थ्य, लिंग आधारित भेदभाव, नशीले पदार्थ के दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी दी, ताकि वो बच्चों को इसके बारे में जागरूक करें।

पालिका बोर्ड की बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर लगी मुहर

नगर पालिका में अब सभी कार्य होंगे ऑनलाइन : नरेंद्र गुप्ता

चित्रकूट। नगर पालिका परिषद चित्रकूट धाम बोर्ड की महत्वपूर्ण बैठक पहली बार कामदगिरि परिक्रमा मार्ग स्थित पालिका के कैंप कार्यालय कामदगिरि नगर में अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें नगर के विकास में सड़क बिजली पानी प्रकाश व्यवस्था कूड़ा निस्तारण साफ सफाई आदि बिंदुओं पर गहन विचार मंथन किया गया । शहर में अब सीवर लाइन पड़ेगी। नगर को साफ स्वच्छ रखने और नगर के सौंदर्यीकरण के बारे में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए । पालिका अध्यक्ष ने बोर्ड बैठक में अवगत कराया कि नगर पालिका में ज्यादातर काम ऑनलाइन होंगे इसके लिए सॉफ्टवेयर तैयार कराया गया है नगर वासियों की सुविधाओं को देखते हुए यह प्रक्रिया 1 अप्रैल से लागू होगी । नगर की साफ सफाई को दुरुस्त रखने के लिए अब श्री कूड़ा गाड़ियों की व्यवस्था की जाएगी और कर्मचारियों की कमी को भी पूरा किया जाएगा । शहर के कई चौराहों का सौंदर्यकरण के बारे में भी चर्चा हुई ।धनुष चौराहा से पटेल तिराहा तक सिविल लाइन अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाने का भी प्रस्ताव पारित किया गया है ।अवगत कराया

गया कि पोर्टल में सभी वार्डों तथा विस्तारित क्षेत्र के वार्डो का नाम अब अंकित हो गया है ,इसके अलावा मंदाकिनी किनारे जो श्मसान स्थल हैं उनकी मरम्मत और पुताई का काम भी जल्द किया जाएगा ।अध्यक्ष गुप्ता ने सभासदों के जो प्रस्ताव थे उन पर चर्चा के उपरांत जो संभव थे उन पर कार्यवाही के निर्देश ईओ को दिए हैं ।उन्होंने साफ तौर पर कहा कि नगर की साफ-सफाई हो नगर वासियों की समस्याओं के निदान में बहानेबाजी नहीं होनी चाहिए। गुणवत्तापूर्ण कार्य और जनता की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण विस्तारण होना चाहिए अन्यथा संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। बताया गया कि पालिका को बी श्रेणी का दर्जा मिला है। इससे धार्मिक नगरी के विकास के द्वार खुलेंगे। अध्यक्ष ने कहा कि पालिका नगर के चहुमुखी विकास के लिए संकल्पित है नगर वासियों की सुख सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

अडानी फाउंडेशन द्वारा पनारी पंचायत के ओबरा गाँव मे हेल्थ कैंप का आयोजन

चिन्ता पांडेय

अडानी सीमेंट सलाईबनवा के प्रोजेक्ट हेड श्री नीरज त्रिपाठी के कुशल मार्गदर्शन में पनारी पंचायत के ओबरा गाँव में सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत सामान्य स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, और कुल 242 लोगों की जांच कर दवा का वितरण किया गया, इस अवसर पर अडानी फाउंडेशन के सी.एस.आर. हेड मनोज

चौबे ने बताया कि अडानी फाउंडेशन स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका, पशुधन विकास,जल संरक्षण,ग्रामीण अवसंरचना, कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार के क्षेत्र में सतत् प्रयासरत है। इस अवसर पर अडानी फाउंडेशन के कम्युनिटी वालेंटियर सत्यम एवं राहुल कुमार, डॉक्टर अरुण चौबे, डाक्टर एकता, बसंत, राव विरेंद्र,गाँव की आशा, आंगनबाड़ी और गांव के अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

आइए जानते हैं खत्री पहाड़ माँ विंध्यवासिनी और इस पर्वत के कोढ़ी होने के पीछे की क्या कहानी है

मां विंध्यवासिनी के बारे में मान्यता है कि मिर्जापुर में विराजमान होने से पूर्व देवी मां ने खत्री पहाड़ को चुना था। लेकिन इस पहाड़ ने देवी मां का भार सहन करने में असमर्थता जाहिर की थी। जिससे नाराज होकर मां पहाड़ को 'कोढ़ी' होने का शाप देकर मिर्जापुर चली गई। अपने उद्धार के लिए पहाड़ के प्रार्थना करने पर देवी मां ने नवरात्र की नवमी तिथि को पहाड़ पर आने का वचन दिया था। मां विंध्यवासिनी देश के प्रमुख 108 शक्ति पीठों में से एक है। जिस पर्वत पर मां का स्थान है उसका पत्थर सफेद रंग का है। कहते हैं कि देवी कन्या के शाप से ही इस पर्वत का पत्थर सफेद रंग का हो गया और तभी से पर्वत का नाम खत्री पहाड़ पड़ गया।

मंदाकिनी नदी के डूब क्षेत्र में अवैध निर्माण पर गंभीर आरोप, प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग

चित्रकूट। मंदाकिनी नदी के डूब क्षेत्र में अवैध निर्माण का एक गंभीर मामला सामने आया है। कालूपुर पाही, कस्बा करवी निवासी संजय राणा ने डीएम को प्रार्थना-पत्र देकर मंदाकिनी नदी की प्राकृतिक जलधारा को रोककर नियमों के विपरीत किए जा रहे निर्माण पर कड़ा ऐतराज जताया है।शिकायत के अनुसार, कस्बा करवी स्थित मंदाकिनी नदी के डूब क्षेत्र में अशोक कुमार गुप्ता, निवासी गांधीगंज/रेलवे स्टेशन रोड, करवी द्वारा बिना स्वीकृत मानचित्र एवं बिना सक्षम प्राधिकरण की अनुमति के अवैध निर्माण कार्य कराया जा रहा है। यह निर्माण नदी के पूर्वी किनारे लगभग 40 मीटर के दायरे में किया गया है, जिसमें पक्के कमरे, आर.सी.सी. कॉलम तथा स्लैब डालने की तैयारी शामिल है।प्रार्थी ने बताया कि इस अवैध निर्माण के संबंध में चित्रकूट विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण द्वारा पूर्व में कई बार नोटिस जारी किए जा चुके हैं। उत्तर प्रदेश विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1986 के अंतर्गत धारा 25 के तहत कारण बताओ नोटिस तथा धारा 26(3) के अंतर्गत निर्माण कार्य तत्काल रोकने के आदेश भी निर्गत किए गए, इसके बावजूद निर्माण कार्य निरंतर जारी रहा। इतना ही नहीं, दिनांक 15 अप्रैल 2023 को प्राधिकरण द्वारा कोतवाली करवी को निर्माण कार्य रुकवाने हेतु पत्र भेजा गया था, लेकिन इसके बाद भी मौके पर शटरिंग, सरिया, सीमेंट आदि डालकर निर्माण को और तेज कर दिया गया। वर्तमान में नदी के रकबे के भीतर लगभग 5 से 7 मीटर क्षेत्र में बाउंड्री तथा पक्के निर्माण किए जा चुके हैं। प्रार्थी के अनुसार यह अवैध निर्माण मंदाकिनी नदी की प्राकृतिक जलधारा को बाधित कर रहा है, जिससे भविष्य में बाढ़, कटाव एवं जन-धन की भारी क्षति की आशंका बनी हुई है। अवैध निर्माण की स्थिति स्पष्ट करने हेतु संबंधित राजस्व/शहरी मानचित्र भी प्रार्थना-पत्र के साथ संलग्न किया गया है।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न

रायबरेलीः जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के आदेशानुसार एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा के मार्गदर्शन में जनपद-रायबरेली में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न सार्वजनिक

स्थानों में महिला कल्याण विभाग से हब फॉर इंपॉवरमेंट ऑफ वूमेन की टीम द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम किया गया। जिसमें जनमानस को बताया गया कि 18 वर्ष से कम आयु की लड़की का विवाह होता है या 21 वर्ष से कम आयु के लड़के का विवाह होता है तो वह बाल विवाह की श्रेणी में आता है यदि ऐसा आपके आसपास हो रहा है तो आप 1098 पर सूचित करें। साथ ही बालिकाओं को सरकारी योजनाएं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, महिला हेल्पलाइन नंबर, वन स्टॉप सेंटर आदि के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें ''बाल विवाह मुक्त भारत'' अभियान की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन टीम से जिला मिशन समन्वयक शेफाली सिंह, जेन्डर स्पेशलिस्ट पूजा तिवारी, एवं आम जनमानस उपस्थित रहे।

माकपा ने अनपरा तापीय परियोजना के खिलाफ उठाई आवाज, कहा- रिहंद जलाशय को हो रहा है नुकसान

सोनभद्र। माकपा ने अनपरा तापीय परियोजना के गैर जिम्मेदार अधिकारियों और मुख्य अभियंता अस्तर वन के कृतियों के खिलाफ आवाज उठाई है। पार्टी का आरोप है कि परियोजना से लगातार रिहंद जलाशय में राख युक्त केमिकल का पानी बहाया जा रहा है, जिससे जलाशय का पानी जहरीला होता जा रहा है और जलीय जीव जंतुओं के साथ-साथ मानव समाज के लिए भी गहरा संकट पैदा हो जाएगा।

माकपा जिला मंत्री नन्दलाल आर्य के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी और एडीएम नमामी गंगे से मिलकर मामले को संज्ञान में लाते हुए तत्काल प्रभाव से रोक

लगाये जाने और सभी दोषी कर्मचारियों के खिलाफ उचित तथा कठोर कानूनी कार्रवाई कराई जाने की मांग की है।

प्रतिनिधिमंडल ने परियोजना के अधिकारियों द्वारा प्रदूषित पानी के बहाए जाने का वीडियो रिकार्डिंग भी जिला प्रशासन को उपलब्ध कराया है। माकपा ने चेतावनी दी है कि निष्पक्ष जांच और समय से दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं हुआ तो बहुत जल्द अनपरा में बड़ा आन्दोलन करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

इस अवसर पर का. प्रेमनाथ, का. पुरूषोत्तम और का. लल्लन राम सीपीआईएम माकपा के मंत्री परिषद सदस्य मौजूद रहे।

सभी निर्माण कार्यों के लिए नामित करें नोडल जांच अधिकारी- डीएम

चित्रकूट।50 लाख रुपये से अधिक लागत के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक मंगलवार को जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में कलेक्टरेट सभागार में आयोजित की गई। जिसमें जनपद में संचालित विभिन्न विकास परियोजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति का मूल्यांकन किया गया।बैठक में डीएम ने सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, जल निगम (नगरीय), पर्यटन विभाग, उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण एवं विकास सहकारी संघ (कानपुर), यूपी सिडको सहित अन्य संस्थाओं के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी को निर्देशित किया कि जिन निर्माण कार्यों के लिए अभी तक नोडल जांच अधिकारी नामित नहीं किए गए हैं, वहां तत्काल नामित कराएं। बहिलपुरवा मार्ग के संदर्भ में लोक निर्माण विभाग और वन विभाग को आपसी समन्वय के साथ संयुक्त निरीक्षण करने के निर्देश दिए। स्पष्ट किया कि जहाँ भी एनओसी की आवश्यकता है, वहां तत्काल ऑनलाइन आवेदन कर निस्तारण कराए। सीडीओ से कहा कि आगामी 'किसान दिवस' पर सिंचाई विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य करें ताकि कृषकों को विभाग से संबंधित योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त हो सके। कार्यदायी संस्थाओं को कड़े निर्देश दिए कि जिन परियोजनाओं का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण हो चुका है, उन्हें अविलंब संबंधित विभाग को हैंडओवर (हस्तांतरण) करें। उन्होंने जोर दिया कि समस्त निर्माण कार्य शासन की मंशानुरूप उच्च गुणवत्ता के साथ समयबद्ध सीमा में पूर्ण होने चाहिए। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी डी.पी. पाल, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ भूपेश द्विवेदी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी सहित कार्यदायी संस्थाओं के अधिशासी अभियंता व प्रतिनिधि मौजूद रहे।

सहकारी ग्राम विकास बैंक के प्रतिनिधि पद के लिए नामांकन

सपा भाजपा के उमीदवारो ने राबर्ट्सगंज शाखा के प्रतिनिधि पद के दाखिल किए पत्र

सोनभद्र। उ0प्र0 सहकारी ग्राम विकास बैंक लि0 राबर्ट्सगंज शाखा के प्रतिनिधि पद के लिए मंगलवार को नामांकन प्रक्रिया संपन्न हुई। ब्लॉक सभागार में दयाशंकर पाण्डेय ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। निर्वाचन अधिकारी अवनीश कुमार चौबे ने नामांकन पत्र स्वीकार किए। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस मौके पर जिला प्रभारी अनिल सिंह, सदर विधायक भूपेश चौबे, पूर्व जिलाध्यक्ष अजीत चौबे, धर्मवीर तिवारी, पूर्व विधायक तिरथराज, ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत, शंम्भू नारायण सिंह, गोपाल सिंह, विनय श्रीवास्तव, अवधेश सिंह पटेल, बलदेव सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे। वही

कृपा शंकर चौहान ने किया नामांकन सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम्य विकास बैंक, शाखा रॉबर्ट्सगंज के प्रतिनिधि पद के लिए कृपा शंकर चौहान ने मंगलवार को नामांकन किया। उनके साथ सुनील गोंड, पूर्व प्रत्याशी सपा ओबरा विधान सभा, अमित कुशवाहा, दुर्गा देवी और उषा देवी प्रस्तावक एवं अनुमोदक के रूप में उपस्थित रहे।

फॉर्म-6 भरने की प्रक्रिया में नए प्रावधान, दस्तावेज़ी साक्ष्य को लेकर मतदाताओं को मिली राहत

प्रतापगढ़। मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए फॉर्म-6 भरने की प्रक्रिया में निर्वाचन आयोग द्वारा स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। फॉर्म-6 भरते समय जन्मतिथि एवं आवासीय पते के साक्ष्य के रूप में आधार कार्ड मान्य है। इसके अतिरिक्त जन्मतिथि के साक्ष्य हेतु आधार कार्ड के अलावा पांच अन्य दस्तावेज़ों में से किसी एक को प्रस्तुत किया जा सकता है। वहीं आवासीय पते के प्रमाण के लिए आधार कार्ड के साथ-साथ छह अन्य दस्तावेज़ी विकल्प उपलब्ध हैं। इन सभी वैकल्पिक दस्तावेज़ों की सूची फॉर्म-6 में स्पष्ट रूप से दी गई है। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एंिं) के तहत फॉर्म-6 भरने में एक नई व्यवस्था जोड़ी गई है। अब फॉर्म-6 के साथ एक घोषणा पत्र देना अनिवार्य किया गया है। इस घोषणा पत्र में आवेदक को वर्ष 2003 की अंतिम मतदाता सूची में स्वयं का अथवा अपने माता-पिता, दादा-दादी या नाना-नानी में से किसी एक व्यक्ति का नाम खोजकर उसका विवरण भरना होगा। यदि आवेदक ऐसा कर लेता है, तो बिना किसी अतिरिक्त दस्तावेज़ी साक्ष्य के उसका नाम मतदाता सूची में जोड़ दिया जाएगा। हालांकि यदि आवेदक घोषणा पत्र में 2003 की अंतिम मतदाता सूची में स्वयं या अपने परिजनों में से किसी का नाम खोजने में असफल रहता है, तो ऐसे आवेदक को निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (िं) द्वारा नोटिस जारी किया जाएगा। यह नोटिस वही प्रारूप होगा, जो गणना चरण के दौरान नाम दर्ज न कराने वाले मतदाताओं को दिया जा रहा है। नोटिस में उल्लिखित दस्तावेज़ों की सूची में से आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत करने पर आवेदक का नाम मतदाता सूची में शामिल कर लिया जाएगा। निर्वाचन विभाग के अनुसार इन प्रावधानों से पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने में सुविधा मिलेगी और प्रक्रिया अधिक पारदर्शी होगी।

जनपद के मड़ियाहूं नगर में सोमवार की अपराह्न प्रशासन और नगर पंचायत द्वारा संयुक्त रूप से मिलकर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया

जौनपुर। अतिक्रमण दस्ते से पूरे बाजार में हड़कंप मचा रहा।सोमवार को 3 बजे नगर पंचायत एवं पुलिस प्रशासन ने संयुक्त रूप से अतिक्रमण अभियान चलाया। इस दौरान मड़ियाहूं क्षेत्राधिकारी परमानंद कुशवाहा नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी चंदन सिंह गौड़ और कोतवाली इंस्पेक्टर अमित कुमार सिंह समेत पुलिस प्रशासन एवं नगर पंचायत के कर्मचारी अभियान में मौजूद रहे।

नगर का अतिक्रमण हटाने के लिए सर्वप्रथम गांधी तिराहे से स्टेशन रोड तक अभियान चलाई गई। इस दौरान गांधी तिराहे से लेकर श्री राम जानकी मंदिर तक सड़कों पर हमेशा रास्ता जाम करने वाले ठेला गाड़ी नदारत रही अतिक्रमण दस्ता नालियों के ऊपर से अतिक्रमण हटाते हुए स्टेशन रोड तिराहे तक पहुंची जहां पर जगह-जगह सड़कों पर टिनशेड एवं बैनर पोस्टर को उठाकर नगर पंचायत के गाड़ियों में भरकर ले

गये और लगभग 12 लोगों को चिन्हित करते हुए हिदायत दी गई कि अगर दूसरे दिन अतिक्रमण हुआ तो बुलडोजर से कार्रवाई कराई जाएगी इसके बाद उत्तर तरफ रजिया काम्प्लेक्स गली तक दस्ता चली और नालियों से अतिक्रमण हटाया। यह अतिक्रमण की कार्रवाई सांकेतिक रूप से की गई। करीब इस तरफ 10 लोगों को हिदायत देकर छोड़ गया कि भविष्य में सड़कों पर अतिक्रमण ना करें। इसके बाद जलालपुर रोड पर क्षेत्राधिकारी परमानंद कुशवाहा और कोतवाल अमित कुमार सिंह, ईओ चंदन सिंह गौड़ पहुंचे यहां अतिक्रमण अभियान ईटाएं रोड तक चलाया गया। अतिक्रमण दस्ता के पहुंचते ही पूरे नगर में हड़कंप मचा रहा कुछ व्यापारी जो सड़कों पर टिनशेड लगाए थे खुद से हटाते दिखे और कुछ को नगर पंचायत कर्मचारी ने खोलकर गाड़ियों में भरकर उठा ले गए।

मजे की बात यह रही की अतिक्रमण अभियान के दौरान जो ठेला गाड़ी सड़कों से नदारत दिख रहे थे व अभियान अधिकारियों को दूसरी तरफ जाते ही अपनी गाड़ी लेकर सड़कों पर उतर आए और फिर से जाम लगाकर सामान बेचते देखे गए।

फिलहाल इस संबंध में क्षेत्राधिकारी परमानंद कुशवाहा ने कहा कि यह अतिक्रमण अभियान अभी तो संकेतिक था एक बार व्यापारियों दुकानदारों को सचेत कर दिया गया अब दूसरी बार बुलडोजर के साथ हम लोग अतिक्रमण हटाने के लिए आएंगे फिर किसी भी कीमत पर किसी को बक्सा नहीं जाएगा।

उक्त अवसर पर क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूं परमानंद कुशवाहा, प्रभारी निरीक्षक मडियाहू अमित कुमार सिंह, अधिशासी अधिकारी चंदन सिंह गौड़, अपराध निरीक्षक इरफान अली वरिष्ठ उपनिरीक्षक रमेश कुमार हेड कांस्टेबल श्री प्रकाश शुक्ला हेड कांस्टेबल रिजवान कांस्टेबल अभिषेक पाठक कांस्टेबल शिवम गुप्ता कांस्टेबल सुशील सिंह कांस्टेबल अजय सिंह कांस्टेबल प्रेमचंद, व नगर पंचायत के तमाम कर्मचारी मौजूद रहे।

डीएम ने लांच किया पॉलिटेक्निक चलो अभियान का पोस्टर

चित्रकूट। पॉलिटेक्निक चलो अभियान 2026 का शुभारंभ मंगलवार को जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने पोस्टर लॉन्च कर किया। यह अभियान तकनीकी शिक्षा में उन्नयन के लिए शुरु किया गया है। राजकीय पॉलीटेक्निक बरगढ़ के प्रभारी प्राचार्य अनंत प्रकाश ने बताया कि तकनीकी शिक्षा के उन्नयन के लिए उत्तर प्रदेश में स्थित राजकीय, अनुदानित तथा प्राइवेट पॉलिटेक्निक कॉलिजों में शैक्षिक सत्र 2026-27 के प्रवेश के लिए वर्तमान में ऑनलाइन आवेदन पत्र भरे जा रहे हैं। बताया कि राजकीय पॉलीटेक्निक बरगढ़ में सिविल इंजीनियरिंग व यांत्रिक अभियंत्रण तथा राजकीय पॉलीटेक्निक मानिकपुर में इलेक्ट्रॉनिक्स व इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। जिसके तहत आगामी मई माह में प्रदेश के 75 जिलों में कम्प्यूटर आधारित प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। बताया कि प्रवेश परीक्षा के बाद प्राप्त अंकों के आधार पर ऑनलाइन काउंसलिंग से प्रदेश के सभी पॉलिटेक्निको में प्रवेश होगा। प्रदेश के किसी भी राजकीय, सहायता प्राप्त अथवा प्राइवेट पॉलिटेक्निक कॉलिज में बिना प्रवेश परीक्षा 2026 में सम्मिलित हुए, प्रवेश नहीं होगा। प्रवेश के लिए परीक्षा प्रवेश परीक्षा देना अनिवार्य है।

समीक्षा बैठक आज

चित्रकूटः अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व/उप जिला निर्वाचन अधिकारी चन्द्रशेखर ने बताया कि विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण-2026 में अब तक की गयी कार्यवाही से सम्बन्धित समीक्षा बैठक बुधवार को चित्रकूटधाम मण्डल के रोल प्रेक्षक आयुक्त की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी। जिसमें समस्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों, उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों एवं पुनरीक्षण कार्य में लगे अधिकारी शामिल होंगे।

अवैध अंग्रेजी शराब के साथ 1.17 करोड़ से अधिक कि संपत्ति को बरामद कि गयी

आधुनिक समाचार
चिन्ता पान्डेय

थाना पिपरी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 01 अन्तर्राज्यीय अवैध शराब तस्करी का अभियुक्त गिरफ्तार – 1019 पेटी में 23,508 शीशी (9088.02 लीटर) अवैध अंग्रेजी शराब, ट्रक व मोबाइल सहित 1.17 करोड़ से अधिक की संपत्ति को बरामद करने के सम्बन्ध में-

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन तथा श्रीमान् अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) एवं श्रीमान् क्षेत्राधिकारी पिपरी के कुशल मार्गदर्शन में जनपद में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में प्रभारी निरीक्षक पिपरी सत्येन्द्र कुमार राय द्वारा थाना पिपरी क्षेत्रान्तर्गत संदिग्ध व्यक्ति/वाहन चेकिंग के दौरान हाईटेक तिराहा पर मौजूद रहते हुए मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि खाड़पाथर, थाना हाथीनाला के जंगल मुख्य मार्ग से होकर दिनांक 20.01.2026 को समय लगभग 12.40 बजे एक कंटेनर के माध्यम से झारखण्ड के रास्ते रांची अवैध अंग्रेजी शराब ले जाई जा रही है। प्राप्त सूचना पर तत्परता दिखाते हुए पुलिस टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त श्रवण कुमार पुत्र चैनाराम निवासी रूपसर बलाड़, तहसील पोखरण, थाना फलसून्ड, जिला जैसलमेर (राजस्थान), उम्र लगभग 33 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से कंटेनर में लदी 1019 पेटी में कुल 23,508 शीशी अवैध अंग्रेजी शराब (कुल मात्रा 9088.02 लीटर), जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 82 लाख रूपये है, एक अदद कंटेनर जिसकी कीमत लगभग 35 लाख रूपये, 01 अदद एंड्रॉयड मोबाइल फोन तथा जामा तलाशी से 950 रुपये नगद बरामद किए गए। बरामदगी एवं गिरफ्तारी के आधार पर थाना पिपरी जनपद सोनभद्र पर मु0अ0सं0- 13/2026 धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2), 61(2) बीएनएस व 60, 63, 72 आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्त को विधिक कार्रवाई पूर्ण करते हुए माननीय न्यायालय भेजा गया।

पूछताछ का विवरण :- पूछताछ के दौरान वाहन चालक/अभियुक्त श्रवण कुमार पुत्र चैनाराम निवासी रूपसर बलाड़, तहसील पोखरण, थाना फलसून्ड, जिला जैसलमेर (राजस्थान) ने अवैध शराब परिवहन के संबंध में बताया कि प्रवीण कुमार निवासी रोहतक, हरियाणा द्वारा कंटेनर ट्रक में भरी अंग्रेजी शराब के पैकेट नाकोदर गांव के पास, लुधियाना क्षेत्र से उपलब्ध कराए जाते थे तथा निर्देश दिए जाते थे कि उक्त शराब से लदे कंटेनर को झारखण्ड रांची के रास्ते बिहार ले जाया जा रहा है। अभियुक्त ने बताया कि प्रवीण कुमार उससे व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से लगातार संपर्क में रहता था तथा इस बार वह वाराणसी तक उसके साथ आया भी था। प्रवीण कुमार ने बताया था कि रांची पहुंचने पर वह एक व्यक्ति को भेजेगा, जो कंटेनर लेकर बिहार जाएगा तथा बिहार में कंटेनर खाली होने के बाद अभियुक्त को फोन किया जाएगा, जिसके पश्चात वह वहां पहुंचकर कंटेनर ले जाएगा और उसे मेहनताना के रूप में 50,000 रुपये वहीं प्राप्त होंगे। अभियुक्त ने यह भी बताया कि प्रवीण कुमार के कहने पर वह कंटेनर जिसे निर्देश मिलता उसी व्यक्ति को सौंप देता था तथा इससे पूर्व भी वह प्रवीण कुमार द्वारा उपलब्ध कराए गए कंटेनरों को लगभग 5-6 बार रांची तक ले जा चुका है। अभियुक्त ने यह स्वीकार किया कि जानबूझकर वाहन पर फास्टैग नहीं लगाया जाता था ताकि टोल टैक्स के माध्यम से वाहन की पहचान न हो सके। सकुशल शराब की खेप पहुंचाने पर उसे प्रति चक्कर 50,000 रुपये मिलते थे, जिससे उसकी आजीविका चलती थी, जबकि प्रवीण कुमार अवैध शराब तस्करी से भारी मुनाफा कमाता था।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण :- 01. श्रवण कुमार पुत्र चैनाराम निवासी रूपसर बलाड़ तहसील पोकरण थाना फलसून्ड जिला जैसलमेर राजस्थान उम्र करीब 33 वर्ष।

वांछित अभियुक्त - 01. प्रवीण कुमार पुत्र अज्ञात निवासी रोहतक हरियाणा । 02. वाहन स्वामी चाफियार अली पुत्र साबेद अली निवासी पी0आर0 हिल, कोहिमा।

गिरफ्तारी / बरामदगी करने वाली टीम : 1. प्रभारी निरीक्षक श्री सत्येन्द्र कुमार राय थाना पिपरी जनपद सोनभद्र । 2. उ0नि0 श्री संजय सिंह चौकी प्रभारी रेनूकूट, थाना पिपरी जनपद सोनभद्र । 3. उ0नि0 दिलीप कुमार सिंह थाना पिपरी जनपद सोनभद्र। 3. हे0का0 प्रभूनारायण थाना पिपरी जनपद सोनभद्र । 4. हे0का0 नवीन कुमार गिरी थाना पिपरी जनपद सोनभद्र । 5. हे0का0 मनीष कुमार सिंह चौकी रेनुकूट थाना पिपरी जनपद सोनभद्र । 6. हे0का0 चन्दन मिश्रा थाना पिपरी जनपद सोनभद्र। 7. का0 प्रदीप कुमार पाल थाना पिपरी जनपद सोनभद्र ।

विधायक भूपेश चौबे ने बेठिगांव संपर्क मार्ग का किया शिलान्यास

मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों में वितरित किया प्रमाण पत्र

सोनभद्र। सदर विकास खंड क्षेत्र के बेठिगांव संपर्क मार्ग का मंगलवार को सदर विधायक भूपेश चौबे ने शिलान्यास किया। लोक निर्माण विभाग के अ?धिकारियों को सड़क का निर्माण कार्य जल्द शुरू करने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री आवास योजना व आयुष्मान योजना के लाभा?र्थियों में प्रमाण पत्र एवं कार्ड वितरित किया। इस दौरान उपस्थित जनता को संबोधित करते हुए सदर विधायक ने कहा कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पढ़ाई से लेकर दवाई तक छत से लेकर इज्ज़त तक सबका ख्याल रख रही है। पहले लोग इलाज के अभाव में दम तोड़ते थे, पैसे के अभाव में गरीब पढ़ नहीं पाता था और बहन बेटियां खुले में घूम नहीं सकती थी। अब सरकार लोगों के इलाज के लिए इंतजाम कर रही है, सुरक्षा का माहौल है। गरीबों को मुफ्त में अनाज तो किसानों को सम्मान नि?धि मिल रही है। मनरेगा योजना का जिक्र करते हुए कहा कि वर्तमान में जो रोजगार 100 दिन का मिलता था उसे भाजपा सरकार ने 125 दिन का किया। ऐसे में मजदूरों को लाभ होगा। अब बिचौलिए धन को नहीं हड़प पाएंगे। कहा कि

आपकी भाजपा सरकार आयुष्मान कार्ड के जरिए गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों के लिए 5 लाख तक की व्यवस्था की है, अब किसी भी गरीब व्यक्ति की मौत पैसे के अभाव में नहीं होगी। बेठिगांव ग्राम पंचायत के प्रधान प्रतिनि?धि अनूप त्रिपाठी ने कहा कि रॉबर्ट्सगंज-रामगढ़ मार्ग से बेठिगांव संपर्क मार्ग की हालत अत्यंत जर्जर व दयनीय हो गई थी। सदर विधायक के प्रयास से इस सड़क को विशेष मरम्मत के लिए प्रस्तावित किया गया। इसके लिए शासन से बजट भी निर्गत हो गया। इस सड़क के बनने से क्षेत्र के बेठिगांव, सिरपालपुर के साथ ही करारी, अमौली सहित अन्य गांवों के लोगों का आवागमन सुगम हो जाएगा। इससे पहले सड़क का भूमि पूजन आचार्य विशाल शास्त्री ने वि?धि विधान से कराया। खंड विकास अधिकारी लालजी शुक्ला ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही अपना नंबर भी ग्रामीणों से साझा किया। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अनूप तिवारी ने विधायक एवं खंड विकास अधिकारी का माल्यार्पण एवं अंगवस्त्र भेंटकर स्वागत किया। बीडीसी योगेश कुशवाहा, कोटेदार बबलू केशरी ने भी स्वागत किया। इस मौके पर रामचंद्र त्रिपाठी, विकाश मिश्रा, पंकज मिश्रा, लसड़ा प्रधानपति विमलेश पांडेय, हरिप्रसाद चौबे, राजबली, हीरालाल, योगेंद्र तिवारी, विजय कुमार कनौजिया बबलू पुष्पा तिवारी कौशल्या धर्मेंद्र हीरालाल खरपटु सावित्री देवी सीता छोटे रीना देवी लोक निर्माण विभाग के जेई रवि मौर्या, ग्राम पंचायत अ?धिकारी आदि उप?स्थित रहे।

ट्रूनैट से समय पर इलाज, टीबी संक्रमण की श्रृंखला तोड़ने में मिल रही मदद

रायबरेली : क्षय रोग (टीबी) की पहचान अब पारंपरिक जांच विधियों तक सीमित नहीं रही है। ट्रूनैट जैसी आधुनिक मॉलिक्यूलर जांच तकनीक से टीबी की तेज़ और सटीक पहचान संभव हो रही है, जिससे मरीजों का उपचार समय पर शुरू हो पा रहा है और संक्रमण के प्रसार को रोकने में प्रभावी मदद मिल रही है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन चंद्रा ने बताया कि गोरखपुर मेडिकल कॉलेज द्वारा किए गए एक शोध अध्ययन में यह सामने आया है कि ट्रूनैट जांच, पारंपरिक स्मियर माइक्रोस्कोपी की तुलना में तीन गुना से अधिक टीबी मामलों की पहचान करने में सक्षम है। यह अध्ययन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मायकोबैक्टेरियोलॉजी में प्रकाशित हुआ है, जिसमें 4,249 नमूनों का विश्लेषण किया गया।

उन्होंने बताया कि जनपद की 19 टीबी यूनिटों में 13 नाट मशीनें स्थापित हैं, जिनमें 11 ट्रूनैट और 2 सीबीनाट मशीनें शामिल हैं। इनके माध्यम से प्रतिमाह औसतन 3,549 जांचें की जा रही हैं। समय पर जांच के कारण मरीजों का इलाज बिना विलंब शुरू हो रहा है, जिससे बीमारी के फैलाव पर नियंत्रण संभव हो रहा है।जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. अनुपम सिंह ने बताया कि स्मियर माइक्रोस्कोपी अपेक्षाकृत कम संवेदनशील तकनीक है, जिसमें शुरुआती या हल्के टीबी मामलों की पहचान कठिन होती है। इसके विपरीत ट्रूनैट तकनीक से कुछ ही घंटों में जांच रिपोर्ट उपलब्ध हो जाती है, जिससे टीबी की पुष्टि के साथ-साथ दवा की प्रभावशीलता (रिफैम्पिसिन रेजिस्टेंस) की जानकारी भी मिल जाती है और उपचार की सही रणनीति तय की जा सकती है।

जतुआ टप्पा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लैब टेक्नीशियन अंकुर पटेल ने बताया कि ट्रूनैट एक चिप आधारित तकनीक है, जो कम मात्रा में बैक्टीरिया होने पर भी टीबी संक्रमण की पहचान कर लेती है। यह तकनीक ड्रग रेजिस्टेंट टीबी की समय रहते पहचान में भी सहायक है। ट्रूनैट पोर्टेबल होने के कारण फील्ड स्तर पर उपयोगी है और इसमें मानवीय त्रुटि की संभावना भी कम रहती है। यह बच्चों और एचआईवी संक्रमित मरीजों के लिए विशेष रूप से प्रभावी सिद्ध हो रही है।

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से दिसंबर 2025 के बीच जनपद में 7,952 टीबी मरीज नोटिफाई किए गए, जिनमें से 6,390 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि शेष मरीजों का इलाज वर्तमान में जारी है।जनपद में एम्स सहित 10 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों–डीह, नजीराबाद, ऊंचाहार, डलमऊ, महाराजगंज, बछरावां, सलोन, दीनशाह गौरा, जतुआ टप्पा और खीरों में ट्रूनैट मशीनें स्थापित हैं। वहीं जिला क्षय रोग केंद्र और लालगंज सीएचसी पर सीबीनाट मशीनें कार्यरत हैं। अन्य केंद्रों से सैंपल जांच के लिए इन्हीं स्थानों पर भेजे जाते हैं।

हरहुआ क्षेत्र में एक ही रात में हुई चार चोरियाँ,हजारों का किया माल पार

वाराणसी/हरहुआङ। बड़ागांव थाना अंतर्गत पुलिस चौकी हरहुआ क्षेत्र में एक ही रात में गोमती तोड़कर चोरों ने हजारों रुपये के माल व नगद चोरी करने में सफल रहे। हरहुआ चौराहा दासेपुर में श्यामसुंदर चौहान के चाय पान की गोमती तोड़कर दो हजार रुपये से अधिक के सामान की चोरी हुई। वहीं 200मीटर दूर पुरानी सब्जी मंडी के पास विवेक मौर्य के गोमती तोड़कर 10 हजार नगद सहित हजारों के सामान चुरा ले गए। तीसरी घटना पास में ही अवधेश गुप्ता के नाश्ते की दुकान का ताला तोड़कर हजारों की सामग्री के साथ खाने के बने सामान चुरा ले गए। चौथी चोरी करोमा गाँव के पंचक्रोशी सड़क किनारे नत्थू यादव के गोमती को तोड़कर 4000/चार हजार नगद कुल लगभग 17 हजार की चोरी चोर करने में सफल रहे।घटना की सूचना पर हरहुआ चौकी की पुलिस घटना स्थल का अवलोकन किया साथ ही पास में लगे सीसीटीवी कैमरे की जांचकर चोरों के पता लगाने में जुट गई है।

गणतंत्र दिवस समारोह को हर्षोल्लास के साथ मनाये जाने हेतु रूप-रेखा की गयी निर्धारित

चिन्ता पांडेय

जनपद में गणतंत्र दिवस पूर्ण हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा-जिलाधिकारीगणतंत्र दिवस के अवसर पर समस्त ग्राम प्रधान अपने ग्राम पंचायतों में बैठक आहूत करते हुए ग्रामवासियों को आमंत्रित कर उद्बोधन दें-जिलाधिकारीदो पहिया व चार पहिया वाहनों पर गणतंत्र दिवस के अवसर पर तिरंगा झण्डा लगाएं गणतंत्र दिवस के उल्लास का माहौल बनाये-जिलाधिकारी

जिलाधिकारी श्री बी0एन0 सिंह ने अवगत कराया है कि गणतंत्र दिवस समारोह जनपद में गत वर्ष की भाति इस वर्ष भी हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा, दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों पर गणतंत्र दिवस के अवसर पर तिरंगा झण्डा लगाएं जिससे गणतंत्र दिवस के उल्लास का माहौल बन सके, 26 जनवरी,2026 को प्रातःकाल 8.30 बजे सरकारी भवनों पर राष्ट्रध्वज फहराया जायेगा, इस अवसर पर राष्ट्रगान के गायन के साथ ही संविधान में उल्लिखित संकल्प का स्मरण किया जाये। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रातः 9.30 बजे पुलिस परेड, पुलिस लाइन में सम्पन्न होगा, पुलिस लाइन में परेड का सम्पूर्ण कार्यकम भव्य रूप से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के कुशल संयोजन में प्रारम्भ होगा। प्रातः 10:00 बजे समस्त शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया जायेगा तथा राष्ट्रगान सामूहिक रूप से किया

जायेगा। समस्त शिक्षण संस्थानों में इस अवसर पर ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए जिसमें राष्ट्रगान जन-गण-मन का सामूहिक गायन अवश्य हो। विद्यार्थियों को संक्षेप में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का इतिहास बताया जाय और सशक्त सैन्य बलों के बलिदान का नमन करते हुए देश भक्तों के जीवन के प्रेरक प्रसंग दोहराए जाय, जिससे राष्ट्रीय चेतना विकसित हो। अपरान्ह 01:00 बजे शहीद स्मारक ग्राम परासी दूबे एवं लोक निर्माण विभाग अतिथि गृह के सामने नेहरू पार्क में शहीदों की श्रद्धाजलि का कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। पूर्वान्ह 11.00 बजे नगर पालिका द्वारा कम से कम 04 मलिन बस्तियों में विशेष सफाई अभियान चलाया जायेंगा। मलिन बस्तियों की भी गणतंत्र दिवस के अवसर पर विशेष सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाये, गणतंत्र दिवस के पूर्व नगर एवं ग्रामीण अंचलों के समस्त मलिन बस्तियों की साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाये। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को सम्मानित किया जायेगा। दिन में शिक्षण संस्थाओं में खेद-कूद साइकिल रेस दंगल आदि का आयोजन किया जाये। इस संबंध में खेल विभाग द्वारा जारी किये गये आदेशों के अनुसार कार्यवाही की जाये। 26 जनवरी,2026 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर प्रात 09:15 बजे से तियरा स्टेडियम में कास कन्ट्री रेस आयोजित की जायेगी उन्होंने बताया कि गणतन्त्र दिवस के अवसर पर जो भी प्रतियोगिता आयोजित की जाये उसमें सारगर्भित उद्बोधन किया जाये। इस मौके पर समस्त ग्राम प्रधानों को पत्र भेजकर सुनिश्चित कराएं कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर समस्त ग्राम प्रधान अपने ग्राम पंचायतों में बैठक आहूत करते हुए ग्रामवासियों को आमंत्रित कर अपना सारगर्भित उद्बोधन दें। इसी प्रकार से समस्त शिक्षण संस्थानों में प्रधानाध्यापक द्वारा छात्रों के मध्य सारगर्भित उद्बोधन देते हुए संवैधानिक इतिहास तथा उसके विकास के बारें में अवगत कराया जाये। उन्होंने बताया कि जनपद में निवास करने वाले व्यक्ति अपने निजी भवनों व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर 25 व 26 जनवरी,2026 की रात्रि तक लाइटिंग कराएं। राजकीय भवनों पर दो दिन अर्थात 25 एवं 26 जनवरी 2026 को प्रकाश की व्यवस्था अवश्य करायी जाये। व्यापार मण्डल की तरफ से बाजारों में 100-200 मीटर की गैप के बाद टेन्ट लगवा कर वहां 26 जनवरी 2026 को प्रातः 5.00 बजे से देशभक्ति गीतों का प्रसारण कराया जाये। इस प्रकार कार्यक्रम समस्त उप जिलाधिकारी/तहसीलदारगण अपने-अपने तहसील के कस्बों में भी कराये।

कुष्ठ रोग पर मेडिकल ऑफिसरों का प्रशिक्षण संपन्न

सोनभद्र। एन.एल.आर इंडिया फाउंडेशन के तत्वावधान में मेडिकल ऑफिसरों का कुष्ठ रोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम मुख्य चिकित्सा अधिकारी सभागार में संपन्न हुआ। राज्य कुष्ठ अधिकारी डॉ. जया देहलवी ने कहा कि लेप्रा रिएक्शन की समय पर पहचान और रोकथाम अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि इसके कारण कुष्ठ रोगियों में विकलांगता का खतरा बढ़ जाता है।

एन.एल.आर इंडिया फाउंडेशन के डॉ. अब्दुल्ला ने कुष्ठ रोग के प्रमुख लक्षणों, प्रारंभिक पहचान एवं शीघ्र उपचार के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। स्टेट कुष्ठ पुनर्वास समन्वयक बिपिन सिंह ने सेल्फ केयर और कुष्ठ पुनर्वास पर चर्चा की।
प्रशिक्षण में जनपद के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों से आए मेडिकल ऑफिसरों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य कुष्ठ रोग उन्मूलन कार्यक्रम को और अधिक सशक्त बनाना तथा मरीजों को बेहतर और समयबद्ध उपचार उपलब्ध कराना रहा। इस मौके पर डीएलओ डॉ प्रमोद श्रीवास्तव एसीएमओ डॉक्टर प्रेमनाथ डीएलसी डॉक्टर जय वर्धन पुष्पेंद्र शुक्ला दीपक सिंह महिपाल अजय पाल अल्ताफ सहित अन्य लोक मौजूद रहे।

जिला न्यायालय के लिए सार्वजनिक अवकाश घोषित

माननीय जनपद न्यायाधीश महोदय सोनभद्र ने अवगत कराया है कि माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में दिनांक 25 जुलाई,2026 चतुर्थ शनिवार को न्यायिक कार्य हेतु मुख्यालय पर स्थित सभी न्यायालय वाह्य न्यायालय अनपरा, ओबरा, दुद्धी व ग्राम न्यायालय घोरावल खुले रहेगें। बुधवार को मकर सक्रान्ति के अवसर पर घोषित स्थानीय अवकास के स्थान पर दिनांक 23 जनवरी,2026 को बसंत पंचमी को स्थानीय अवकाश घोषित किया जाता है। जिला न्यायालय के लिए सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है।

न्यायालय सोनभद्र द्वारा पॉक्सो एक्ट के 01 दोषी को आजीवन कारावास एवं 1,00,000/- रुपये के अर्थदण्ड से किया गया दण्डित’

चिन्ता पान्डेय

जनपद सोनभद्र पुलिस द्वारा अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे #OperationConviction अभियान के अंतर्गत एक अहम सफलता प्राप्त हुई है। प्रभावी पैरवी एवं सशक्त पुलिस-न्याय प्रणाली के समन्वय से पॉक्सो एक्ट के प्रकरण में 01 आरोपी को मा0 न्यायालय ASJ/SPL/पॉक्सो, सोनभद्र द्वारा आजीवन कठोर कारावास एवं 1,00,000/- रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है ।

प्रकरण का विवरणः- थानाः- ओबरा, जनपद सोनभद्र। मु0अ0सं0:- 189/2021 धाराएं:- धारा 376 डीए, 506 भादवि0 व 5जी/6 पॉक्सो एक्ट व 3(2)5 एससी/एसटी एक्ट। आरोपीः- जलील मोहम्मद पुत्र सावीर अली निवासी कनहरा थाना ओबरा जनपद सोनभद्र **मा0 न्यायालय द्वारा पारित सजा का विवरणः-** धारा 5जी/6 पॉक्सों में- आजीवन कारावास एवं 1,00,000 रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अर्थदण्ड अदा न करने पर 06 माह का कारावास से दण्डित किया गया। धारा 5जी/6 पॉक्सों एक्ट में उल्लेखित प्रावधान के अनुसार आजीवन कारावास का अभिप्राय अभियुक्त के शेष प्राकृत जीवनकाल के लिए कारावास होगा।

सजा दिलाने में सराहनीय भूमिकाः- इस केस में थाना ओबरा पुलिस, कोर्ट मोहर्रिर, अभियोजन पक्ष एवं जनपद मॉनिटरिंग सेल की संगठित व सतत प्रयासों से न्यायालय में मजबूत साक्ष्य प्रस्तुत किए गए, जिससे अभियुक्तों को दोष सिद्ध किया गया। यह सजा न केवल पीड़िता को न्याय दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि समाज में एक सशक्त संदेश भी देती है कि महिला एवं बाल अपराधों पर अब कोई भी अभियुक्त बच नहीं सकेगा।

पद नहीं, सेवा जिनकी पहचान जनपद छतरपुर की जननायिका,- अंजली सेन

छतरपुर। राजनीति में पद पाना आसान हो सकता है, लेकिन जनता के दिलों में जगह बनाना हर किसी की बात नहीं। छतरपुर जनपद निवासी अंजली सेन आज ऐसे ही जनसेवक के रूप में पहचाने जाते हैं, जिसका नाम आते ही सेवा संवेदना और समर्पण की तस्वीर सामने आ जाती है।जनता की आवाज, जनता का विश्वास, अंजली सेन केवल एक नाम नहीं, बल्कि भरोसे का प्रतीक बन चुकी है। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि राजनीति यदि ईमानदारी और संवेदना से की जाएं , तो वह समाज को जोड़ने का सबसे सशक्त माध्यम बन सकती है। छतरपुर की धरती को ऐसा जनसेवकों पर गर्व है , जिसके लिए पद नहीं, बल्कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।

नॉलेज पार्क थर्ड एनआईईटी कॉलेज के सामने रेहड़ी पटरी वालों का अतिक्रमण

नोएडा ग्रेटर नोएडा नॉलेज पार्क थर्ड नोएडा इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग कॉलेज के सामने अथॉरिटी के पार्क को पूरी तरीके रेहड़ी पटरी वालों ने सुनियोजित तरीके से कब्जा कर लिया है त इनकी वजह से रोड पर हमेशा भीड़ लगी रहती है त इनके अतिक्रमण की वजह से दुर्घटना की संभावना सर पर तलवार बन कर लटकती रहती है त गंदगी इतना की प्लास्टिक एवं फाइवर की कप प्लेट, थाली फेक कर पार्क एवं रोड के दोनों तरफ गंदगी का भंडार लगा दिया है त ग्रेटर नॉएडा अथॉरिटी के स्टॉफ भी दिन में एक दो बार दिखाई पड़ जाते है वह भी गरमा गरम समोसे, कचौरियाँ खा कर निकल जाते हैं ।

नेता विपक्ष राजीव गांधी अपने संसदीय क्षेत्र के दो दिवसीय दौरे पर

रायबरेली। राहुल गांधी अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली का दो दिवसीय दौरा किया। राहुल गांधी लखनऊ से सड़क मार्ग से कल देर रात्रि पहुंचे। चुरुवा बॉर्डर से जगह - जगह कांग्रेसी उमड़ पड़े। रात्रि विश्राम रुस्तमपुर स्थित अपने आवास में किया। सुबह उन्होंने विभिन्न संगठनों एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। उसके बाद ऊंचाहार विधानसभा के रोहनिया ब्लॉक के उमरन गांव में मनरेगा बचाओ में बोलते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी अदाणी को लाभ पहुंचाने के लिए मनरेगा को खत्म करना चाहते हैं, उन्होंने कहा कि सरकार गरीबों को सशक्त नहीं, बल्कि भूखा देखना चाहती है। योजना का

नाम बदलना कोई मुद्दा नहीं,असली चोट गरीबों के संरक्षण और लोकतांत्रिक जड़ों पर की गई है। राहुल गांधी ह सांसद निधि से कराए गए कई कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया।भुएमऊ गेस्ट हाउस 2.50 करोड़ के 31 कार्यों का लोकार्पण किया,जबकि आठ कार्यों का शिलान्यास किया ,जिनकी कीमत 50 लाख है। उद्घाटन के बाद नगर पालिका के अध्यक्ष शत्रुघ्न सोनकर घर पहुंच कर उनके पुत्र और पुत्रवधु आशीर्वाद देकर उनके सफल वैवाहिक जीवन की कामना की ।राहुल गांधी के दौरे का मुख्य आकर्षण लोहिया युवावाहिनी का पोस्टर रहा जिसमें अखिलेश यादव को 2029 का कैप्टन और राहुल गांधी को 2027 का कैप्टन दर्शाया गया। अंत में लखनऊ सड़क मार्ग से रवाना हो गए।

विश्वनाथ त्रिपाठी को भा पत्रकार महासंघ में राष्ट्रीय कार्यकारिणी का सदस्य मनोनीत किया गया

देव मणि शुक्ल

नोएडा भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ ने वर्ष-2026 के लिए अपनी नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए पत्रकारिता जगत के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस क्रम में वरिष्ठ समाजसेवी एवं वरिष्ठ पत्रकार विश्व नाथ त्रिपाठी को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सदस्य नियुक्त किया गया है।उनकी नियुक्ति पर देशभर के पत्रकार संगठनों, बुद्धिजीवियों एवं शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएँ दी हैं।वरिष्ठ पत्रकार विश्व नाथ त्रिपाठी ने इस अवसर पर महासंघ के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस दायित्व को पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ निभाएँगे तथा पत्रकारों के हितों के संरक्षण और संगठन को और अधिक सशक्त बनाने हेतु निरंतर प्रयासरत रहेंगे।यह नियुक्ति निश्चित ही भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के लिए एक सकारात्मक और दूरदर्शी कदम मानी जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

नोएडा में 'रफ़्तार का कहर'! भंगेल एलिवेटेड रोड पर जगुआर ने बरपाया मौत का तांडव एक युवती की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली से सटे नोएडा के भंगेल एलिवेटेड रोड पर मंगलवार को एक रूह कपा देने वाला सड़क हादसा हुआ। बेकाबू रफ्तार से दौड़ रही एक जगुआर कार ने कहर बरपाते हुए एक युवती की जान ले ली, जबकि तीन अन्य लोग इस टक्कर में गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद एलिवेटेड रोड पर चीख-पुकार मच गई और ट्रैफिक थम गया। यह तेज रफ्तार टक्कर एक जगुआर कार से हुई और इससे भारी नुकसान हुआ, जिससे इलाके में आने-जाने वालों में दहशत फैल गई।

सबरीमाला सोना चोरी मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, तीन राज्यों में 21 ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली। सबरीमाला मंदिर में सोने की चोरी और उससे जुड़े धन शोधन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को एक साथ तीन राज्यों में छापेमारी कर हड़कंप मचा दिया। जांच एजेंसी ने केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के लगभग 21 स्थानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत यह तलाशी अभियान चलाया है। ऐसा माना जा रहा है कि संघीय जांच एजेंसी बेंगलुरु में मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी और त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के पूर्व अध्यक्ष ए पद्मकुमार से जुड़े परिसरों की तलाशी ले रही है। ईडी ने हाल ही में केरल पुलिस की प्राथमिकी का संज्ञान लेते हुए पीएमएलए के तहत एक मामला दर्ज किया था।

'राष्ट्रगान का अपमान बर्दाश्त नहीं' तमिलनाडु विधानसभा में भारी ड्रामा राज्यपाल आर.एन. रवि का वॉकआउट

नई दिल्ली। तमिलनाडु की राजनीति में मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया जब राज्यपाल आर.एन. रवि साल के पहले सत्र के उद्घाटन पर अपना पारंपरिक अभिभाषण बीच में ही छोड़कर सदन से बाहर निकल गए। राज्यपाल ने न केवल भाषण पढ़ने से इनकार किया, बल्कि राज्य सरकार और विधानसभा अध्यक्ष पर गंभीर आरोप भी लगाए। गवर्नर रवि ने राज्य विधानसभा में कहा, 'मेरा माइक बंद कर दिया गया था, मेरा अपमान किया गया और मुझे बोलने नहीं दिया गया। विधानसभा में अपने संक्षिप्त संबोधन के दौरान राज्यपाल रवि ने गहरी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहाः 'मैं बहुत निराश हूँ। राष्ट्रगान को वह सम्मान नहीं दिया गया जिसका वह हकदार है। इसे उचित सम्मान मिलना ही चाहिए।

नितिन नबीन मेरे बॉस हैं और मैं एक कार्यकर्ताःनए अध्यक्ष की ताजपोशी पर पीएम मोदी का बड़ा बयान,बीजेपी मुख्यालय में गूँजी तालियाँ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (ंव्झ) के इतिहास में मंगलवार का दिन एक नई ऊर्जा और उत्साह लेकर आया। दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक भव्य समारोह में नितिन नबीन ने औपचारिक रूप से दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल नबीन को बधाई दी, बल्कि अपनी सादगी और पार्टी के प्रति समर्पण से सबका दिल जीत लिया।

बीजेपी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने पर नवीन को बधाई देते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'मैं नितिन नवीन को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी का अध्यक्ष बनने पर बधाई देता हूं। जब पार्टी की बात आती है, तो नितिन नवीन मेरे बॉस हैं और मैं एक पार्टी कार्यकर्ता हूं।' उनकी इस बात पर दर्शकों ने ज़ोरदार तालियां बजाईं।

पीएम मोदी ने देश भर में कई महीनों से चल रही व्यापक आंतरिक चुनाव प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने समझाया कि इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया में बीजेपी के संविधान का सख्ती से पालन करते हुए जमीनी स्तर से लेकर शीर्ष संगठनात्मक पद तक नेताओं का चुनाव शामिल है। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया अब औपचारिक रूप से पूरी हो गई है और यह पार्टी के मजबूत लोकतांत्रिक मूल्यों, अनुशासन और कार्यकर्ता-प्रथम दर्शन का प्रमाण है। उन्होंने इस प्रक्रिया में शामिल लाखों पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, 'यह भव्य संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया भारतीय जनता पार्टी की लोकतांत्रिक आस्था, संगठनात्मक अनुशासन और कार्यकर्ता-केंद्रित दृष्टिकोण का प्रतीक है।' पीएम मोदी ने आगे इस बात पर ज़ोर दिया कि भारतीय जनता पार्टी का नेतृत्व मॉडल अपनी विरासत और जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता से ताकत हासिल

करता है। उन्होंने कहा, 'मैं इस प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए देश भर के सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई देता हूं... हमारा नेतृत्व परंपरा से निर्देशित है, अनुभव से समृद्ध है, और जनसेवा और राष्ट्र सेवा की भावना के साथ संगठन को आगे बढ़ाता है।'

पीएम मोदी ने पार्टी की विरासत और मील के पत्थर पर बात की। उन्होंने कहा, 'पिछले डेढ़ साल में, हमने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती, अटल जी की 100वीं जयंती और'ंएए के 100 साल पूरे होने का जश्न मनाया। ये प्रेरणाएँ देश के लिए जीने के हमारे संकल्प को मज़बूत करती हैं। हमारा नेतृत्व परंपरा के साथ आगे बढ़ता है, अनुभव से शक्ति प्राप्त करता है और जनसेवा की भावना से संगठन को आगे बढ़ाता है। मैं बीजेपी के सभी पूर्व अध्यक्षों को बधाई देता हूँ। आप जानते हैं कि बीजेपी संगठन के विस्तार पर उतना ही ध्यान देती है जितना कार्यकर्ताओं को बनाने पर।' प्रधानमंत्री ने पार्टी के ऐतिहासिक उदय को याद किया।

उन्होंने कहा, 'अटल जी, आडवाणी जी और मुरली मनोहर जोशी जी के नेतृत्व में, बीजेपी ने शून्य से शिखर तक का सफर देखा। इस सफर में, वेंकैया नायडू जी और नितिन गडकरी जी सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने संगठन का विस्तार किया। राजनाथ जी के नेतृत्व में, बीजेपी को पहली बार अपने दम पर पूर्ण बहुमत मिला। फिर अमित भाई के नेतृत्व में, बीजेपी ने कई राज्यों में सरकारें बनाईं और केंद्र में लगातार दूसरी बार सत्ता हासिल की। जेपी नड्डा जी के नेतृत्व में, बीजेपी पंचायत से लेकर संसद तक मज़बूत हुई और तीसरी बार सत्ता में लौटी।

नितिन नबीन आज से मेरे बॉस, पीएम मोदी बोले हमारे यहां अध्यक्ष बदलते हैं, लेकिन आदर्श नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भाजपा मुख्यालय में नितिन नबीन की नई राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति के समारोह के दौरान भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों के इस महत्वपूर्ण अवसर पर एकत्रित होने से वातावरण उत्साह से भरा हुआ था। भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नबीन को बधाई देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि 'मैं नितिन नबीन को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी का अध्यक्ष बनने पर बधाई देता हूं। जब पार्टी की बात आती है, तो नितिन नबीन मेरे बॉस हैं और मैं एक पार्टी कार्यकर्ता हूं। उनके इस कथन पर उपस्थित लोगों ने जोरदार तालियां बजाईं।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश भर में कई महीनों से चल रही व्यापक आंतरिक चुनाव प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने स्पष्ट

किया कि इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाजपा के संविधान का कड़ाई से पालन करते हुए जमीनी स्तर से लेकर शीर्ष संगठनात्मक पद तक के नेताओं का चुनाव किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया अब औपचारिक रूप से पूरी हो चुकी है और यह पार्टी के मजबूत लोकतांत्रिक मूल्यों, अनुशासन और कार्यकर्ता-प्रथम दर्शन का प्रमाण है। उन्होंने इस प्रक्रिया में शामिल लाखों पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह भव्य संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया भारतीय जनता पार्टी के लोकतांत्रिक विश्वास, संगठनात्मक अनुशासन और कार्यकर्ता-केंद्रित दृष्टिकोण का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे इस बात पर जोर दिया कि भारतीय जनता पार्टी का नेतृत्व मॉडल उसकी विरासत और जनसेवा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता से मजबूत होता है। उन्होंने कहा इस प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए मैं देश भर के सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई देता हूं... हमारा नेतृत्व परंपरा से प्रेरित है, अनुभव से समृद्ध है और जनसेवा एवं राष्ट्रीय सेवा की भावना से संगठन को आगे बढ़ाता है।राष्ट्रीय स्तर पर पदोन्नति से पहले, नबीन नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार सरकार में सड़क निर्माण और शहरी विकास मंत्रालयों के प्रभारी थे। भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद उन्होंने राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया, जो प्रशासनिक जिम्मेदारियों से पूर्णकालिक संगठनात्मक नेतृत्व की ओर उनके बदलाव का संकेत था। सोमवार को भाजपा अध्यक्ष के रूप में उनका औपचारिक चुनाव हुआ, जब वे पार्टी के संगठनात्मक चुनावों में एकमात्र उम्मीदवार के रूप में उभरे। भाजपा केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, नबीन निर्विरोध चुने गए।

दावोस में हिमंता बिस्वा ने रचा इतिहास, विश्व आर्थिक मंच में पहुंचने वाले असम के पहले सीएम बने

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने स्विट्जरलैंड में आयोजित विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक में भाग लेने वाले असम के पहले मुख्यमंत्री बनकर इतिहास रच दिया है। 19 से 23 जनवरी तक आयोजित हो रहे डब्ल्यूईएफ दावोस 2026 में उनकी भागीदारी वैश्विक आर्थिक और नीति-निर्माण मंच पर असम की स्थिति को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सरमा का ज्यूरिख हवाई अड्डे पर प्रवासी भारतीय समुदाय के सदस्यों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री का औपचारिक स्वागत राजदूत मृदुल कुमार ने किया, जिन्होंने शिखर सम्मेलन से पहले उनके आगमन पर उनका अभिनंदन किया। अपनी यात्रा के दौरान, असम के मुख्यमंत्री ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा, केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू और दावोस में एकत्रित अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों सहित कई प्रतिष्ठित वैश्विक और राष्ट्रीय नेताओं से मुलाकात की। सरमा ने सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम से भी मुलाकात की, जिनके साथ उनकी सौहार्दपूर्ण बातचीत हुई। विश्व आर्थिक मंच पर, सरमा भावी कार्यबल, वैश्विक साझेदारी, पर्यटन क्षमता, स्वास्थ्य सेवा में परिवर्तन और सतत विकास पर उच्च स्तरीय चर्चाओं में भाग लेंगे। इन चर्चाओं का उद्देश्य असम को भविष्य के लिए तैयार विकास, नवाचार और अवसरों के वैश्विक परिदृश्य में मजबूती से स्थापित करना है। असम की ताकत को उजागर करते हुए, मुख्यमंत्री राज्य के फलते-फूलते चाय उद्योग, मजबूत अवसंरचना विकास और विस्तारित हरित ऊर्जा क्षेत्र को प्रदर्शित कर रहे हैं, जो सभी अंतरराष्ट्रीय निवेश और सहयोग के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं।

बीएमसी मेयर चुनावः 30 जनवरी को बीजेपी का मेयर तय, शिंदे गुट को नहीं मिलेगा पद?

नई दिल्ली। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) में 30 जनवरी को महापौर चुनाव हो सकते हैं। इस चुनाव के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को नया महापौर मिलने की संभावना है। सूत्रों से यह भी संकेत मिलता है कि भाजपा शिंदे गुट को महापौर पद की पेशकश नहीं करेगी। बीएमसी आयुक्त महापौर चुनाव का औपचारिक कार्यक्रम घोषित करेंगे। इसमें महापौर के चुनाव के लिए श्रेणी तय करने हेतु लॉटरी निकाली जाएगी, जिसके बाद महापौर और उप महापौर दोनों के लिए मतदान होगा। बीएमसी में भाजपा और शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना की संयुक्त शक्ति 118 पार्षदों की है, जो बहुमत के लिए आवश्यक 114 सीटों से चार अधिक है। अजीत पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी), जिसके पास तीन सीटें हैं और जो महायुति गठबंधन का हिस्सा है, के समर्थन से यह संख्या बढ़कर 121 हो जाती है, जिससे सत्तारूढ़

गठबंधन की स्थिति और मजबूत हो जाती है। विपक्षी दल की ओर से उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) को 65 सीटें मिली हैं। उसने राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था, जिसे केवल छह सीटें ही मिल सकीं। कांग्रेस ने 24 सीटें जीतीं, जबकि शरद पवार की एनसीपी (एसपी) को सिर्फ एक सीट मिली। इन सभी पार्टियों को मिलाकर भी कुल 96 सीटें मिली हैं, जो बहुमत के लिए आवश्यक सीमा से काफी कम हैं। शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और एनसीपी (एसपी) महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के घटक दल हैं, लेकिन कांग्रेस और एनसीपी (एसपी) ने बीएमसी चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ने का विकल्प चुना। शिवसेना (यूबीटी) ने कांग्रेस को एमएनएस के साथ गठबंधन में शामिल होने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप एक खंडित विपक्षी मोर्चा बन गया।

तेजी से बूढ़ा हो रहा चीन, 40 लाख घटी आबादी

बीजिंग। सरकार द्वारा जन्म दर बढ़ाने के लिए कई प्रोत्साहन योजनाओं के बावजूद, चीन की जनसंख्या में लगातार चौथे वर्ष गिरावट दर्ज की गई और 2025 में जन्म दर रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई। जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, देश की जन्म दर गिरकर 5.63 प्रति 1,000 व्यक्ति हो गई - जो 1949 में कम्युनिस्ट पार्टी के सत्ता में आने के बाद से अब तक का सबसे निचला स्तर है, जबकि मृत्यु दर बढ़कर 8.04 प्रति 1,000 व्यक्ति हो गई, जो 1968 के बाद से उच्चतम स्तर है। 2025 के अंत तक इसकी जनसंख्या 3.39 मिलियन घटकर 1.4 बिलियन हो गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक तेजी से घटी है।

कर्नाटक में मचा हड़कंपः पुलिस ऑफिस में 'रंगीनमिजाजी' का वीडियो वायरल, डीजीपी लेवल के अधिकारी रामचंद्र राव सस्पेंड

नई दिल्ली। कर्नाटक सरकार ने मंगलवार को एक बड़ा और कड़ा कदम उठाते हुए उइ रैंक के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी रामचंद्र राव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई एक आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद की गई है, जिसमें कथित तौर पर अधिकारी को अपने सरकारी कार्यालय के भीतर विभिन्न महिलाओं के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देखा गया था। यह फैसला उइ रैंक के अधिकारी के सरकारी ऑफिस में कथित व्यवहार को लेकर बढ़ते विवाद और लोगों के गुस्से के बीच आया। यह विवाद मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के ऑफिस तक पहुंच गया, जिन्होंने सोमवार को संबंधित विभाग से जानकारी ली। एक दिन बाद, राज्य प्रशासन ने सीनियर पुलिस अधिकारी को सस्पेंड करने का फैसला किया।

इस घटना ने राज्य के राजनीतिक गलियारों और पुलिस

महकमे में तूफान खड़ा कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने जब स्वयं फुटेज देखी, तो वे बेहद गुस्से में थे। उन्होंने विभाग से जवाब तलब किया कि पुलिस विभाग के सर्वोच्च पदों पर बैठे अधिकारी ऐसी गतिविधियों में कैसे शामिल हो सकते हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय के हस्तक्षेप के बाद 24 घंटे के भीतर निलंबन का आदेश जारी कर दिया गया। इस घटना से सत्ताधारी कांग्रेस सरकार पर राजनीतिक दबाव भी बढ़ा, विपक्षी पार्टियां इस पर करीब से नज़र रख रही थीं कि कोई औपचारिक जांच या अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी या नहीं। एक दिन पहले, एक वीडियो सामने आया था जिसमें डीजीपी रैंक के घ्इए अधिकारी और सोने की तस्करी के आरोपी रान्या राव के पिता रामचंद्र राव को अपने सरकारी चैंबर में आपत्तिजनक हालत में दिखाया गया था। वायरल हुए फुटेज में कथित तौर पर राव को ऑफिस के समय वर्दी में अलग-अलग महिलाओं को गले लगाते और किस करते हुए दिखाया गया है।

ब्लॉक परिसर में अधिकारी के समक्ष नामांकन दाखिल उपलक्ष्य योगेन्द्र सिंह

चित्रकूट।सहकारी भूमि विकास बैंक चित्रकूट के अध्यक्ष पद पर भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के समर्थित उम्मीदवार योगेन्द्र सिंह ने ब्लॉक परिसर में अधिकारी के समक्ष नामांकन दाखिल किया। नामांकन के उपलक्ष्य योगेन्द्र सिंह के नामांकन एवं उनके निर्विरोध निर्वाचित होने पर भाजपा-चित्रकूट के कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त की और फूल मालाओं से लादकर योगेन्द्र सिंह को बधाईयाँ दी।जिलाध्यक्ष महेंद्र कोटार्य ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि योगेन्द्र सिंह के बैंक अध्यक्ष बनने से नयी ऊर्जा बैंक को मिलेगी। ग्राहक और बैंक के बीच समन्वय और संवाद और प्रभावी होगा। पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्रा ने योगेन्द्र सिंह के निर्विरोध निर्वाचित होने पर बधाई दी।पूर्व सांसद आर के पटेल ने कहा कि सहकारी संगठनों पर भाजपा कार्यकर्ताओं के विस्तार से भाजपा सशक्त हो रही है।पूर्व मंत्री चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय ने कहा कि भाजपा में ही सम्भव है। कार्यकर्ता सभी जगह समायोजित होता है।

डीसीबी चेयरमैन चुनाव के संयोजक पंकज अग्रवाल ने कहा कि सहकार से ही समृद्धि आएगी । जिला महामंत्री आलोक पाण्डेय ने कहा कि योगेन्द्र सिंह पिछली बार भी निर्विरोध निर्वाचित हुए थे और इस बार भी निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं । उनके पास एक लम्बा प्रशासकीय अनुभव है। समन्वय संवाद, संगठन कौशल टीम भावना यह उनके पिछले कार्यकाल के मुख्य अवयव हैं।

मीडिया प्रभारी भागवत त्रिपाठी ने खुशी व्यक्त करते हुए बताया कि योगेन्द्र सिंह के अध्यक्ष बनने से पार्टी का जनाधार बढ़ेगा।पार्टी और अधिक मजबूत होगी।बैंक अध्यक्ष के निर्वाचन से भाजपा-चित्रकूट के कार्यकर्ताओं में नयी ऊर्जा का संचार हुआ है। सब कार्यकर्ताओं में अपार खुशी का माहौल है।इस अवसर पर हीरो मिश्रा,सह संयोजक अश्विनी अवस्थी शिवशंकर सिंह,विपुल प्रताप सिंह, राघवेन्द्र सिंह, बृजेश पांडेय रवि गुप्ता,दीपक द्विवेदी,गोलू गर्ग,सोनू खंगार, राकेश कोल, फूलचंद राजपूत,पवन बद्री, शिवाकांत पांडेय सुरेश अनुरागी, शक्ति प्रताप सिंह, राजकुमार त्रिपाठी,राधे परिहार आदि उपस्थित रहे।

5.7 तीव्रता का भूकंप कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लेह जिले में सोमवार को 5.7 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के कारण किसी प्रकार के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप के झटके दिन में 11:51 बजे महसूस किए गए। एनसीएस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि भूकंप का केंद्र 171 किलोमीटर की गहराई में 36.71 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 74.32 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि अभी तक भूकंप से संबंधित किसी भी प्रकार की क्षति की कोई सूचना नहीं है।

बलिया ज्ञानकुंज एकेडमी में तीन दिवसीय वार्षिक खेलकुद प्रतियोगिता का शुभारंभ

स्वस्थ शरीर के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेल भी जरूरी है-प्रबंधक

बलिया। शिक्षा की क्षेत्र में समूचे पूर्वांचल में अग्रणी विद्यालय ज्ञानकुंज एकेडमी बंशीबाजार जो शिक्षा संस्कार और अनुशासन के प्रति प्रतिबद्ध रहता है। मंगलवार को विद्यालय का वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। इस तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ बच्चों की सुंदर प्रस्तुति द्वारा मशाल प्रजवलित करके आरंभ हुआ इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी पंकज सिंह नवानगर, विशिष्ठ अतिथि दीपक कुमार जायसवाल के कर-कमलों द्वारा सामुहिक रूप से कार्यक्रम का शुभारम्भ फीता काट कर किया गया ६ मुख्य अतिथि का स्वागत विद्यालय के प्रबंधक डॉ देवेंद्र सिंह ने गुलदस्ता एवं अंग वस्त्र देकर किया तथा विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती सुधा पांडे ने विशिष्ठ अतिथि का स्वागत स्मृति चिन्ह एवं गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया। इस

अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कि ज्ञानकुंज एकेडमी बंशी बाजार बलिया जिले में ही नहीं बल्कि अपनी शिक्षा संस्कार और अनुशासन के लिए पूरे पूर्वांचल में चर्चित है।इसकी सराहना सी.बी.एस.ई. बोर्ड के स्कूलों में प्रमुख रूप से होती है उन्होंने इस कार्यक्रम की बहुत ही सराहना की और उन्होंने कहा कि यह बच्चों के स्वास्थ्य और मानसिक विकास के लिए खेलकूद अति आवश्यक होता है उन्होंने बच्चों को इस प्रतियोगिता में शामिल होने की बहुत-बहुत बधाई दी और शुभकामनाएं दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक डॉ0 देवेंद्र सिंह ने कहा कि शिक्षा स्वस्थ शरीर से ही होती है इसलिए खेलकूद बच्चों के लिए अनिवार्य होता है स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है और खेलकूद से शरीर स्वस्थ रहता है ६ विद्यालय के प्रधानाचार्या श्रीमती सुधा पाण्डेय ने कहा कि विद्यालय में अनुशासन, शिक्षा और स्वास्थ्य की प्राथमिकता होती है लेकिन स्वस्थ शरीर में ही बच्चा स्वस्थ शिक्षा ग्रहण कर सकता है उन्होंने इस कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर सबको बधाई दिया।कार्यक्रम का आरंभ प्राइमरी विंग से शुरू हुआ यह खेल प्रतियोगिता तीन दिनों तक चलेगा जिसमें विभिन्न विंग के बच्चे अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे और विभिन्न खेलों के द्वारा खेल का सुंदर प्रदर्शन करेंगे ।

अटल-आडवाणी से नड्डा-नबीन तक...45 सालों में किस-किस ने थामी कमल की कमान,अब 45 साल के युवा को सम्मान

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में नितिन नबीन को अपना नया राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अन्य वरिष्ठ नेता इस अवसर पर उपस्थित थे। 45 वर्षीय नबीन निर्विरोध चुने गए और पार्टी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष बने, जिससे वे इस पद पर आसीन होने वाले सबसे युवा अध्यक्ष बन गए हैं। इससे पहले 15 दिसंबर को उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला था। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया 36 में से 30 राज्य अध्यक्षों के चुनाव के बाद शुरू हुई, जो आवश्यक 50 प्रतिशत की सीमा को पार कर गया। चुनाव कार्यक्रम और मतदाता सूची की घोषणा 16 जनवरी, 2026 को की गई। नामांकन प्रक्रिया सोमवार को दोपहर 2 बजे से 4 बजे के बीच हुई, जिसमें नितिन नबीन के पक्ष में कुल 37 नामांकन पत्र प्राप्त हुए। प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह और राजनाथ सिंह सहित कई शीर्ष नेता प्रस्तावक थे। 1980 में भाजपा की स्थापना के बाद से कई प्रभावशाली नेताओं ने संगठन की बागडोर संभाली है। प्रत्येक अध्यक्ष ने पार्टी की वैचारिक दिशा, संगठनात्मक संरचना और चुनावी रणनीति को अपने विशिष्ट तरीके से आकार दिया है। अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में शुरुआती वर्षों से लेकर नितिन नबीन के नेतृत्व में वर्तमान नेतृत्व तक, भाजपा अध्यक्षों का सफर एक छोटी राजनीतिक इकाई से सदस्यता के मामले में दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनने तक पार्टी के

विकास को दर्शाता है। **लालकृष्ण आडवाणी (1986 से 1991):** थोड़े कट्टर छवि के माने जाने वाले लाल कृष्ण आडवाणी बीजेपी के नए अध्यक्ष बन गए। अब बीजेपी में नेतृत्व आडवाणी का था और नियंत्रण संघ का। इसलिए बीजेपी ने हिंदुत्व का रास्ता अख्तियार किया। इसके बाद ये रास्ता बनता हुआ खुद पर खुद बनता चला गया।

मुरली मनोहर जोशी (1991 से 1993): 1991 का चुनाव बीजेपी ने राम मंदिर के मुद्दे पर लड़ा और उसने 120 सीटें जीत लीं। इस साल बीजेपी देश की नंबर दो पार्टी बन गई। बीजेपी को लग गया कि सत्ता की संजीवनी चाहिए तो राम नाम से राष्ट्रवाद पर जाना होगा। इसी दौर में बीजेपी में मुरली मनोहर जोशी अध्यक्ष बन गए थे। दिसंबर 1991 में उनकी तिरंगा यात्रा निकली जिसका मकसद 26 जनवरी 1992 को श्रीनगर के लाल चौक पर तिरंगा फहराना था। **लालकृष्ण आडवाणी (1993 से 1998):** हिंदुत्व और राम के नाम पर बीजेपी बहुत तेजी से आगे बढ़ रही थी। 1984 में 2 सीटों पर सिमटी महज सात वर्षों में ही देश की नंबर दो पार्टी बन गई थी। ये सब हुआ लाल कृष्ण आडवाणी की बदौलत। साल 1993 में आडवाणी एक बार फिर बीजेपी के अध्यक्ष बनते हैं। आडवाणी को ये अंदाजा था कि पार्टी को नंबर टू से नंबर 1 बनाने और इससे भी आगे प्रधानमंत्री देने के लिए कोई उदार छवि वाला चेहरा चाहिए। 1995 में वाजपेयी जी से बगैर पूछे ही उनको प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर दिया और उनके इस ऐलान के बाद सब के सब हैरान रह गए थे। **कुशाभाऊ ठाकरे (1998 से 2000):** अटल जी के नेतृत्व में बीजेपी सरकार बनाने में कामयाब रही। इसी दौर में भारतीय जनता पार्टी में पितृ पुरुष कहे जाने वाले कुशाभाऊ ठाकरे की बीजेपी के अध्यक्ष पद पर ताजपोशी होती है।

भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज हार पर बवाल,गावस्कर ने उठाए फील्डिंग और रणनीति पर सवाल

नई दिल्ली। दो साल पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में व्हाइटवॉश झेलने के बाद जो सवाल उठे थे, वही चिंता अब वनडे क्रिकेट तक पहुंच गई है। घरेलू मैदान पर पहली बार भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज गंवानी पड़ी है, जिसने टीम इंडिया की तैयारियों और रणनीति पर बहस तेज कर दी है। मौजूद जानकारी के अनुसार, भारत ने सीरीज की शुरुआत जरूर एक करीबी जीत के साथ की थी, लेकिन इसके बाद दूसरे और तीसरे वनडे में न्यूजीलैंड ने जोरदार वापसी करते हुए सीरीज अपने नाम कर ली। निर्णायक मुकाबले में भारतीय टीम ने मैच को अपने हाथ से फिसलने दिया। एक समय न्यूजीलैंड का स्कोर 5 रन पर 2 विकेट था, लेकिन वहां से टीम इंडिया विपक्षी बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखने में नाकाम रही। गौरतलब है कि न्यूजीलैंड ने संघर्ष से उबरते हुए 338 रन 7 विकेट पर बना दिए, जो बाद में भारत के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हुए। लक्ष्य का पीछा करते हुए विराट कोहली ने एक बार फिर जिम्मेदारी उठाई और शानदार शतक जमाया। यह उनके

वनडे करियर का 54वां शतक था, लेकिन दूसरे छोर से लगातार विकेट गिरने के कारण उनका यह प्रयास टीम को जीत तक नहीं ले जा सका। अंततः भारत 41 रन से मुकाबला हार गया और न्यूजीलैंड की घरेलू सीरीज में हार की लकीर भी खत्म हो गई। मैच के बाद पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टीम इंडिया की हार का बेबाक विश्लेषण किया। उन्होंने किसी एक खिलाड़ी को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराने से परहेज किया, लेकिन टीम की फील्डिंग को बड़ी कमजोरी बताया। गावस्कर का मानना था कि भारतीय खिलाड़ी मैदान पर सुस्त नजर आए और न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को बेहद आसानी से सिंगल लेने का मौका मिलता रहा।

उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे फुर्तीले खिलाड़ी मैदान पर मौजूद थे, फिर भी कुल मिलाकर फील्डिंग उतनी आक्रामक नहीं दिखी, जितनी इस स्तर के क्रिकेट में होनी चाहिए। उनके मुताबिक, रन रोकने में ढिलाई ने विपक्षी टीम को लय में आने का मौका दिया और यहीं से मैच का रुख बदल गया। अगर मैच की स्थिति पर नजर डालें तो शुरुआती ओवरों में भारत ने शानदार शुरुआत की थी। अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा ने डेवोन कॉनवे और हेनरी निकोल्स को जल्दी पवेलियन भेज दिया था। इसके बाद विल यंग का विकेट भी गिरा, लेकिन फिर भारतीय गेंदबाजों को अगले विकेट के लिए 31 ओवर तक इंतजार करना पड़ा। इस दौरान डैरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स ने चौथे विकेट के लिए 219 रनों की बड़ी साझेदारी कर डाली। हालांकि इंदौर में खेले गए इस मुकाबले में भारत की फील्डिंग पिछले मैचों के मुकाबले कुछ बेहतर जरूर रही और टीम ने केवल तीन अतिरिक्त रन दिए। रवींद्र जडेजा ने एक शानदार कैच भी पकड़ा, लेकिन यह प्रयास मैच का रुख बदलने के लिए काफी नहीं रहे। इससे पहले राजकोट में खेले गए दूसरे वनडे के बाद भी सुनील गावस्कर ने हैरानी जताई थी। उन्होंने कहा था कि जिस तरह न्यूजीलैंड ने 285 रनों का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया, उससे भारतीय टीम की रणनीति पर सवाल उठते हैं। उनके मुताबिक, पिच की सुस्ती का फायदा भारतीय गेंदबाज नहीं उठा सके, जबकि न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने संयम और फिटनेस के दम पर लक्ष्य को आसान बना दिया।

बांग्लादेश विवाद में पाकिस्तान की भागीदारी पर सवाल

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले माहौल लगातार गर्म होता जा रहा है और अब इसमें एक नया मोड़ सामने आया है। बता दें कि फरवरी से भारत और श्रीलंका में शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट को लेकर पाकिस्तान ने भी अपनी भागीदारी की समीक्षा करने के संकेत दिए हैं, अगर बांग्लादेश क्रिकेट टीम से जुड़ी चिंताओं का समाधान नहीं होता है। मौजूदा जानकारी के अनुसार, यह फैसला तब सामने आया जब बांग्लादेश सरकार ने पाकिस्तान से संपर्क कर सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर समर्थन मांगा है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि पाकिस्तान ने इस पूरे घटनाक्रम पर गंभीरता से विचार किया है और साफ तौर पर कहा है कि किसी भी देश पर मेजबानी या खेलने को लेकर दबाव नहीं डाला जाना चाहिए। गौरतलब है कि बांग्लादेश से जुड़ा विवाद उस समय शुरू हुआ जब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई ने कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल 2026 की टीम से मुस्तफिजुर रहमान को बाहर करने का निर्देश दिया, हालांकि इसके पीछे कोई आधिकारिक कारण सार्वजनिक नहीं किया गया है।

टी-20 वर्ल्ड कप पर संकट! भारत के खिलाफ पाकिस्तान बांग्लादेश का गठजोड़, पीसीबी ने रोकी तैयारी

नई दिल्ली। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 से पहले, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भारत में खेलने के बांग्लादेश के बहिष्कार के फैसले का समर्थन करते हुए अपनी टीम की तैयारियों को रोक दिया है। जियो न्यूज के अनुसार, भारत और श्रीलंका द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित होने वाले इस प्रतिष्ठित टी20 टूर्नामेंट के लिए पीसीबी ने अभी तक कोई बयान जारी नहीं किया है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस रिपोर्ट की पुष्टि करते हुए कोई बयान जारी नहीं किया है।

हाल ही में, बांग्लादेश में चल रहे अल्पसंख्यक उत्पीड़न के विरोध में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के निर्देश पर बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की आईपीएल 2026 टीम से बाहर कर दिया गया था। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से मैचों को भारत से बाहर के स्थानों पर स्थानांतरित करने का अनुरोध किया है।

बांग्लादेश की सुरक्षा चिंताओं को 'उचित और वैध' बताते हुए, पाकिस्तान ने 19 जनवरी को टी20 विश्व कप मैचों के लिए भारत न जाने के बांग्लादेश के फैसले का पूर्ण समर्थन व्यक्त किया था। इस्लामाबाद स्थित जियो न्यूज के अनुसार, पाकिस्तान टीम प्रबंधन को टूर्नामेंट में भाग न लेने की स्थिति में एक वैकल्पिक योजना तैयार करने के लिए कहा गया है। मीडिया आउटलेट ने बताया कि पाकिस्तान ने यह भी कहा है कि यदि बांग्लादेश का मुद्दा अनसुलझा रहता है तो वह टी20 विश्व कप में अपनी भागीदारी पर पुनर्विचार करेगा।

इसके अलावा, पीसीबी ने श्रीलंका में स्टेडियम उपलब्ध न होने की स्थिति में बांग्लादेश के टी20 विश्व कप मैचों की मेजबानी करने की इच्छा भी व्यक्त की है। इस बीच, आईसीसी अपने मूल कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं करने पर अडिग है, जिसमें बांग्लादेश को इटली, न्यूज़ीलैंड, वेस्ट इंडीज और नेपाल के साथ ग्रुप सी में रखा गया है। गौरतलब है कि आईसीसी और बीसीबी के बीच दो बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन टी20 विश्व कप शुरू होने में दो सप्ताह से भी कम समय बचा है और यह मुद्दा अभी तक सुलझा नहीं है।

ग्रीनलैंड के साथ कनाडा-वेनेजुएला पर अमेरिकी झंडा, ट्रंप ने नए पोस्ट ने मचाया हड़कंप!

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पुरानी तस्वीर साझा की, जिसमें वे मेलोनी, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन शामिल हैं। एक पोस्ट में ट्रंप को उपराष्ट्रपति

अन्य यूरोपीय नेताओं के साथ हैं और अमेरिकी ध्वज में कनाडा, ग्रीनलैंड और वेनेजुएला को संयुक्त राज्य अमेरिका का हिस्सा दिखाया गया है। तस्वीर में ट्रम्प ओवल ऑफिस में बैठे हुए हैं, उनके साथ नाटो के नेता भी हैं, जिनमें फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन, इटली की जॉर्जिया जेडी वैंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ ग्रीनलैंड में अमेरिकी ध्वज फहराते हुए देखा जा सकता है, जिस पर एक माइलस्टोन लगा है जिस पर लिखा है, ग्रीनलैंड अमेरिकी क्षेत्र, स्थापना 2026।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के तुरंत बाद, ट्रंप ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका दक्षिण अमेरिकी देश को तब तक अपने अधीन रखेगा जब तक कि हम एक सुरक्षित, उचित और विवेकपूर्ण सत्ता हस्तांतरण सुनिश्चित नहीं कर लेते। बाद में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने 8 जनवरी को इस रुख को दोहराते हुए कहा ट्रंप प्रशासन वेनेजुएला के अंतरिम अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है। जाहिर है, इस समय वेनेजुएला के अंतरिम अधिकारियों पर हमारा पूरा प्रभाव है... उनके फैसले संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा निर्देशित होते रहेंगे। पिछले साल ट्रंप ने सुझाव दिया था कि कनाडा अमेरिका का 51वां राज्य बने। चुनाव जीतने के तुरंत बाद, प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने मई में अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप के इस सुझाव को सिरे से खारिज कर दिया था कि कनाडा अमेरिका का 51वां राज्य बने।

गौतमी नाइक के बल्ले का कमाल आरसीबी ने डब्ल्यूपीएल में गुजरात दिग्गज को दी करारी शिकस्त

नई दिल्ली। गौतमी नाईक के अर्धशतक की मदद से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने सोमवार को गुजरात जाइंट्स को 61 रन से हराकर महिला प्रीमियर लीग में अपना अपराजेय अभियान बरकरार रखा।

आरसीबी की टूर्नामेंट में यह लगातार पांचवीं जीत थी। पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर आरसीबी ने छह विकेट पर 178 रन का सम्मानजनक स्कोर बनाया। शीर्ष पर काबिज आरसीबी की शुरूआत अच्छी नहीं रही।

पहले ओवर में ग्रेस हैरिस और दूसरे ओवर में जॉर्जिया वोल पवेलियन लौट गए जब स्कोर नौ रन ही था लेकिन इसके बाद नाईक ने पारी को संभाला। जवाब में गुजरात की टीम शुरू ही से दबाव में रही और सातवें ओवर में 34 रन के स्कोर पर उसके चार विकेट गिर गए। बेथ मूनी, सोफी डेवाइन, अनुष्का शर्मा और कनिका आहूजा पवेलियन लौट चुकी थीं।

भारत ने बांग्लादेश से राजदूत के परिवार को वापस बुलाया, कुछ बड़ा होने वाला है?

ढाका। बांग्लादेश में कुछ बड़ा होने वाला है। जिसकी भनक भारत को लगते ही ताबड़तोड़ एक्शन शुरू हो चुका है। जिसने पूरी दुनिया में हलचल मचा के रख दी है। बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस अब भारत के खिलाफ कौन सी साजिश रच रहे हैं जिसकी पोल खुलते ही भारत ने अपनी तैयारियों को पूरा कर लिया है। बांग्लादेश में चुनाव होने में बस कुछ ही दिनों का वक्त बचा है। जिस चुनाव को टालने के लिए यूनुस ने बांग्लादेश को आग में झोंका। हर पैतरे अपनाए। कट्टरपंथियों की फौज को भारत के खिलाफ खड़ा कर दिया ताकि वह बांग्लादेश की कुर्सी में बैठे हुए चीन पाकिस्तान से अपने रिश्तों को मजबूत बनाए रखें और यह चुनाव ना हो पर सब कुछ धरा का धरा रह गया और अब चुनाव की सुगबुगाहट के बीच में भारत ने वो एक्शन लिया है। बांग्लादेश में जिसने यूनुस को सोचने पर मजबूर कर दिया है। दरअसल रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत ने बांग्लादेश को नॉन फैमिली यानी परिवार के साथ ना भेजे जाने वाले राजनयिक तैनाती स्थल के रूप में दर्ज करने का फैसला ले लिया है। इसका मतलब

यह है कि बांग्लादेश में तैनात किए जाने वाले भारतीय राजनयिक और अधिकारी अब अपने पति या फिर पत्नी या फिर अपने बच्चों के साथ या फिर अपने परिवार के साथ उन्हें बांग्लादेश नहीं ले जा सकेंगे। अब तक भारतीय विदेश मंत्रालय ने नॉन फैमिली की यह श्रेणी सिर्फ कुछ ही देशों पर लागू की थी जिसमें इराक, अफगानिस्तान, पाकिस्तान और दक्षिण सूडान शामिल है। इस ताजा फैसले के बाद बांग्लादेश को भी इसी सूची में शामिल कर लिया गया है। बांग्लादेश में तैनात भारतीय अधिकारियों को सूचित किया गया कि उनके पति या फिर पत्नी और बच्चों को 8 जनवरी तक भारत लौटना होगा। जिन अधिकारियों के बच्चे स्कूल में पढ़ते हैं उन्हें इसके लिए अतिरिक्त 7 दिन का समय भी दिया गया था। जिसके परिणाम स्वरूप पिछले गुरुवार यानी कि 15 जनवरी तक ढाका, चटगांव, खुलना, सिलहट और राजशाही में स्थित भारतीय मिशनों में तैनात अधिकारियों के परिवारों को बेहद कम समय के नोटिस पर भारत लौटना पड़ा है। हालांकि बता दें कि भारत के विदेश मंत्रालय ने अभी तक इस फैसले को लेकर कोई भी सार्वजनिक घोषणा नहीं की है। भारत के इस फैसले से बांग्लादेश में कैसे भूचाल ला दिया है और कैसे एक तीर से कई निशाने भेद कर दिए गए हैं। पहला यूनुस की साजिश को पूरी तरीके से फ्लॉप कर दिया गया है क्योंकि चुनाव से पहले कट्टरपंथी वामपंथी ब्रिगेड पूरी तरीके से बांग्लादेश में एक्टिव है।

बांग्लादेश में चुनाव ना हो और चुनाव में अड़चन आए इसके लिए यूनुस हिंदुओं और भारतीय राजनीतिकों को टारगेट करवा सकता था। ऐसे में भारत ने पहले ही खतरे की आहट को परख लिया और यूनुस की साजिश को पूरी तरह से धराशाई करने के लिए यह फैसला लिया। दूसरा एक्सपर्ट्स का यह मानना है कि भारत का यह कदम बांग्लादेश में फरवरी में होने वाले आम चुनावों से पहले सुरक्षा की स्थिति और खराब होने की आशंकाओं के कारण उठाया गया है।

मोहम्मद शमी क्यों पहुंचे निर्वाचन आयोग दफ्तर,पूरा मामला

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी मंगलवार को कोलकाता स्थित चुनाव आयोग कार्यालय से अपनी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सुनवाई पूरी करके निकले। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में कोई समस्या नहीं थी। शमी ने नागरिकों से आगे आकर चल रही एसआईआर प्रक्रिया में भाग लेने का आग्रह किया और जोर देकर कहा कि इससे किसी को कोई नुकसान नहीं होगा। शमी ने अपनी एसआईआर सुनवाई के बाद पत्रकारों से कहा कि कोई समस्या नहीं थी। एसआईआर से आपको कोई नुकसान नहीं होगा। जिनके पास एसआईआर फॉर्म नहीं है, उन्हें भी आना चाहिए। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, शमी द्वारा भरे गए जनगणना फॉर्म में कुछ जगहों पर विसंगतियां थीं, जिसके कारण उन्हें सुनवाई के लिए बुलाया गया था। उत्तर प्रदेश के मूल निवासी शमी अपने क्रिकेट करियर के लिए पश्चिम बंगाल में रह रहे हैं। वह रणजी ट्रॉफी में बंगाल टीम का प्रतिनिधित्व भी करते हैं। इस बीच, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले का स्वागत किया, जिसमें भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को पश्चिम बंगाल में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में 'तार्किक विसंगतियों' की श्रेणी में आने वाले मतदाताओं के नाम प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया में प्रक्रियात्मक अनियमितताओं के आरोपों वाली विभिन्न याचिकाओं पर ईसीआई को निर्देश जारी किए। सर्वोच्च न्यायालय ने पाया कि ईसीआई ने 'तार्किक विसंगतियों' की श्रेणी में आने वाले कुछ व्यक्तियों को नोटिस जारी किए हैं। अतः, इस श्रेणी में शामिल व्यक्तियों को सक्षम बनाने के उद्देश्य से, न्यायालय ने ग्राम पंचायत भवनों, ब्लॉक कार्यालयों और वार्ड कार्यालयों में ऐसे व्यक्तियों के नाम प्रकाशित करने का निर्देश दिया।

रोहित शर्मा की वनडे फॉर्म पर सवाल, भूख और भविष्य को लेकर फिर शुरू हुई बहस

नई दिल्ली। रोहित शर्मा न्यूज़ीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज़ में जिस आत्मविश्वास के साथ उतरे थे, वैसी तस्वीर मैदान पर पूरी तरह नहीं दिख पाई। मौजूद जानकारी के अनुसार, न्यूज़ीलैंड के खिलाफ सीरीज़ से पहले रोहित ने अपने पिछले छह वनडे मैचों में चार बार पचास से ज्यादा रन बनाए थे, जिससे यह साफ संकेत मिल रहा था कि उनका फॉर्म बरकरार है। लेकिन इस सीरीज़ में कहानी कुछ और ही रही।

तीनों मुकाबलों में रोहित शर्मा कुल मिलाकर सिर्फ 61 रन ही बना सके, जबकि उनका सर्वोच्च स्कोर 26 रन रहा। इससे एक बार फिर उनके वनडे भविष्य को लेकर सवाल उठने लगे। गौरतलब है कि सीरीज़ का निर्णायक मुकाबला इंदौर के होलकर स्टेडियम में खेला गया, जहां भारत को 338 रनों का बड़ा लक्ष्य मिला था। रोहित ने पारी की पहली ही गेंद पर चौका लगाकर अपने इरादे साफ कर दिए, लेकिन यह आक्रामक शुरुआत लंबी नहीं चल

सकी और वह 11 रन बनाकर ज़ैकरी फाउल्क्स का शिकार हो गए। जब रोहित पवेलियन लौट रहे थे, उसी दौरान कमेंट्री बॉक्स में मौजूद पूर्व न्यूज़ीलैंड तेज़ गेंदबाज़ साइमन डूल ने उनकी तकनीक नहीं, बल्कि उनकी भूख और जज़्बे पर सवाल खड़े किए। डूल ने कहा कि रोहित के करियर में हमेशा कोई न कोई बड़ा लक्ष्य रहा है, चाहे वह टी20 वर्ल्ड कप हो या 50 ओवर का वर्ल्ड कप। उन्होंने यह भी जोड़ा कि 2027 का वनडे वर्ल्ड कप अभी काफ़ी दूर है और सवाल यह है कि क्या रोहित के भीतर वही भूख अभी भी मौजूद है।

डूल ने भारत के वनडे शेड्यूल पर भी ध्यान दिलाया और कहा कि हाल के महीनों में और आने वाले समय में वनडे क्रिकेट बहुत कम खेला जा रहा है। उनके मुताबिक, जब खिलाड़ी ज़्यादातर एक ही फॉर्मेट खेलते हैं, तो लय और मोटिवेशन दोनों प्रभावित हो सकते हैं। इसी चर्चा को आगे बढ़ाते हुए भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने भी माना कि इस स्तर पर भूख ही सबसे अहम चीज़ होती है। शास्त्री ने साफ शब्दों में कहा कि जब कोई खिलाड़ी खेल में लगभग सब कुछ हासिल कर लेता है, तो असली चुनौती खुद को लगातार प्रेरित रखना होती है।

बता दें कि इन सवालों के बावजूद रोहित शर्मा का हालिया वनडे रिकॉर्ड पूरी तरह नकारात्मक नहीं रहा है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज़ चुना गया था, जहां उन्होंने 200 से ज्यादा रन बनाए थे। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी उन्होंने दो अर्धशतक लगाए। घरेलू क्रिकेट में भी रोहित ने विजय हज़ारे ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेलते हुए सिक्किम के खिलाफ शानदार 155 रन की पारी खेली थी, हालांकि अगले ही मैच में वह उत्तराखंड के खिलाफ खाता खोले बिना आउट हो गए। मौजूद जानकारी के अनुसार, रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों इस साल के अंत में इंग्लैंड दौरे पर वनडे क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं। उससे पहले दोनों खिलाड़ी इंडियन प्रीमियर लीग पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

फाइनल विवादः मोरक्को कोच रेग्रागुई ने हालात को बताया शर्मनाक

नई दिल्ली। एएफकॉन 2025 का फाइनल मुकाबला फुटबॉल से ज़्यादा अव्यवस्था और विवादों के लिए याद किया जाएगा। मोरक्को के कोच वालिद रेग्रागुई ने मैच के बाद खुले शब्दों में मैदान पर हुए हालात पर नाराज़गी जताई, जब उनकी टीम को सेनेगल के हाथों 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। बता दें कि यह मुकाबला न सिर्फ नतीजे, बल्कि रेफरी के फैसलों और दर्शकों के बर्ताव को लेकर भी चर्चा में रहा। गौरतलब है कि मुकाबले के अंतिम समय में सेनेगल के खिलाफ एक विवादित पेनल्टी दी गई, जिसे लेकर सेनेगल के खिलाड़ी बेहद आक्रोशित नजर आए। मौजूद जानकारी के अनुसार, ब्राहिम डियाज़ पर डिफेंडर एल हाजी मलिक दियूफ के चैलेंज को जांच के बाद फाउल माना गया और रेफरी ने इंजरी टाइम में पेनल्टी दे दी। इस फैसले से नाराज़ होकर कुछ सेनेगल खिलाड़ी मैदान छोड़कर बाहर चले गए, वहीं स्टैंड्स में मौजूद सेनेगल समर्थकों ने भी हंगामा शुरू कर दिया और मैदान में घुसने की कोशिश की। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि मैच को करीब 20 मिनट तक रोकना पड़ा। रेग्रागुई ने बाद में कहा कि पूरी दुनिया के सामने इतने लंबे समय तक खेल रुकना अफ्रीकी फुटबॉल की छवि के लिए शर्मनाक था। उन्होंने साफ कहा कि इस तरह के दृश्य किसी भी बड़े फाइनल के लिए ठीक नहीं माने जा सकते। पेनल्टी के समय ब्राहिम डियाज़ ने पानेंका स्टाइल में शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन सेनेगल के गोलकीपर ने शानदार बचाव कर लिया। इस पर रेग्रागुई ने कहा कि डियाज़ को शॉट से पहले काफी समय मिल गया था, जिससे दबाव बढ़ गया और इसका असर उनके फैसले पर पड़ा। हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कि अब उस पल को बदला नहीं जा सकता और टीम को आगे की ओर देखना होगा। इससे पहले स्टॉपेज टाइम में सेनेगल का एक गोल भी विवादों में रहा, जब अब्दुलाये सेक के हेडर के बाद आए रिबाउंड को गोल मानने से पहले रेफरी ने फाउल करार दिया।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले क्रिकेट में बवाल,बांग्लादेश ने कहा-आईसीसी की शर्तें नामंजूर,इण्डिया नहीं आएंगे

कोलकाताा (एजेंसी)। बांग्लादेश ने मंगलवार को आईसीसी द्वारा आगामी आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 में भारत में भाग लेने के संबंध में लगाई गई 'अनुचित शर्तों' को अस्वीकार कर दिया। यह जानकारी युवा एवं खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने दी। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से बाहर किए जाने के बाद, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने स्पष्ट कर दिया कि मौजूदा परिस्थितियों में टीम भारत में नहीं खेलेगी।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और बीसीबी अधिकारियों के बीच कई दौर की बातचीत के बावजूद कोई समाधान नहीं निकल पाया है, जिससे आगामी टी20 विश्व कप में बांग्लादेश की भागीदारी अनिश्चित बनी हुई है। मंगलवार को सचिवालय में बोलते हुए आसिफ नजरुल ने कहा कि यदि आईसीसी भारतीय क्रिकेट बोर्ड के दबाव में आकर हम पर अनुचित शर्तें लगाता है, तो हम उन्हें स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहले भी ऐसे उदाहरण मौजूद हैं, जब भारत ने पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया था, तब आईसीसी ने आयोजन स्थल बदल दिया था। हमने भी आयोजन स्थल बदलने का उचित अनुरोध किया है। इससे पहले, बीसीबी ने इस बात से इनकार किया था कि आईसीसी ने उन्हें 7 फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में भाग लेने के संबंध में 21 जनवरी की समय सीमा दी है। मीडिया समिति के अध्यक्ष अमजद हुसैन ने कहा था कि उनके लिए कोई विशिष्ट तिथि निर्धारित नहीं की गई है। आईसीसी सूत्रों के अनुसार, विश्व क्रिकेट शासी निकाय ने बीसीबी को आगामी आईसीसी विश्व कप के लिए बांग्लादेश क्रिकेट टीम को भारत भेजने या न भेजने के संबंध में बुधवार (21 जनवरी) तक अंतिम निर्णय देने का अल्टीमेटम दिया था। यदि बीसीबी अपनी टीम को भारत भेजने से इनकार करती है, तो आईसीसी संभवतः किसी अन्य टीम का नाम घोषित करेगी, और वर्तमान रैंकिंग के अनुसार, यह स्कॉटलैंड हो सकता है। सूत्रों ने बताया कि टी20 विश्व कप 7 फरवरी से शुरू होगा। हालांकि, ढाका में मीडिया से बात करते हुए, अमजद ने डेली स्टार को बताया, 'पिछले शनिवार, 17 जनवरी को, आईसीसी के एक प्रतिनिधि आए और हमारे क्रिकेट बोर्ड के प्रतिनिधियों ने उनसे मुलाकात की। विश्व कप में भाग लेने के संबंध में, आयोजन स्थल को लेकर कुछ समस्या थी और हमने उन्हें वहां खेलने के प्रति अपनी अनिच्छा से अवगत कराया। हमने एक वैकल्पिक स्थल का अनुरोध किया और प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा की। उन्होंने हमें बताया कि वे आईसीसी को इस मुद्दे के बारे में सूचित करेंगे और हमें बाद में निर्णय के बारे में बताएंगे।

भारत में न्यूजीलैंड की ऐतिहासिक वनडे सीरीज जीत, रवींद्र जडेजा के भविष्य पर गहराते सवाल

नई दिल्ली। बीते 14 महीनों में न्यूजीलैंड ने भारतीय सरजमीं पर दो ऐसे कारनामे किए हैं, जिन्होंने टीम इंडिया के सीनियर खिलाड़ियों को कटघरे में खड़ा कर दिया है। साल 2024 में टेस्ट क्रिकेट में 3-0 की ऐतिहासिक हार ने विराट कोहली और रोहित शर्मा के भविष्य पर बहस को फिर से हवा दी थी और सात महीने बाद दोनों ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था, यह सब मौजूद जानकारी के अनुसार हुआ है।

अब साल 2026 में न्यूजीलैंड ने भारत में पहली बार वनडे सीरीज जीतकर एक बार फिर भारतीय क्रिकेट को आईना दिखाया। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार चर्चा के केंद्र में विराट या रोहित नहीं, बल्कि रवींद्र जडेजा हैं। गौरतलब है कि जडेजा का सफेद गेंद क्रिकेट में भविष्य लंबे समय से संक्रमण के दौर की चर्चाओं में दबा हुआ था, लेकिन अब वह सवाल सामने आकर खड़ा हो गया है।

दरअसल, इस पूरी बहस की औपचारिक शुरुआत पिछले साल अक्टूबर में हुई थी, जब ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए घोषित वनडे टीम में जडेजा का नाम नहीं था। उस समय यह सवाल उठा कि क्या चयनकर्ता जडेजा से आगे बढ़ चुके हैं और क्या 2027 विश्व कप की योजना में उनकी जगह अब नहीं रही है। हालांकि, भारत के मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर ने उस समय इन अटकलों को खारिज करते हुए साफ कहा था कि जडेजा अभी भी टीम की योजनाओं का हिस्सा हैं।

इसके कुछ ही दिनों बाद जडेजा ने भी अपने इरादे स्पष्ट किए थे। उन्होंने कहा था कि उन्हें जब भी मौका मिलेगा, वह हमेशा की तरह अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करेंगे और अगर विश्व कप तक उन्हें अवसर मिलते हैं और प्रदर्शन अच्छा रहता है, तो यह भारतीय क्रिकेट के लिए बेहतर होगा, ऐसा उनका मानना है।

नवंबर में जडेजा की वनडे टीम में वापसी हुई, जब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में अक्षर पटेल को आराम दिया गया था। उस समय जडेजा भारत के पास

उपलब्ध एकमात्र अनुभवी बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर थे। चैंपियंस ट्रॉफी में उनका पिछला प्रदर्शन भी ठीक-ठाक रहा था, जहां उन्होंने किफायती गेंदबाजी की थी।

लेकिन इसके बाद के आंकड़े जडेजा के पक्ष में नहीं गए हैं। भारत की वनडे टीम में जडेजा की भूमिका अक्सर निचले क्रम में तेजी से रन बनाने और पारी को फिनिश करने की रही है, लेकिन हाल के मुकाबलों में वह डेथ ओवरों में लय हासिल करने में नाकाम दिखे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रायपुर में खेला गया मैच हो या न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरा वनडे, जडेजा की धीमी पारियों ने दूसरे बल्लेबाजों पर अतिरिक्त दबाव डाला।

गेंदबाजी के मोर्चे पर भी स्थिति उत्साहजनक नहीं रही है। 2023 विश्व कप के बाद से उनके विकेट लेने की रफ्तार थमी हुई है और हालिया वापसी के बाद तो लंबे स्पेल डालने के बावजूद सफलता नहीं मिली है। यह पहलू टीम प्रबंधन के लिए ज्यादा चिंता का विषय बनता जा रहा है।

अब आगे की तस्वीर पर नजर डालें तो भारत को जुलाई में इंग्लैंड दौरे से पहले कोई वनडे नहीं खेलना है। माना जा रहा है कि तब तक टीम प्रबंधन टी20 विश्व कप से ध्यान हटाकर 50 ओवरों की तैयारी पर फोकस करेगा। ऐसे में यह तय है कि चयनकर्ता सीमित विकल्पों में से ही बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर को चुनना चाहेंगे।

अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर जैसे खिलाड़ी इस दौड़ में जडेजा को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। अक्षर का बल्ले से स्ट्राइक रेट भले औसत हो, लेकिन गेंद से उनका योगदान ज्यादा असरदार रहा है। वहीं वॉशिंगटन सुंदर भी लगातार मौके मिलने पर खुद को उपयोगी साबित कर रहे हैं।

इन सबके बीच हार्दिक पांड्या की वापसी, केएल राहुल की निरंतरता और हर्षित राणा जैसे खिलाड़ियों का निचले क्रम में उभरना जडेजा के लिए मुश्किलें बड़ा रहा है। ऐसे हालात में यह संभावना अब अनदेखी नहीं की जा सकती कि शायद जडेजा ने अपना आखिरी वनडे मैच खेल लिया हो, यह चर्चा अब क्रिकेट गलियारों में तेज होती जा रही हैं।

सम्पादकीय

गौर फरमाइए!प्रतिस्पर्धी बाजार हो बेहतर...

इंडिगो की वजह से भारत के विमानन क्षेत्र में पैदा हुए हालिया संकट ने फिर से एकाधिकार के खतरे को उजागर कर दिया है। इंडिगो का मामला लापरवाही, बाजार में अपनी मजबूत स्थिति का बेजा फायदा उठाने की कोशिश और जिम्मेदारियों से भागने का बड़ा उदाहरण है। संकट के दौरान भी, जब तक सरकार ने दखल नहीं दिया, कंपनी का रवैया ठीक नहीं रहा। डीजीसीए के नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियम सभी एयरलाइंस पर लागू होने थे और इसके लिए सभी को पर्याप्त समय भी दिया गया था। लेकिन, इंडिगो ने नए नियमों के हिसाब से स्टाफ की भर्ती नहीं की, जिससे मौजूदा संकट इतना बड़ा हो गया। सरकार ने एक कमिटी बनाई है, जो इस बात की जांच करेगी कि कहीं इंडिगो ने जानबूझकर तैयारियों में देरी तो नहीं की, ताकि अथॉरिटीज पर प्रेशर बनाया जा सके। यह आशंका इस वजह से उठती है, क्योंकि केबिन क्रू और पायलटों की कमी को एकाएक पूरा नहीं किया जा सकता। क्या एयरलाइंस इस बात का इंतजार कर रही थी कि क्राइसिस हो ताकि उसे नियमों में छूट मिल सके? भारतीय विमानन क्षेत्र में इस समय इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी 65इ है। उसके बेड़े में 417 विमान हैं और सामान्य दिनों में हर दिन 2200 उड़ानें भरी जाती हैं। संकट खड़ा होने पर पहली प्रतिक्रिया भी हैरान-परेशान करने वाली रही। हजारों यात्री जहां-तहां फंस गए, रिफंड के लिए परेशान होते रहे, जबकि कंपनियां मनमाना किराया वसूलने लगीं। सरकार की तरफ से फिलहाल नए नियमों में थोड़ी रियायत दी गई है, ताकि स्थिति सामान्य हो सके। फौरी तौर पर जनता को राहत देने के लिए यह भले सही हो, लेकिन नए इउऊथ नियमों से किसी सूरत में समझौता नहीं किया जाना चाहिए। ये नियम अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप और पायलटों की सेहत व उड़ान सुरक्षा के लिए जरूरी हैं। सरकार ने इंडिगो से जवाब भी मांगा है, लेकिन यह समय नीतियों के मूल्यांकन का भी है। अगर कंपनी नए नियमों के लिए तैयारी नहीं कर रही थी, तो क्या अथॉरिटीज को इसकी खबर नहीं थी? क्या डीजीसीए के निगरानी सिस्टम में सुधार की जरूरत है? मौजूदा संकट याद दिलाता है कि किसी भी क्षेत्र में एकाधिकार होना कितना खतरनाक हो सकता है, जबकि कंपनियों के बीच अच्छी प्रतिस्पर्धा हो तो ग्राहकों को वाजिब कीमत पर अच्छी सर्विस मिलती है। देश में हवाई क्षेत्र की तरक्की की रफ्तार बहुत अच्छी है। यह आगे बनी रहे और यात्रियों को भी अच्छी सेवा मिले, इसके लिए और क्या कदम उठाए जा सकते हैं, इस पर भी केंद्र को गौर करना चाहिए।

महाराष्ट्र के शहरी मतदाताओं ने आखिरकार पुराने धुरंधरों की हवा क्यों निकाल दी?

नीरज कुमार दुबे

महाराष्ट्र में हुए नगरपालिका चुनाव 2026 के नतीजों ने राज्य की राजनीति में एक नया मोड़ ला दिया है। इन चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने ऐसा व्यापक प्रदर्शन किया है जिसने दशकों से मजबूत माने जाने वाले राजनीतिक नामों और परिवारों की पकड़ को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया है। महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक भाजपा की जीत ने यह संकेत दे दिया है कि मतदाता अब परंपरागत पहचान से अधिक शासन और विकास के मुद्दों को महत्व दे रहे हैं।

इन चुनावों में सबसे अधिक चर्चा बृहन्मुंबई महानगरपालिका को लेकर रही। यह नगर निकाय न केवल देश का सबसे बड़ा नगर निकाय है बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति का भी केंद्र माना जाता है। लंबे समय से यहां ठाकरे परिवार के नेतृत्व वाली राजनीति का दबदबा रहा है। लेकिन इस बार के नतीजों में भाजपा ने मजबूत बढ़त बनाकर यह स्पष्ट कर दिया कि मुंबई की राजनीतिक हवा बदल रही है। भाजपा की यह सफलता केवल सीटों की संख्या तक सीमित नहीं रही बल्कि उसने मनोवैज्ञानिक बढ़त भी हासिल की है। मुंबई के अलावा पुणे और पिंपरी चिंचवड़ जैसे शहरों में भी भाजपा का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा। ये क्षेत्र पारंपरिक रूप से पवार परिवार के प्रभाव वाले माने जाते रहे हैं। यहां राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और उसके सहयोगियों का लंबे समय तक नियंत्रण रहा है। लेकिन इस चुनाव में भाजपा ने इन गढ़ों में सेंध लगाकर यह साबित कर दिया कि उसका संगठनात्मक विस्तार और जमीनी रणनीति अब पूरे राज्य में असर दिखा रही है।

नागपुर, नाशिक और अन्य प्रमुख नगर निकायों में भी भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने स्पष्ट बहुमत या मजबूत स्थिति हासिल की है। इन नतीजों से यह संकेत मिलता है कि शहरी मतदाता भाजपा के विकास आधारित प्रचार और नेतृत्व से संतुष्ट नजर आ रहे हैं। सड़क, बिजली, पानी, स्वच्छता और डिजिटल सेवाओं जैसे मुद्दे चुनाव के दौरान प्रमुखता से उठे और मतदाताओं ने इन्हीं आधारों पर मतदान किया।

चुनाव परिणाम आने के बाद सत्तारुढ़ दल की ओर से इसे जनता का विश्वास बताया गया। पार्टी नेताओं ने कहा कि यह जीत सुशासन, पारदर्शिता और विकास कार्यों पर जनता की मुहर है। महायुति के नेताओं ने कहा कि शहरी मतदाता अब जाति या परिवार आधारित राजनीति से आगे बढ़कर परिणाम आधारित राजनीति को तरजीह दे रहा है।

वहीं विपक्षी दलों के लिए यह परिणाम आत्ममंथन का विषय बन गया है। ठाकरे और पवार नाम जो कभी महाराष्ट्र की राजनीति के सबसे मजबूत ब्रांड माने जाते थे, वह इस चुनाव में अपेक्षित प्रभाव नहीं दिखा सके। कई स्थानों पर उनकी पार्टियों को न केवल सीटों का नुकसान हुआ बल्कि कार्यकर्ताओं का मनोबल भी

प्रभावित हुआ है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह स्थिति केवल एक चुनावी हार नहीं है बल्कि बदलते सामाजिक और राजनीतिक रुझानों का संकेत है।

विशेषज्ञों के अनुसार भाजपा ने पिछले कुछ वर्षों में शहरी क्षेत्रों में बूथ स्तर तक संगठन मजबूत किया है। नए मतदाताओं, युवा वर्ग और मध्यम वर्ग को लक्षित कर पार्टी ने योजनाबद्ध तरीके से प्रचार किया। सोशल मीडिया माध्यमों से स्थानीय मुद्दों को उठाया गया और जमीनी संपर्क के जरिए पार्टी ने अपनी उपस्थिति को मजबूत किया। इसका सीधा असर चुनाव नतीजों में देखने को मिला है। वहीं पवार परिवार के प्रभाव वाले क्षेत्रों में हालांकि कुछ जगहों पर विपक्ष ने सम्मानजनक प्रदर्शन किया लेकिन कुल मिलाकर उनकी पकड़ कमजोर पडती दिखी। पुणे और आसपास के क्षेत्रों में जो कभी उनका मजबूत आधार माने जाते थे वहां भी मतदाताओं का रुझान बदलता नजर आया। यह बदलाव बताता है कि स्थानीय मुद्दों पर सक्रियता और निरंतर संपर्क अब चुनाव जीतने में निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं।

इन चुनावों ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनावों के लिए यह परिणाम एक संकेत के रूप में देखे जाएंगे। भाजपा के लिए यह जीत आत्मविश्वास बढ़ाने वाली है जबकि विपक्ष के लिए यह चेतावनी है कि यदि रणनीति और नेतृत्व में बदलाव नहीं किया गया तो भविष्य की राह और कठिन हो सकती है। कुल मिलाकर महाराष्ट्र नगरपालिका चुनाव 2026 ने राज्य की राजनीति में एक नए युग की शुरुआत का संकेत दिया है। यह चुनाव केवल नगर निकायों के गठन तक सीमित नहीं रहा बल्कि इसने यह दिखा दिया कि महाराष्ट्र का शहरी मतदाता अब अधिक सजग और मांग करने वाला हो गया है। विकास सुशासन और स्थिर नेतृत्व जैसे मुद्दे अब राजनीति के केंद्र में आ चुके हैं और इन्हीं के आधार पर आने वाले वर्षों की राजनीति की दिशा तय होती नजर आ रही है। देखा जाये तो महाराष्ट्र के नगरपालिका चुनाव राज्य की राजनीति के बदलते चरित्र का स्पष्ट संकेत भी हैं। इन नतीजों ने यह सवाल सामने खड़ा कर दिया है कि क्या परंपरागत राजनीतिक पहचान और पारिवारिक प्रभाव अब शहरी राजनीति में अपना असर खोते जा रहे हैं। चुनाव परिणामों से यही प्रतीत होता है कि मतदाता अब नाम नहीं बल्कि काम को प्राथमिकता देने लगे हैं। शहरी क्षेत्रों में रहने वाला मतदाता आज अधिक सजग है। वह सड़क, पानी, सफाई, परिवहन और डिजिटल सेवाओं जैसे रोजमर्रा के मुद्दों पर सीधा जवाब चाहता है। ऐसे में जो दल इन विषयों पर स्पष्ट योजना और क्रियान्वयन की बात करता है उसे स्वाभाविक रूप से लाभ मिलता है। इस चुनाव में यही रुझान साफ दिखाई दिया। मतदाताओं ने भावनात्मक अपील से अधिक प्रशासनिक क्षमता को महत्व दिया। विपक्षी दलों के लिए यह समय आत्ममंथन का है। लंबे समय तक जिन नामों और विरासतों के सहारे राजनीति चलती रही अब वे अकेले जीत की गारंटी नहीं रहे। संगठन की कमजोरी, जमीनी संपर्क की कमी और बदलते मतदाता वर्ग को न समझ पाना इन दलों के लिए गंभीर चुनौती बनकर उभरा है। यदि समय रहते रणनीति में बदलाव नहीं किया गया तो यह दूरी और बढ़ सकती है। इन चुनावों का एक सकारात्मक पहलू यह भी है कि शहरी लोकतंत्र में प्रतिस्पर्धा मजबूत हुई है। मतदाता यह संदेश दे रहा है कि सत्ता स्थायी नहीं है और हर चुनाव में प्रदर्शन की कसौटी पर खरा उतरना होगा। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है क्योंकि इससे जवाबदेही बढ़ती है और स्थानीय शासन की गुणवत्ता में सुधार की संभावना बनती है। आगामी चुनावों की दृष्टि से ये नतीजे एक पूर्व संकेत की तरह हैं। जो दल इन संकेतों को समझकर अपनी नीतियों और संगठन को मजबूत करेगा वही भविष्य में टिक पाएगा। राजनीति अब केवल नारों से नहीं चलेगी बल्कि ठोस काम और भरोसेमंद नेतृत्व ही मतदाताओं का विश्वास जीत सकेगा।

बहरहाल, महाराष्ट्र के नगरपालिका चुनाव यह बता गए हैं कि राजनीति का केंद्र बदल रहा है। जनता अब सवाल पूछ रही है और जवाब मांग रही है। यही लोकतंत्र की असली ताकत है और यही आने वाले समय की राजनीति की दिशा तय करेगी।

बीएमसी चुनाव 2026 के सियासी मायने, महायुति के राजनीतिक कौशल को मिली जनस्वीकृति

कमलेश पांडे

बीएमसी चुनाव 2026 में भाजपा-शिवसेना (शिंदे) गठबंधन ने ऐतिहासिक जीत हासिल की, जिसमें भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। यह जीत ठाकरे परिवार के तीन दशक पुराने दबदबे को समाप्त करती है। बीएमसी के 227 वार्डों में बहुमत चिह्न 114 है, जहां महायुति 118 वार्डों में विजयी रही। इस चुनाव में भाजपा ने 89 सीटें जीतीं, जबकि शिंदे की शिवसेना को 29 मिलीं, जिससे महायुति गठबंधन को 118 सीटों का बहुमत प्राप्त हुआ। जबकि शिवसेना (यूबीटी) को मात्र 65 सीटें मिलीं, जो अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन रहा। वहीं, कांग्रेस को 24, एआईएमआईएम को 8 एनसीपी अजीत पवार को 3, सपा को 2 और एनसीपी शरद पवार को 1 सीट मिली। वहीं, राज्य के अन्य निकायों में भी भाजपा ने 25 में से 29 पर कब्जा जमाया।

देखा जाए तो कुल 227 वार्डों में मुंबई की सबसे अमीर निगम या यूं कहें देश के भी सबसे अमीर नगर निगम पर भाजपा नीत गठबंधन का कब्जा हो गया। महाराष्ट्र के नगर निकाय चुनावों, विशेषकर बीएमसी में, भाजपा-शिंदे शिवसेना गठबंधन ने बहुमत हासिल

कर बड़ा जीत दर्ज की है। यह परिणाम ठाकरे गुट की लंबी हुकूमत को समाप्त करता है और राज्य की सियासत में महायुति की मजबूती दर्शाता है। वहीं, पहली बार एआईएमआईएम ने अपेक्षाकृत अच्छा प्रदर्शन किया, जिससे सेक्यूलरों का जनाधार खिसका।

इसके राजनीतिक मायने अहम हैं क्योंकि यह जीत महाराष्ट्र में भाजपा को शहरी राजनीति का 'असली किंग' बनाती है, जो उसके राज्यव्यापी प्रभाव को मजबूत करती है। खास बात यह कि तमाम व्यक्तिगत विरोधाभासों के बावजूद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शिंदे गुट के साथ गठबंधन करके न केवल मराठी वोटों को विभाजित किया बल्कि उस विपक्ष को पूरी तरह से कमजोर किया, जो विगत तीन दशकों से बीएमसी पर हावी था। एक बात और, महायुति के विकास के एजेंडे ने मुम्बई में पहचान की राजनीति को बहुत पीछे छोड़ दिया। खासकर ठाकरे भाइयों (उद्धव-राज) की हार से विपक्षी एकता की कमी उजागर हुई। वहीं चाचा-भतीजा एकता यानी शरद पवार और अजित पवार की एकता भी उनके हक में कोई रंग नहीं दिखा सकी। वहीं, कांग्रेस को भी कोई खास फायदा नहीं मिला। कुलमिलाकर बिखरे विपक्ष ने महायुति की राह आसान बना दी।

देखा जाए तो मराठवाड़ा के वैभव को वापिस पाने के घिसे पिटे मुद्दे पर क्षेत्रीय क्षत्रपों यानी ठाकरे परिवार और पवार परिवार की सियासी एकता भी फुस्स हो गई। इसका महाराष्ट्र की सियासत पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा और अब एकनाथ शिंदे की बारगेनिंग पावर भी बढ़ेगी। हालांकि, देवेंद्र फडणवीस उनकी कितनी सुनेंगे, यह आने वाला वक्त बताएगा।

बता दें कि महायुति ने 29 निगमों में व्यापक जीत दर्ज की, जो आगामी विधानसभा चुनावों के लिए मजबूत आधार तैयार करती है। वहीं, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की नेतृत्व क्षमता को इससे नया बल मिला है, जबकि कांग्रेस और एनसीपी जैसे दल सियासी हाशिए पर सिमट गए। इससे राज्य में 'ट्रिपल इंजन' की सरकार का विस्तार होगा और जनहितकारी कार्य करने में भाजपा नीत महायुति को बल मिलेगा। जहां तक राष्ट्रीय संदर्भ की बात है तो बीएमसी जैसी महत्वपूर्ण जीत भाजपा को राष्ट्रीय स्तर पर शहरी गठबंधनों को मजबूत करने का संदेश देती है। यह 2024 लोकसभा चुनावों के बाद भाजपा की वापसी दर्शाती है, जो विकास-केंद्रित नीतियों पर जोर देती है। वहीं, महाराष्ट्र नगर निकाय चुनाव विपक्ष के लिए यह चेतावनी है कि क्षेत्रीय दलों का विभाजन जारी रहेगा।

इसका राजनीतिक संदेश भी स्पष्ट है। सच कहें तो यह जीत मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अगुवाई वाली महायुति को भविष्य के विधानसभा और राष्ट्रीय चुनावों के लिए मजबूत आधार देती है। खासकर विकास परियोजनाओं जैसे मेट्रो, कोस्टल रोड और एअरपोर्ट पर जोर ने मतदाताओं को प्रभावित किया। वहीं विपक्षी महाविकास अघाड़ी की हार संगठनात्मक कमजोरी को उजागर करती है। अब बीएमसी पर नियंत्रण से मुंबई में इंफ्रास्ट्रक्चर, शहरी नियोजन और सेवाओं में बदलाव संभव है। यह शहरी महाराष्ट्र में भाजपा के विस्तार को रेखांकित करता है और ठाकरे ब्रांड को पीछे धकेलता है। इससे राज्य स्तर पर महायुति का प्रभुत्व बढ़ेगा।

पैक्स सिलिका क्या है? इसमें भारत को शामिल करने से अमेरिका को क्या लाभ मिलेगा?

कमलेश पांडे

पैक्स सिलिका अमेरिका की अगुवाई वाली एक रणनीतिक तकनीकी पहल है, जो सिलिकॉन-आधारित सप्लाई चेन को मजबूत करने पर केंद्रित है। यह एआई सेमीकंडक्टर और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में वैश्विक निर्भरता कम करने का प्रयास करती है। यह नवीनतम अंतर्राष्ट्रीय पहल क्रिटिकल मिनरल्स, ऊर्जा संसाधनों, चिप निर्माण, एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और लॉजिस्टिक्स की सुरक्षित सप्लाई चेन बनाती है। इसलिए अमेरिकी विदेश विभाग इसे 'पॉजिटिव-सम' साझेदारी मानता है, जो चीन जैसी निर्भरताओं से बचाव करती है। इससे विश्वसनीय देशों में नवाचार और निवेश बढ़ता है।

चूंकि भारत के लिए इसका रणनीतिक महत्व है, इसलिए भारत को हाल ही में इसमें पूर्ण सदस्यता का न्योता मिला है, जो ग्लोबल चिप हब बनने का अवसर देगा। इससे जहां अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया जैसी कंपनियों से भारी निवेश, तकनीकी हस्तांतरण और रोजगार सृजन होगा। वहीं रक्षा, अंतरिक्ष और सैन्य सुरक्षा में भी मजबूती मिलेगी। इसका प्रमुख उद्देश्य है कि यह वैश्विक पहल महत्वपूर्ण खनिजों, ऊर्जा स्रोतों, सेमीकंडक्टर, उन्नत विनिर्माण, एआई अवसंरचना और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों में दबावपूर्ण निर्भरताओं को घटाती है। उच्च-तकनीकी संयुक्त उद्यमों और रणनीतिक सह-निवेश को बढ़ावा देकर नवाचार को प्रोत्साहित करती है। संवेदनशील प्रौद्योगिकियों को चिंताजनक देशों से बचाने का लक्ष्य रखती है।

जहां तक इसकी संरचना की बात है तो अमेरिका इसके संस्थापक सदस्य के रूप में नेतृत्व करता है, जिसमें जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, नीदरलैंड्स, यूनाइटेड किंगडम, इज़राइल, यूएई और ऑस्ट्रेलिया जैसे समान विचारधारा वाले देश शामिल हैं। यह गठबंधन-आधारित मॉडल पर काम करती है, जो साझा निवेश और सहयोग पर जोर देती है। भारत को हाल ही में पूर्ण सदस्यता का निमंत्रण मिला है। जनवरी 2026 में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भारत को इसमें शामिल करने की घोषणा की। जबकि इससे पहले टैरिफ विवाद से भारत बाहर था, लेकिन अब यह साझेदारी भारत-अमेरिका संबंधों को नई ऊंचाई देगी।

पैक्स सिलिका में अमेरिका नेतृत्व करता है और इसमें जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान जैसे प्रमुख देश शामिल हैं। यह पहल विश्वसनीय साझेदार देशों को जोड़ती है ताकि सिलिकॉन सप्लाई चेन मजबूत हो। इसके मुख्य सदस्य देश निम्नलिखित हैंः- संस्थापक सदस्यः अमेरिका (नेतृत्वकर्ता), जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान। अन्य प्रमुख सदस्यः नीदरलैंड्स, यूनाइटेड किंगडम, इज़राइल, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया। मसलन, ये देश उच्च-तकनीकी विनिर्माण और एआई क्षेत्रों में मजबूत क्षमता रखते हैं। इससे भारत को सेमीकंडक्टर और एआई सप्लाई चेन में प्रमुख स्थान मिलेगा।

भारत के पैक्स सिलिका में शामिल होने से चीन पर मुख्य रूप से नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि यह पहल विशेषकर सिलिकॉन, सेमीकंडक्टर और एआई ॅंघ) सप्लाई चेन में उसके एकाधिकार को चुनौती देगी। रूस पर अप्रत्यक्ष प्रभाव हो सकता है, लेकिन सीधा उल्लेख कम है। यह वैश्विक तकनीकी निर्भरता को पुनर्गठित करेगा। इसका चीन पर प्रभाव पड़ेगा क्योंकि चीन वर्तमान

में महत्वपूर्ण खनिजों, ऊर्जा स्रोतों, चिप निर्माण और ॅंघ इंफ्रास्ट्रक्चर पर हावी है। लिहाजा पैक्स सिलिका के माध्यम से भारत का प्रवेश उसके प्रभुत्व को कम करेगा, दबावयुक्त निर्भरता घटाएगा और वैकल्पिक सप्लाई चेन बनाएगा। इससे चीन के निर्यात बाजार और तकनीकी वर्चस्व पर दबाव बढ़ेगा।

जहां तक रूस पर प्रभाव की बात है तो रूस पर इसके प्रत्यक्ष प्रभाव का स्पष्ट उल्लेख नहीं मिला, लेकिन ट्रंप प्रशासन के रूसी तेल खरीद पर 500प्रतिशत टैरिफ जैसे कदमों से व्यापक आर्थिक दबाव जुड़ सकता है। दरअसल पैक्स सिलिका ऊर्जा स्रोतों की सुरक्षित चेन पर फोकस करता है, जो रूस के पारंपरिक ऊर्जा निर्यात को अप्रत्यक्ष चुनौती दे सकता है। इसका सामरिक निहितार्थ यह होगा कि भारत के बढ़े कदम से अमेरिका-भारत साझेदारी मजबूत होगी।इसको मजबूत कर भू-राजनीतिक संतुलन बदलेगा, जहां चीन-रूस गठजोड़ कमजोर पड़ सकता है। जबकि भारत को निवेश और तकनीक मिलने से उसकी वैश्विक स्थिति मजबूत होगी। भारत के पैक्स सिलिका में शामिल होने से चीन पर आर्थिक दबाव बढ़ेगा क्योंकि नई पहल मुख्य रूप से सेमीकंडक्टर, एआई और महत्वपूर्ण खनिजों की सप्लाई चेन में उसके वर्तमान प्रभुत्व को कम करके बढ़ेगा। यह वैकल्पिक उत्पादन केंद्र स्थापित कर चीन के निर्यात बाजार को सीधे चुनौती देगा। रणनीतिक रूप से यह अमेरिका-नीत गठबंधन को मजबूत करेगा। जहां तक सप्लाई चेन पर प्रभाव की बात है तो चीन सिलिकॉन, चिप निर्माण और ॅंघ हार्डवेयर में 70-90इ वैश्विक आपूर्ति नियंत्रित करता है। लिहाजा इसमें भारत का प्रवेश निवेश आकर्षित कर उत्पादन क्षमता बढ़ाएगा, जिससे चीन के बाजार हिस्से में 10-20प्रतिशत गिरावट आ सकती है। इससे उसके निर्यात राजस्व में अरबों डॉलर का नुकसान होगा। इससे निर्यात और बाजार हानि भी होगी क्योंकि भारत जैसे नए केंद्रों से जापान, कोरिया और यूरोपीय कंपनियां खरीदारी स्थानांतरित करेंगी। चीन के सस्ते उत्पादों पर निर्भरता घटेगी, जिससे उसके व्यापार अधिशेष पर दबाव पड़ेगा। लंबे समय में एआई और टेक निर्यात 15-25प्रतिशत कम हो सकते हैं। जहां तक भू-आर्थिक परिणाम की बात है तो भारत का यह कदम चीन को तकनीकी आत्मनिर्भरता के लिए मजबूर करेगा, लेकिन तत्काल पूंजी और बाजार हानि से उसकी विकास दर 0.5-1प्रतिशत धीमी हो सकती है। भारत-अमेरिका साझेदारी से वैश्विक टेक व्यापार का पुनर्वितरण होगा। इस प्रकार देखा जाए तो भारत को अपने पाले में मिलाने के लिए और रूस-चीन से उसकी रणनीतिक दूरी बढ़ाने के लिए दुनिया का थानेदार अमेरिका बेकरार है, क्योंकि गुटनिरपेक्ष भारत जिधर होगा उस वैश्विक गठबंधन का अंतर्राष्ट्रीय वजन स्वतः बढ़ जाएगा। ऐसा इसलिए कि भारत दुनिया की सबसे आबादी वाला गणतांत्रिक देश है। यहां के लोगों में बल और बुद्धिमत्ता कूट कूट कर भरी है। आर्थिक और सैन्य दृष्टि से भी भारत निरंतर प्रगति कर रहा है।

यही वजह है कि अमेरिका ब्रेक के बाद एक से बढ़कर एक वैश्विक गुटीय ऑफर दे रहा है। यह बात अलग है कि रूस से भारत के घनिष्ट रिश्ते में खटास पैदा करने के लिए वह टैरिफ इजाफे का भी दांव चल चुका है और आगे ज्यादा करने की धमकी भी दे रहा है। वहीं द्विपक्षीय व्यापार वार्ता को भी बेवजह लंबा खींच रहा है। ऐसे में अमेरिका अब भारत का भरोसेमंद मित्र नहीं हो सकता है। लेकिन रूसी-चीनी दोस्ती के दृष्टिगत अमेरिका से खुलेआम शत्रुता भी नहीं की जा सकती। इसलिए चीन की तरह ही अमेरिका से भी शो शो का रिश्ता रखना लाजिमी है।

अनुभव बताता है कि अमेरिका भारत से अपनी मनवाने पर तुला हुआ है, लेकिन भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता के दृष्टिकोण पर अडिग है जिससे अमेरिका की हर कोशिश कमतर प्रतीत होती है। ऐसा इसलिए कि भारत अपने भरोसेमंद अंतर्राष्ट्रीय मंच मित्र रूस को न तो छोड़ना चाहता है और न ही अपने रणनीतिक दुश्मन चीन-पाकिस्तान से बेवजह पंगा लेना चाहता है, क्योंकि भारत निज विकास के द्वारा अपनी जनता के जीवन स्तर में बढ़ोतरी को प्राथमिकता देता है। यही कारण है कि अब अमेरिका ने भारत को पैक्स सिलिका समूह में शामिल करने का लॉलीपॉप थमाया है, ताकि भारत को पटाकर रणनीतिक लाभ हासिल किया जा सके।

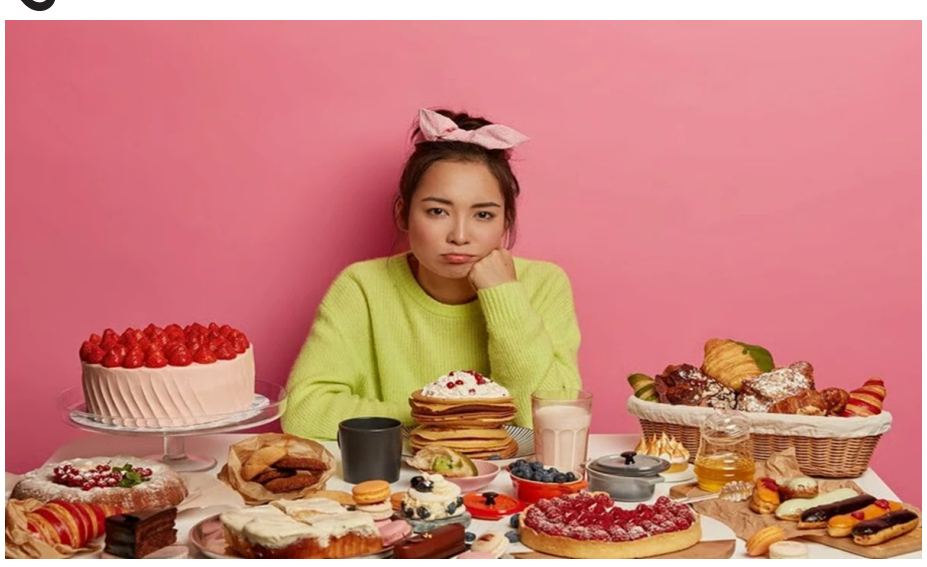

'नो शुगर' चैलेंज,30 दिन में पाएं ग्लोइंग स्किन और दुरुस्त सेहत,चौंकाने वाले फायदे

आज के समय में रिफाइंड शुगर यानी की सफेद चीनी हमारी डेली लाइफ में शामिल हो चुकी है। सुबह की चाय से लेकर बिस्किट, मिठाइयों, ब्रेड, सॉस, मिठाइयों और यहां तक कि हेल्दी लगने वाले स्नैक्स तक में चीनी मौजूद होती है। अधिक शुगर का सेवन करने से न सिर्फ वेट बढ़ता है, बल्कि यह दिमाग, स्किन, नींद और पूरी सेहत पर भी बुरा असर डालता है। लेकिन अगर आप 30 दिनों तक सिर्फ रिफाइंड शुगर छोड़ देते हैं, तो आपके शरीर में हैरान कर देने वाले बदलाव आएंगे। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको 30 दिन रिफाइंड शुगर छोड़ने के फायदे के बारे में बताने जा रहे हैं।

वेट लॉस और कमर की चर्बी में कमीः शुगर कैलोरी से भरपूर होती है, लेकिन इसमें पोषण शून्य होता है। इसको छोड़ने से शरीर जमा फैट को जलाना शुरु करता है। इससे वेट तेजी से घटता है, खासतौर पर पेट और कमर की चर्बी में फर्क दिखने लगता है। **एनर्जी लेवल में सुधारः** शुगर से मिलने वाली एनर्जी थोड़ी देर के लिए होती है और फिर थकान महसूस होती है। शुगर छोड़ने पर शरीर स्थायी एनर्जी पैदा करता है, जिससे आप दिनभर एक्टिव और फ्रेश फील करते हैं। **स्किन में आएगा निखारः** रिफाइंड शुगर त्वचा में कोलेजन को नुकसान पहुंचाता है। जिससे डलनेस, झुर्रियां और पिंपल्स बढ़ते हैं। शुगर से दूरी बनाने के बाद स्किन में फर्मनेस, ग्लो और क्लियरनेस आने लगती है। **बढ़ेगा दिमागी स्पष्टता और फोकसः** शुगर का ज्यादा सेवन मानसिक फॉग और फोकस की कमी पैदा करता है। 30 दिनों तक शुगर न लेने से दिमाग अधिक तेज, केंद्रित और शांत महसूस करता है। **बेहतर होगी नींद की क्वालिटीः** शुगर का सेवन हमारे शरीर के हार्मोन बैलेंस को बिगाड़ती है। जिस वजह से नींद में खलल पड़ता है। शुगर न लेने से नींद सुकूनभरी और गहरी हो जाती है। **मूड में स्थिरता और स्ट्रेस में कमीः** बता दें कि शुगर का सेवन करने से डोपामिन में असंतुलन आता है। जिस कारण मूड स्विंग्स और चिड़चिड़ापन होता है। लेकिन शुगर न लेने पर मूड शांत और पॉजिटिव रहता है। **डायबिटीज और हार्ट डिजीज का कम खतराः** रिफाइंड शुगर का सेवन न करने से इंसुलिन और ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है। जिससे टाइप 2 डायबिटीज और हार्ट डिजीज का खतरा कम होता है। आप सिर्फ 30 दिन चीनी छोड़कर देखिए, इससे आपका मनोस्थिति, सेहत और रूप में ऐसा बदलाव आएगा कि आप खुद को पहले से ज्यादा खुश, हेल्दी और एनर्जेटिक महसूस कर पाएंगे। यह एक ऐसा चैलेंज है, जो आपकी जिंदगी को बदल सकता है।

महंगे क्रीम को कहें अलविदा! सरसों तेल से पाएं प्राकृतिक चमक, एक्सपर्ट ने बताएं फायदे

चेहरे को खूबसूरत बनाने के लिए अधिकतर महिलाएं क्या-क्या नहीं करती हैं। कुछ तो बाजार से महंगे-महंगे प्रोडक्ट का यूज करती हैं, तो कुछ महिलाएं घरेलू नुस्खे को ट्राई करती हैं। अगर आपको स्किन रिलेटेड प्रॉब्लम को लेकर परेशानी होती हैं। आप घर पर रहकर सरसों के तेल का इस्तेमाल कर अपने चेहरे पर हो रही स्किन प्रॉब्लम को कम कर सकती हैं और स्किन को मुलायम बना सकती हैं। आइए आपको इस लेख में बताते हैं कि कैसे आप सरसों के तेल का स्किन पर यूज कर सकती हैं। अपने चेहरे को खूबसूरत और अट्रैक्टिव बनाने के लिए कुछ महिलाएं पार्लर में कई तरह की ट्रीटमेंट कराती है। यहीं नहीं कुछ महिलाएं, तो स्किन को ग्लोइंग बनाने के लिए बाजार के महंगे-महंगे प्रोडक्ट यूज करती है। अगर आप भी सर्दियों में रैशेज और पिंपल्स वाली स्किन को लेकर काफी परेशान हैं, तो आपको परेशान होने की जरुरत नहीं है। यदि आप अपने घर पर सरसों के तेल का यह खास नुस्खा उपाय सकती हैं। कभी भी स्किन पर डायरेक्ट सरसों का तेल न लगाएं। इसकी जगह आप स्किन पर सरसों के तेल का आप अलग तरह से भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए आप एक खास तेल बना सकती हैं।

ऑफिस में बैठे-बैठे बढ़ रहा है पेट? ऐसे करें कंट्रोल, जानें एक्सपर्ट की सलाह

अगर आप ऑफिस या फील्ड में लंबे समय तक काम करने वाले वर्कर्स हैं, ऐसे में आप वजन को कम करना चाहते हैं, तो अब आप आसानी से वजन को कम कर सकते हैं। लगातार बैठे रहना, अनियमित भोजन और जंक फूड की आदतें वजन बढ़ाने के मुख्य कारण हैं। बायोमेड सेंट्रल (एन) के एक अध्ययन बताता है कि लोग सेडेंटरी काम करते हैं यानी ऑफिस में बैठकर काम करते हैं उनमें पेट की चर्बी होने की संभावना अधिक हो जाती है। अगर आप नियमित रूप से हेल्दी आदतें को अपनाएंगे तो वजन को कम करने बेहद आसान हो जाएगा। आइए आपको बताते हैं कैसे करें वजन को कम। **हेल्दी स्नैक्स को चूज करें:** अगर लंबी ड्यूटी करते समय आपको भूख लगे तो आप भी जंक फूड का सेवन करते हैं, तो नट्स, फल, दही या ओट्स जैसे हेल्दी स्नैक्स लें। फिटनेस कोच ने बताया कि हेल्दी स्नैक्स लंबे समय तक पेट का भरा रखते हैं और शुगर क्रेविंग को कम करेंगे और कंट्रोल करेंगे। हेल्दी स्नैक्स का सेवन करने से ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में भी मदद मिलती है। **छोटे वर्कआउट्स करें:** लॉन्ग टाइम वर्क के दौरान आप कम से कम 10-15 मिनट के छोटे वर्कआउट्स कर सकते हैं। यह स्ट्रेचिंग, स्कवैट्स, वॉक या हल्की कार्डियो एक्सरसाइज मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करती है और कैलोरी बर्निंग प्रक्रिया को बढ़ाते हैं। इसलिए छोटे ब्रेक आपके लिए शरीर और दिमाग दोनों को रिफ्रेश करते हैं

और लंबी जॉब के दौरान बैठकर काम करने से नुकसान को कम करते हैं। **पर्याप्त पानी पिएं:** लंबी ड्यूटी के समय अक्सर लोग पानी पीना नज़रअंदाज कर देते हैं। जबकि पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से भूख पर नियंत्रण रहता है, मेटाबॉलिज़्म बेहतर होता है और शरीर से विषैले तत्व बाहर निकलते हैं। फिटनेस कोच के अनुसार, पानी और हर्बल टी जैसे हेल्दी पेय दिनभर शरीर में ऊर्जा बनाए रखते हैं और बार-बार स्नैक्स खाने की इच्छा को कम करने में मदद करते हैं। **माइंडफुल ईटिंगः** लंबी शिफ्ट वाली नौकरी के दौरान अक्सर हम जल्दी में या कंप्यूटर और फोन के सामने खाते हैं। इस दौरान शरीर को यह कभी भी संकेत नहीं मिल पाता कि पेट भरा है। हर बाइट पर ध्यान देना जरुरी है, इसलिए धीरे-धीरे खाएं और भूख लगने पर ही स्नैक्स लें। इससे ओवरईटिंग कम होती है और कैलोरी कंट्रोल करने में मदद मिलती हैं। **नियमित ब्रेक लें:** पूरे दिन बैठे रहने वाली नौकरी करने से मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है। प्रत्येक 1-2 घंटे में 5 मिनट का छोटा ब्रेक जरुर लें। इसके अलावा, आप खड़े होकर हल्की स्ट्रेचिंग या थोड़ी वॉक जरुर करें। ऐसा करने से कैलोरी बर्निंग प्रक्रिया बढ़ती है, साथ ही ब्लड सर्कुलेशन में सुधार होता है और लंबे समय एनर्जी भी बनीं रहती है।

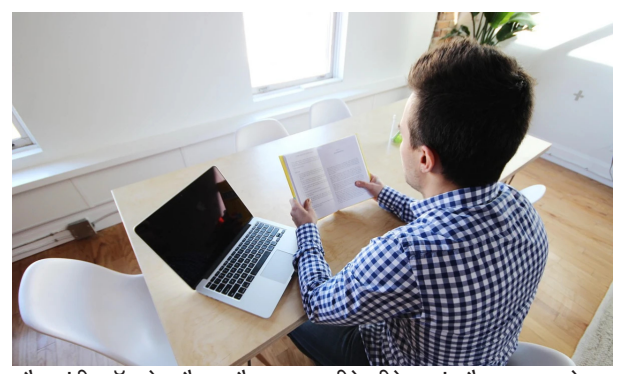

सनस्क्रीन लगाने का सही तरीका जानती हैं आप

चिलचिलाती गरमी के मौसम में टैनिंग की समस्या से बचने के लिए जाहिर है आप त्वचा को सुरक्षा कवच देने के लिए सनस्क्रीन का प्रयोग कर रही होंगी। लेकिन हम यह दावे के साथ कह सकते हैं कि सनस्क्रीन का सही तरीके से इस्तेमाल करना तो दूर आप को इस बात की भी जानकारी नहीं होगी कि त्वचा को सुरक्षित रखने के लिए आप ने सुरक्षाकवच सही तरह से पहना भी है या नहीं। सनस्क्रीन कितने भी अच्छे ब्रैंड का क्यों न हो, अगर आप को उसे इस्तेमाल करने का सही तरीका पता नहीं है, तो वह आप की त्वचा पर बेअसर ही साबित होगा। **बरसाती नमी से सुरक्षित रहना है तो फौलो करें टिप्सः**ऐसे में यदि अपनी त्वचा को सूर्य की नुकसानदायक अल्ट्रावायलेट किरणों से बचाना है तो इन टिप्स पर जरूर गौर फरमाएं... **चुनें सही सनस्क्रीन :** बाजार में सनस्क्रीन कई रूपों में उपलब्ध है। मसलन, पाउडर, जैल, क्रीम आदि। सभी तरह का सनस्क्रीन बाजार में आसानी से तरहतरह के ब्रैंडों में उपलब्ध है। लेकिन सनस्क्रीन खरीदने से पहले खुद की स्किनटोन को पहचानना अनिवार्य है। दरअसल, बाजार में मौजूद कुछ सनस्क्रीन चौकी इफैक्ट देने वाले भी होते हैं। यह सनस्क्रीन फेयर कौंप्लैक्शन वाली महिलाओं के लिए तो ठीक है, लेकिन डस्की स्किन पर यह ग्रेइश इफैक्ट देता है, जो बड़ा ही भद्दा लगता है। इसलिए यदि आप की त्वचा सांवली है, तो आप माइक्रोनाइज्ड फौर्मूले वाले सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। इस में सनस्क्रीन इफैक्ट कम होता है और त्वचा पर इस की परत दिखाई नहीं देती। लेकिन यह अल्ट्रावायलेट किरणों से त्वचा को पूरी तरह सुरक्षित रखता है। ऐसी त्वचा की ऊपरी परत पर पानी की बेहद कमी भी होती है। ऐसे में इस त्वचा पर ज्यादा मौइस्चराइजर फौर्मूला वाली क्रीम मददगार साबित होती है। **सही क्रम है जरूरी :** अकसर सनस्क्रीन को महिलाएं कोरी त्वचा पर ही लगा लेती हैं, जो सही नहीं होता है। सब से पहले त्वचा पर मौइस्चराइजर लगाएं। उस के 20-30 मिनट बाद सनस्क्रीन लगाएं ताकि त्वचा पहले मौइस्चराइजर को अच्छी तरह सोख ले। यदि आप चेहरे पर मेकअप लगाती हैं, तो सनस्क्रीन लगाने के बाद ही मेकअप का इस्तेमाल करें। यदि मेकअप नहीं लगाती हैं तो सनस्क्रीन ही आप के चेहरे पर लगने वाला आखिरी उत्पाद होना चाहिए। दरअसल, सनस्क्रीन त्वचा पर एक सुरक्षा की परत होती है। यदि इस के ऊपर मेकअप के अलावा कुछ और लगाया जाए तो त्वचा पर इस का प्रभाव कम हो जाता है। इसी तरह यदि कोरी त्वचा पर सनस्क्रीन लगाया जाए तो भी सनस्क्रीन त्वचा पर उतना प्रभावशाली सुरक्षाकवच साबित नहीं हो पाता और त्वचा को सूर्य की अल्ट्रावायलेट किरणों से पूरी तरह बचा पाने में भी नाकाम रहता है।कुछ महिलाएं अपने मौइस्चराइजर में सनस्क्रीन को मिक्स कर के लगाती हैं। यह तरीका भी सही नहीं होता, क्योंकि इस से सनस्क्रीन का सारा प्रभाव खत्म हो जाता है। **सनस्क्रीन लगाएं और रुकें :** यदि आप कैमिकल बेस्ड सनस्क्रीन का इस्तेमाल कर रही हैं, तो उसे लगाने के बाद 20-30 मिनट रुक कर ही धूप में जाएं ताकि क्रीम में मिले यूवी फिल्टर्स त्वचा अच्छी तरह सोख ले और उस पर एक सुरक्षाकवच बना दे। **इस्तेमाल में न करें कंजूसी :** ज्यादातर महिलाएं थोड़ा सा सनस्क्रीन ले कर पूरे मुंह पर मल लेती हैं। ऐसा करने पर सनस्क्रीन का कोई फायदा त्वचा को नहीं मिलता। इस तरह सनस्क्रीन लगाना व्यर्थ है। सनस्क्रीन लगाने का सही तरीका यह है कि लगभग 14 छोटा चम्मच सनस्क्रीन ले कर पूरे चेहरे और गले के हिस्से को कवर किया जाए। यदि आप का सनस्क्रीन काफी थिक है, तो मात्रा घट सकती है। यदि आप पूरी बौडी पर सनस्क्रीन लगाती हैं, तो लगभग 2 बड़े चम्मच सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। जाहिर है यह आप को बहुत ज्यादा लग रहा होगा, लेकिन आप सनस्क्रीन की जब तक मोटी परत त्वचा पर नहीं चढ़ाएंगी तब तक उस का कोई फायदा आप को नहीं मिलेगा। **लगाने का तरीका :** सनस्क्रीन को त्वचा पर लगाने का तरीका आम क्रीम को लगाने के तरीके से अलग होता है। कभी सनस्क्रीन को त्वचा पर रगड़ कर न लगाएं, बल्कि हथेली में ले कर धीरेधीरे थपथपाएं। इस से त्वचा पर इरिटेशन महसूस नहीं होती और इस तरह सनस्क्रीन लगाने से त्वचा पर बराबर हिस्से में क्रीम लग जाती है, क्योंकि यह जरूरी है कि यदि आप सनस्क्रीन का इस्तेमाल कर रही हैं तो इस बात का भी ध्यान रखें कि वह चेहरे के हर हिस्से पर बराबर मात्रा में लगा हो। ऐसा न हो कि कोई हिस्सा छूट जाए। थपथपा कर सनस्क्रीन लगाने से यह आसानी से लग जाता है।

माइग्रेन : दर्द एक रूप अनेक

दर्द हमारे जीवन का एक अभिन्न भाग है। हर कोई कभी न कभी, कहीं न कहीं, किसी न किसी प्रकार के दर्द से अवश्य ही जूझता है। कमर दर्द, दांत दर्द, गरदन दर्द तो ऐसे आम दर्द हैं जिन की शिकायत रोजाना सुनने को मिल जाती है। ऐसा ही एक आमतौर पर उभरने वाला दर्द है, सिरदर्द। हम अकसर ही सिरदर्द से परेशान हो जाते हैं। वैसे तो सिरदर्द को सामान्य ही समझा जाता है लेकिन हर मामले में अकसर होने वाला सिरदर्द आम नहीं होता है। वास्तव में, बहुत सी बड़ी बीमारियों का आगाज सिरदर्द से ही होता है। ऐसी ही एक गंभीर बीमारी है माइग्रेन, जिसे आम बोलचाल की भाषा में अर्धकपारी भी कहा जाता है।

गलत पेयजल का चुनाव आप को दे सकता है गंभीर बीमारियां

यह आमतौर पर कुछ घंटों में दूर हो जाता है और इस के लक्षणों में जी मिचलाना, उलटी होना, रोशनी को देख कर घबराहट होना, शोर या किसी भी प्रकार की खुशबू से चिढ़न होना, गरदन या कंधे में दर्द या उन्हें मोड़ने में दर्द होना, दृष्टि संबंधी समस्याएं, पेट में गड़बड़ी, उबासी लेने में दबाव, मुंह का सूखना व कंपकंपी उठना आदि शामिल हैं। ऐसे कारक जिन से माइग्रेन के उत्पन्न होने के खतरे अधिक रहते हैं वे हैं :चौकलेट, शराब, चीज, नटस का सेवन, दुर्गंध, हार्मोनल बदलाव, शोरशराबा, तेज रोशनी, तनाव, मौसम में बदलाव, सोने के तरीकों में बदलाव, व्यायाम, धूम्रपान, आहार को मिस करना आदि।

साधारण माइग्रेन : यह ऐसा सिरदर्द होता है जो बिना किसी आहट के शुरु होता है। इस सिरदर्द के शुरु होने से पहले इस के कोई लक्षण नहीं उभरते, जैसा कि अन्य प्रकार के माइग्रेन में होता है।

क्लासिक माइग्रेन : इस में सिरदर्द शुरु होने से पहले कई अन्य लक्षण उभरने लगते हैं जैसे धुंधली दृष्टि, ठीक से सुनाई न देना, देखते समय अजीबअजीब सी आकृतियों का दिखाई देना आदि। सिरदर्द शुरु होने से तकरीबन आधा घंटा पहले ये लक्षण उभर सकते हैं।

रीबाउंड सिरदर्द : जब पीड़ित पर दवाओं का असर न हो और सिरदर्द बरकरार रहे तो डोज बढ़ा कर ले ली जाती है। इस से कुछ समय तक तो उन दवाओं का असर दिखता है लेकिन आगे चल कर दवाओं के बढ़ाए डोज का भी कोई असर नहीं होता है। एक सप्ताह में यह दर्द 2 से 3 बार तक हो सकता है।

ऑक्युलर माइग्रेन : इस माइग्रेन के दौरान आंखों की रक्तवाहिनियां प्रभावित होती हैं न कि सिर की कोई रक्तवाहिनी। इस से पीड़ित को देखने में समस्या होती है। आंखों में अजीब सा प्रकाश दिखने लगता है। यह समस्या 15 से 20 मिनट तक रहती है फिर सब सामान्य हो जाता है लेकिन बहुत से लोगों को इस के बाद हलके सिरदर्द की शिकायत होती है।

औप्थैल्मिक माइग्रेन : इस का संबंध भी आंखों की मध्य नसों से ही होता है। इस में सिरदर्द भी होता है और पीड़ित को उलटी भी होती है। जैसेजैसे सिरदर्द बढ़ता है वैसेवैसे आंखों की कुछ नसें पैरालिटिक हो जाती हैं। ऐसे में आंखों की पलकें लटक जाती हैं।

सिरदर्द रहित माइग्रेन : माइग्रेन के इस प्रकार में पीड़ित को सिरदर्द तो नहीं होता लेकिन अन्य लक्षण थोड़ी देर के लिए परेशान कर सकते हैं। ये उन लोगों को होता है जिन का इतिहास माइग्रेन से ग्रस्त रहा हो।

बेसिलर आर्टरी : इस में मस्तिष्क की धमनी में दर्द की वजह से सिरदर्द उत्पन्न हो सकता है। इस से बोलने व देखने में तकलीफ हो सकती है। बड़ों से ज्यादा बच्चे इस से प्रभावित होते हैं।

कैरोटिडाइनिया : इस में चेहरे का आधा भाग प्रभावित होता है जैसे जबड़े व गरदन का भाग। यह दर्द तीव्र व भयानक भी हो सकता है या फिर कम व हलका भी हो सकता है। कैरोटिड रक्तवाहिनी में सूजन भी हो सकती है। यह बुजुर्गों में अधिक पाया जाता है। इस का असर कई घंटों तक रह सकता है और यह सप्ताह में एक से ज्यादा बार तक हो सकता है। डा. सतनाम सिंह छाबड़ा के मुताबिक, माइग्रेन के उचित उपचार के लिए कुछ परीक्षणों की आवश्यकता होती है जिस में रक्त की जांच, ब्रेन स्कैनिंग (सीटी या एमआरआई व स्पाइनल टेप) शामिल हैं।

खास बातें : माइग्रेन के मरीज को समय पर सोना व जागना चाहिए। नियमित रूप से व्यायाम करना चाहिए। बहुत ज्यादा देर तक भूखे नहीं रहना चाहिए। तनाव को नियमित व्यायाम के द्वारा नियंत्रित करना चाहिए। बहुत तेज व चुभने वाली रोशनी से बचना चाहिए। उन चीजों को पहचान कर उन से बचना चाहिए जिन से यह समस्या होने की संभावना हो।

कच्ची उम्र में ही जरूरत से ज्यादा मैच्योर होते जा रहे हैं बच्चे

आजकल कच्ची उम्र में ही बच्चे जरूरत से ज्यादा मैच्योर होते जा रहे हैं। वे मनमानी करते हैं और जिद को पूरा करने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। अगर उन्हें कभी मातापिता ने किसी बात पर डांट दिया तो वे उसे मन पर लगा लेते हैं। आजकल कच्ची उम्र में ही बच्चे जरूरत से ज्यादा मैच्योर होते जा रहे हैं। वे मनमानी करते हैं और जिद को पूरा करने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। अगर उन्हें कभी मातापिता ने किसी बात पर डांट दिया तो वे उसे मन पर लगा लेते हैं। ऐसे में मातापिता सोचने लगते हैं कि बच्चे बिगड़ रहे हैं। घर में टैलीविजन पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रम सावधान इंडिया, सीआईडी, क्राइम पैट्रोल, गुमराह जैसी क्राइम थीम वाले धारावाहिक पूरा परिवार साथ बैठ कर देखता है। धारावाहिक में अपराध से जुड़े कई पहलुओं को बढ़ाचढ़ा कर ग्लैमरस अंदाज में दिखाया जाता है। इन सब का गहरा असर बच्चों के मासूम व कोमल मन पर पड़ता है। महानगरों में ज्यादातर मातापिता नौकरी करते हैं। लिहाजा, बच्चे ज्यादातर घर में अकेले ही होते हैं। चूंकि मातापिता के अलावा घर में बुजुर्ग यानी दादादादी या नानानानी भी नहीं होते, जो बच्चों के मन की बात को समझें और विचारों को बांटें। लिहाजा, अकेलेपन में कई मासूम अपनी ही काल्पनिक दुनिया में खोए रहते हैं। कभीकभी तो ये बच्चे कुंठा के शिकार भी हो जाते हैं। **बच्चों के लिए समय निकालें :** मातापिता बच्चों को भौतिक सुविधाएं तो दे देते हैं पर समय बिलकुल भी नहीं देते, जिस की उन्हें बहुत जरूरत होती है। और फिर इसी कारण बच्चे जानेअनजाने मातापिता से मन ही मन एक दूरी बना लेते हैं। उन से अपने मन की बात शेयर करना बंद कर देते हैं। ऐसी स्थिति में मातापिता को समझाने के तौर पर छोटी सी डांट भी उन के लिए बहुत बड़ी बात बन जाती है। कई बार देखने को मिलता है कि मातापिता का गुस्सा मासूम बच्चों के कोमल मन में भय पैदा कर देता है। उन्हें मातापिता से केवल प्यार की ही उम्मीद होती है, जबकि मातापिता आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में अपने बच्चों को सब से आगे देखना चाहते हैं। वे भूल जाते हैं कि उन का प्यार बच्चे को आगे बढ़ने में मदद करेगा, न कि उन की डांट। बच्चा अगर परीक्षा में अच्छे अंकों से भी पास होता है तो उसे मातापिता इस से ज्यादा अंक लाने चाहिए, पूरा दिन खेलते रहते हो, अब से पढ़ाई पर ध्यान दो वगैरह कह कर उस के कोमल मन पर प्रहार करते हैं। बच्चे तो सिर्फ शाबाशी के दो बोल की उम्मीद रखते हैं। लेकिन बदले में उन्हें मिलती है डांटफटकार। इस डर से बच्चा मानसिक तौर पर विचारहीन हो जाता है और बाद में आत्महत्या जैसा क्रूर कदम उठाने पर मजबूर हो जाता है। गुजरात के कई शहरों में आएदिन ऐसे मामले बढ़ते जा रहे हैं। किसी बच्चे ने रिजल्ट के डर से आत्महत्या कर ली तो किसी ने डांट की वजह से। कई मामलों में तो बच्चों के आत्महत्या करने की वजह खुद मातापिता ही नहीं समझ पाए हैं। **चिंताजनक बातें :** ऐसी ही कुछ घटनाएं भावनगर और अहमदाबाद में हुईं, जिन में मातापिता बच्चों की आत्महत्या करने की वजह समझ ही नहीं पाए। भावनगर के मालणका गांव में कक्षा 7 में पढ़ने वाले 13 वर्षीय श्रयेश भरतभाई चौहान ने किसी कारण से अपने घर में ही गले में फंदा डाल कर आत्महत्या कर ली। वहीं अहमदाबाद में कक्षा 5 की छात्रा

चांदनी प्रजापति (उम्र 12 साल) ने भी घर की छत के हुक में दुपट्टा डाल कर आत्महत्या कर ली। चांदनी के घर वालों की मानें तो परीक्षा के डर की वजह से उस ने यह कदम उठाया। जबकि स्कूल से जुड़े शिक्षकों व कर्मचारियों का कहना था कि चांदनी अपनी क्लास की सब से होशियार छात्रा थी। ऐसे में परीक्षा के डर से आत्महत्या की बात गले नहीं उतरती। दोनों पक्षों की अलगअलग बातों से तय नहीं हो पाया कि आखिर चांदनी ने आत्महत्या क्यों की? अहमदाबाद के नरोड़ा विस्तार में रहने वाली 12वीं की छात्रा खुशबू अशोकभाई पटेल ने बोर्ड की परीक्षा दी थी। कैमिस्ट्री के पेपर में 15 नंबर के प्रश्नों के उत्तर छूट जाने की वजह से घर वालों ने उसे खूब डांटा। खुशबू के मन पर इस डांट का ऐसा घातक असर पड़ा कि उस ने घर की छत से ही छलांग लगा दी। ऐसा ही कुछ कविता के साथ भी हुआ। अहमदाबाद के अमराईवाड़ी विस्तार में रहने वाले कैलाशभाई गवाणे की 2 बेटियां करिश्मा (उम्र 19 वर्ष) और कविता (उम्र 17 वर्ष) थीं। कैलाशभाई चाहते थे कि उन की बेटी कविता परीक्षा में अच्छे अंकों से पास हो। इस बात को ले कर बापबेटी में बहस हुई, जिस का अंजाम यह हुआ कि पिता की डांट से आहत कविता ने शहर के नेहरू ब्रिज से छलांग लगा कर आत्महत्या कर ली। अहमदाबाद के मेघाणीनगर निवासी संपतभाई पाटिल के घर में उन का 14 वर्षीय बेटा प्रशांत अपने दोस्त के साथ किसी शादी में जाना चाहता था लेकिन उस की मां उसे साथ नहीं ले गईं। जब वे शाम को घर वापस आईं तो उन्होंने प्रशांत की लाश घर के झूले से लटकती देखी। ऐसे ही कई और मामले अखबारों की सुर्खियां बनते रहते हैं जिन में मांबाप के गैरजिम्मेदाराना रवैए, डांट और जरूरत से ज्यादा प्रैशर के चलते बच्चे आत्महत्या करने पर विवश हो जाते हैं। **ज्यादा बोझ न डालें :** इन मामलों से सबक ले कर मातापिता को अपने बच्चों को, उन की मनोस्थिति को समझना चाहिए। तभी इस समस्या को सुलझाया जा सकता है। बच्चों पर पढ़ाई बोझ बनती जा रही है, ऊपर से मातापिता का अच्छे अंक लाने का प्रैशर, इस बोझ में और इज़ाफ़ा कर देता है। मनोचिकित्सक हिमांशु देसाई कहते हैं, संयुक्त कुटुंब छूटते जा रहे हैं, मातापिता 1 या 2 बच्चे के साथ रहते हैं। ऐसे में वे अपनी इच्छाएं अपने बच्चों के द्वारा ही पूरी करना चाहते हैं। कई बार यह बच्चे की सहनशीलता की हद से बाहर की बात हो जाती है। परिणामस्वरूप, जब बच्चा मांबाप की कसौटी पर खरा नहीं उतर पाता तब वह डर जाता है और आत्महत्या करने का फैसला कर बैठता है। बदलते दौर में बच्चों की बदलती प्रवृत्ति के मद्देनजर अब यह जरूरी हो गया है कि मातापिता बच्चों की बातों, इच्छाओं को न सिर्फ सम्मान दें बल्कि अपनी व्यस्ततम दिनचर्या में से उन के लिए समय निकालें

अनन्या और जान्हवी कपूर के साथ क्यों नहीं किया सलमान खान ने काम, एक्टर ने बताई अपनी मुश्किलें...

मुम्बई। सलमान खान अपनी फिल्म सिकंदर के प्रमोशन में व्यस्त हैं जो 30 मार्च को रिलीज होने जा रही है। इस दौरान सुपरस्टार ने कहा है कि वह युवा अभिनेताओं के साथ काम करना चाहते हैं। हालांकि, लोगों की वजह से ऐसा संभव नहीं हो पा रहा है। अभिनेता सलमान खान ने हाल ही में अनन्या पांडे और जान्हवी कपूर जैसी नई अभिनेत्रियों के साथ काम करने की इच्छा के बारे में खुलकर बात की। हालांकि, उन्होंने कहा कि उम्र के अंतर के बारे में लगातार चर्चा होने से यह मुश्किल हो गया है। इससे पहले 'सिकंदर' के ट्रेलर लॉन्च पर, सलमान ने उन लोगों पर कटाक्ष किया जो फिल्मों में उनके और उनकी अभिनेत्रियों के बीच उम्र के महत्वपूर्ण अंतर पर सवाल उठाते हैं। ग्रुप चैट के दौरान, सलमान खान ने युवा अभिनेताओं के साथ काम करने की इच्छा व्यक्त की क्योंकि इससे उन्हें 'अच्छा अवसर' मिलेगा। सलमान ने कहा, 'मैं अनन्या, जान्हवी के साथ काम करना चाहता हूं, लेकिन लोगों ने मेरे लिए इसे मुश्किल बना दिया है क्योंकि फिर वे उम्र के अंतर के बारे में बात करते हैं। मैं उनके साथ यह सोचकर काम करता हूं कि इससे उन्हें अच्छा अवसर मिलेगा और यह उनके करियर के लिए अच्छा होगा।' अभिनेता ने कहा कि उम्र के अंतर की आलोचना उन्हें इन अभिनेताओं के साथ काम करने से नहीं रोक पाएगी। 59 वर्षीय अभिनेता ने कहा, 'हालांकि तब भी मैं उनके साथ काम करना जारी रखूंगा।' सिकंदर के ट्रेलर लॉन्च पर सलमान ने अपनी महिला सह-कलाकारों की उम्र को लेकर हो रही आलोचना पर भी टिप्पणी की. 'फिर वो बोलते हैं 31 साल का अंतर है हीरोइन और मुझ में, अरे जब हीरोइन को दिक्कत नहीं है, हीरोइन के पापा को दिक्कत नहीं है, तुमको क्यों दिक्कत है भई? इनकी शादी होगी, बच्ची होगी, तो उनके साथ भी काम करेंगे। उन्होंने कहा मम्मी की परमिशन तो मिल ही जाएगी (फिर कहते हैं 31 साल है मेरे और नायिका के बीच उम्र का अंतर है। लेकिन अगर नायिका को कोई समस्या नहीं है, और यहां तक ??कि उसके पिता को भी कोई समस्या नहीं है, तो आपको समस्या क्यों है, भाई? जब उसकी शादी हो जाएगी और उसकी एक बेटी होगी, तो मैं उसकी बेटी के साथ भी काम करूंगा)। 'सिकंदर' 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित, ईद रिलीज में रश्मिका मंदाना, काजल अग्रवाल, सत्यराज, शरमन जोशी और प्रतीक स्मिता पाटिल भी हैं। सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग से भी दुःखी हैं। जान्हवी कपूर अपने जन्म दिन से लेकर अब तक कई बार सोशल मीडिया पर ट्रोल हो चुकी हैं। हाल ही में जब जान्हवी कपूर से हमारी मुलाकात हुई, तो हमने सोशल मीडिया पर उनके ट्रोल होने पर सीधा सवाल करने की बजाय उनसे पूछा कि सोशल मीडिया को लेकर आपकी मम्मी आपके उपर निर्भर हुआ करती थीं। आप खुद सोशल मीडिया पर कितना सक्रिय हैं ? इस सवाल पर जान्हवी कपूर ने कहा- जहां तक सोशल मीडिया का सवाल

है तो यह लोगों से जुड़ने के लिए अच्छी चीज है। आप अपने रूम में बैठे हुए दूसरों से संपर्क रख सकते हैं। आप पूरी दुनिया घूम सकते हैं। लेकिन मैं खुद सोशल मीडिया पर बहुत कम सक्रिय रहती हूं। मेरी मम्मी भी सिर्फ फिल्म के प्रदर्शन के वक्त ही सोशल मीडिया पर सक्रिय होती थीं। मुझे लगता है कि सोशल मीडिया यथार्थ से परे है। वहां बनावटी पन ज्यादा है। हर कोई अपनी एक अलग ईमेजपहचान चित्रित करने की कोशिश करता है। मैं इस बनावटी पन से दूर रहना चाहती हूं। मेरी राय में सोशल मीडिया एक नकली दुनिया है। सोशल मीडिया पर लोग कुछ भी कहें, उन्हें कोई रोक नहीं सकता। ऐसे में अपराजकता फैल रही है। कुछ लोग आपके सामने आपसे बहुत अच्छा व्यवहार करते हैं। जबकि सोशल मीडिया पर वही लोग आपके खिलाफ बक बक करते हैं। लोगों को लगता है कि सोशल मिडिया पर उन्हें बोलने की आजादी है, इसलिए वह कुछ भी बोल सकते हैं। मुझे उस वक्त बहुत बुरा लगता है, जब कोई न्यूज वेबपोर्टल या न्यूज चैनल सोशल मीडिया की किसी गलत बात को उठाकर उसे खबर के रूप में पेश करता है। कुछ वेबपोर्टल और न्यूज चैनल मानते हैं कि नकारात्मक चीजों को प्रसारित करने से उन्हें पाठक या दर्शक मिल जाएंगे, जो कि गलत है। पर कुछ लोग लोगों की बुराई करने की आदत को बढ़ाते हैं। इस तरह न्यूज चैनल की खबर से नकारात्मक सोच बढ़ाने वाले लोगों को बढ़ावा मिलता है। जबकि हकीकत यह है कि लोग नकारात्मकता की बजाय सकारात्मक चीजें देखना व पढ़ना चाहते हैं।

बॉलीवुड के 'ऑलराउंडर' हैं फरहान अख्तर, ऐसे किया बॉलीवुड पर राज

मुम्बई। बॉलीवुड अभिनेता फरहान बॉलीवुड के उन कलाकारों में से एक हैं, जो फिल्मों को रियल बनाने के लिए वह किसी भी हद तक जा सकते हैं। फरहान एक लेखक, डायरेक्टर, प्रोड्यूसर और सिंगर भी हैं। हालांकि फिल्म को लेकर कभी उनको अपने पिता की नाराजगी सहनी पड़ी, तो कभी उनको फिल्म में एक्टर को लेने के लिए कई महीनों तक इंतजार करना पड़ा। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर फरहान अख्तर के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में... **जन्म और परिवारः** मुंबई में 09 जनवरी 1974 को फरहान अख्तर का जन्म हुआ था। इनके पिता मशहूर लिरिसिस्ट और गीतकार जावेद अख्तर हैं और मां का नाम हनी ईरानी है। जब फरहान काफी छोटे थे, तो

उनके माता-पिता का तलाक हो गया था। अपनी लॉ की डिग्री पूरी करने के बाद फरहान ने फिल्म इंडस्ट्री में पैठ बनाने का प्रयास शुरूकर दिया। **फिल्मी करियरः** परिवार में फिल्मी माहौल देखते हुए बड़े हुए फरहान अख्तर ने भी यह राह पकड़ी। साल 2001 में फरहान ने 'दिल चाहता है' फिल्म बनाई। इस फिल्म को डायरेक्ट करने के साथ ही खुद भी लीड रोल निभाया। यह फिल्म सफल रही और एक कल्ट बन गई। फिर साल 2004 में उन्होंने 'लक्ष्य' फिल्म को डायरेक्ट किया, इस फिल्म में ऋतिक रोशन ने काम किया था और यह फिल्म भी सुपरहिट रही। इसके बाद फरहान अख्तर की इमेज एक सफल डायरेक्टर और एक्टर के रूप में बनी। **नेशनल अवॉर्डः** इसके अलावा फरहान अवॉर्ड किंग हैं और अब तक वह 52 से अधिक खिताब अपने नाम कर चुके हैं। पहली फिल्म के लिए उन्होंने नेशनल अवॉर्ड जीता था। वहीं अब तक वह कई फिल्म फेयर बतौर अभिनेता और डायरेक्टर जीत चुके हैं। इसके अलावा फिल्म 'मिल्खा सिंह' जैसी शानदार कहानियों के लिए फरहान के अभिनय समर्पण को भी लोग सलाम करते हैं। इसके अलावा वह एक शानदार प्रोड्यूसर हैं, जो दर्जनों कहानियां ऐसी कह चुके हैं, जिनको लोगों द्वारा काफी पसंद किया है।

फिल्म रिलीज़ से पहले ही इन 12 सितारों का हो गया पत्ता साफ, ऐश्वर्या से लेकर करीना तक शामिल

मुम्बई। बॉलिवुड गलियारों में पिछले दिनों फिल्म दोस्ताना 2 में कार्तिक आर्यन को रिप्लेस किए जाने की खबर सुखियों में रही। कार्तिक फिल्म का काफी हिस्सा शूट कर चुके थे, इसके बावजूद निर्माता करण जौहर से विवाद के चलते उन्हें फिल्म से हटा दिया गया। वैसे, इंडस्ट्री में ऐक्टर्स के रिप्लेसमेंट की यह कहानी नई नहीं है। पहले भी अलग-अलग वजहों से कई ऐक्टर्स का पत्ता शूटिंग के बीच में कट चुका है। उपमा सिंहकी रिपोर्ट

'निर्माता करण जौहर ने ऐक्टर कार्तिक आर्यन को अपनी फिल्म दोस्ताना 2 से निकाल दिया', हाल ही में आई इस खबर ने हर तरफ सनसनी मचा दी, लेकिन असल में बॉलिवुड की दुनिया है ही ऐसी। जितनी ग्लैमरस और चमकदार, उतनी ही उतार-चढ़ाव भरी भी। यहां कब किसका सिक्का चल जाए और कब किसकी बाजी पलट जाए, कोई नहीं कह सकता। वैसे, कार्तिक इकलौते ऐसे ऐक्टर नहीं हैं, जिन्हें फिल्म शूट करने के बाद भी हटा दिया गया। फिल्मी इतिहास में ऐसे कई पन्ने हैं, जब ऐक्टर्स को कभी पोस्टर जारी होने, तो कभी रोल के लिए खूब तैयारी करने, तो कभी कुछ दिन शूटिंग करने के बाद तक रिप्लेस कर दिया गया। कार्तिक और करण का विवाद पिछले दिनों तब सामने आया, जब खबरें आईं कि करण ने कार्तिक को न केवल अपनी फिल्म दोस्ताना 2 से निकाल दिया है, बल्कि भविष्य में कभी उनके साथ काम न करने की कसम खाई है। शाम होते-होते करण के प्रोडक्शन हाउस ने दोस्ताना 2 की कास्टिंग दोबारा करने की खबर पर मुहर भी लगा दी। जबकि, कार्तिक फिल्म की 20 दिन की शूटिंग कर चुके थे। कहा जा रहा है कि करण ने करोड़ों का नुकसान उठाकर ये कड़ा फैसला कार्तिक के अनप्रफेशनल रवैये के चलते लिया है। वैसे, कार्तिक से पहले भी कई ऐक्टर्स अलग-अलग विवादों के चलते फिल्म की शूटिंग करने के बावजूद उससे अलग हो चुके हैं। इसमें, एक चर्चित नाम ऐक्टर सोनू सूद का है। **कंगना रनौत से विवाद के चलते बाहर हुए थे सोनू सूदः** सोनू फिल्म 'मणिकर्णिकाः द क्वीन ऑफ झांसी' में अपने किरदार सदाशिव राव की शूटिंग लगभग पूरी कर चुके थे, पर फिल्म के री-शूट होने और कंगना रनौत से विवाद के चलते वे फिल्म से अलग हो गए और उनकी जगह ऐक्टर मोहम्मद जीशान अय्यूब को कास्ट किया गया।

ऐश्वर्या की जगह करीनाः रिप्लेसमेंट की इस दास्तां में कई बड़े-बड़े स्टार्स को हटाए जाने के भी किस्से शामिल हैं। सालों पहले ऐक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन को फिल्म 'चलते-चलते' से शूटिंग शुरू करने के बाद भी सलमान खान के कथित बवाल के बाद हटा दिया गया था। फिल्म में उनकी जगह रानी मुखर्जी आ गईं। इसके अलावा, ऐश्वर्या और निर्देशक मधुर भंडारकर का फिल्म 'हिरोइन' के दौरान हुआ विवाद किसी से छिपा नहीं है। प्रेगनेंसी की खबर आने के बाद विवादों के बीच इस फिल्म में ऐश्वर्या की जगह करीना कपूर को ले लिया गया था।

करीना कपूर के साथ भी हुआ ऐसाः ऐसा ही कुछ करीना कपूर के साथ संजय लीला भंसाली की फिल्म 'रामलीलाः गोलियों की रासलीला' के दौरान हुआ। फिल्म से करीना का लुक भी आउट हुआ था, लेकिन बाद में करीना की शादी और डेट्स के विवाद को लेकर करीना इस फिल्म से अलग हो गईं। बाद में ये रोल दीपिका पादुकोण को मिला।

कटरीना कैफ भी हो चुकी हैं रिप्लेसः कटरीना कैफ को भी करियर की शुरुआत में रिप्लेसमेंट झेलनी पड़ी। अनुराग बसु की फिल्म 'साया' से एक दिन की शूटिंग के बाद ही उन्हें तारा शर्मा से रिप्लेस कर दिया गया था।

रेखा की जगह तब्बूः इसी तरह वेटरन ऐक्ट्रेस रेखा का भी नाम इस लिस्ट में शामिल है। रेखा अभिषेक कपूर की फिल्म 'फितूर' को कुछ दिनों शूट करने के बाद उससे अलग हो गई थीं। बाद में, अभिषेक ने इस रोल में तब्बू को लेकर फिल्म पूरी की।

बायॉपिक के लिए खूब पसीना बहायाः कई बार ऐसा भी हुआ है कि ऐक्टर्स ने अपने रोल के लिए तैयारी तो खूब की, पर बाद में वे फिल्म का हिस्सा ही नहीं रहे। जैसा, ऐक्ट्रेस श्रद्धा कपूर के साथ हुआ। श्रद्धा ने बैडमिंटन स्टार सायना नेहवाल की बायॉपिक के लिए खूब पसीना बहाया। बैडमिंटन खिलाड़ी पुलेला गोपीचंद से इस खेल की बारीकियां सीखीं। इसके बावजूद, उन्हें ये फिल्म छोड़नी पड़ी और पर्दे पर परिणीति चोपड़ा इस रोल में नजर आईं।

चित्रांगदा सिंह भी हुई थीं बाहरः ऐसे ही, ऐक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह अंतरंग दृश्यों में सहज न महसूस करने के चलते फिल्म 'बाबू मोशाय बंदूकबाज' की शूटिंग बीच में छोड़कर वापस आ गई थी। बाद में इस रोल से बिदिता बाग ने बॉलिवुड में डेब्यू किया।

सुशांत ने फिल्म छोड़ दी और जॉन अब्राहम बने हीरोः दिवंगत ऐक्टर सुशांत सिंह राजपूत तो कई फिल्मों में अच्छी-खासी तैयारी करने के बावजूद उसका हिस्सा नहीं रह पाए। मसलन, फिल्म चंदा मामा दूर के में एस्ट्रोनॉट के किरदार के लिए सुशांत ने नासा में जाकर ट्रेनिंग ली थी। इसी तरह, शेखर कपूर की फिल्म पानी के लिए भी सुशांत ने कड़ी मेहनत की थी, पर ये दोनों ही फिल्में बन ही नहीं पाईं।

इसी तरह, फिल्म 'रॉः रोमियो अकबर वॉल्टर' से सुशांत सिंह का राजपूत का पोस्टर भी जारी हो गया था, लेकिन बाद में सुशांत ने फिल्म छोड़ दी और जॉन अब्राहम फिल्म के हीरो बने। फिल्म 'हाफ गर्लफ्रेंड' के लिए भी सुशांत ही पहली चॉइस थे, लेकिन बाद में फिल्म अर्जुन कपूर के साथ बनी।

वरुण भी फिल्म से हट गएः कई बार यूं भी हुआ कि बात फिल्म की अनाउंसमेंट और पोस्टर-वोस्टर जारी होने के बाद ही बिगड़ गई और पिक्चर में किसी और की एंट्री हो गई, जैसा कि पिछले साल ऐक्टर वरुण धवन के साथ हुआ। वरुण ने अपने मेंटर करण जौहर और दोस्त डायरेक्टर शशांक खेतान के साथ जोर-शोर से फिल्म मिस्टर लेले की घोषणा की। अतरंगी सा पोस्टर भी जारी कर दिया, पर कुछ ही दिनों बाद क्रिएटिव मतभेद के चलते वरुण फिल्म से हट गए। अब हाल ही में उनकी जगह विकी कौशल को लेकर फिल्म की शूटिंग शुरू हुई है। **आयुष्मान खुराना और भूमि पेडनेकर भी बदले गएः** फिल्म मनमर्जियां के लिए भी आयुष्मान खुराना और भूमि पेडनेकर ने शूटिंग शुरू ही की थी कि डायरेक्टर अनुराग कश्यप की एंट्री ने पूरी कास्ट ही बदल दी। इस फिल्म में बाद में तापसी पन्नू, विकी कौशल और अभिषेक बच्चन नजर आए।

भोजपुरी फिल्म 'नादान इश्क बा' की तैयारी

नई दिल्ली। मोहन राठौड़ की आवाज में गीत की रिकॉर्डिंग के साथ ही निर्देशक संतराम की फिल्म 'नादान इश्क बा' की शूटिंग की तैयारी पूरी हो चुकी है। इश्क की नादानी की कहानी और एक टीन एज लव स्टोरी वाली भोजपुरी फिल्म 'नादान इश्क बा' का मुहुर्त पिछले दिनों मुंबई में हुआ था। नेहा फिल्म प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनने जा रही इस फिल्म की शुरुआत मुम्बई के एबी साउंड रिकॉर्डिंग स्टूडियो में मोहन राठौड़ और इन्दु सोनाली की आवाज में एक गीत की रिकॉर्डिंग के साथ हुई। फिल्म के निर्माता योगेश कुमार और निर्देशक संतराम हैं। फिल्म में आशीष कुमार और प्रीति कुमारी की फ्रेश जोड़ी दिखेगी जबकि अवधेश मिश्रा, संजय पाण्डेय, सीपी भट्ट, जय प्रकाश सिंह और अन्नू ओझा भी अहम किरदार में होंगे। फिल्म के लेखक अभय यादव, डीओपी डीके शर्मा, आर्ट डायरेक्टर पप्पू राज, कोरियोग्राफर संतोष सर्वदर्शी और एक्जयूकेटिव प्रोड्यूसर अरविंद सिंह हैं। भोजपुरी के मशहूर खलनायक संजय पाण्डेय ने मुहूर्त के अवसर पर मीडिया से बात करते हुए बताया, 'इस फिल्म में मेरे बड़े भाई का रोल अवधेश मिश्रा कर रहे हैं।'

उन्होंने बताया, 'मैं फिल्म में विलेन हूं। हीरो हीरोइन नए हैं। संतराम अच्छे लेखक डायरेक्टर है, मुझे विश्वास है कि वह अच्छी फिल्म बनाएंगे।' इस अवसर पर निर्देशक संतराम ने कहा, 'इश्क तो नादान होता है समझदारी से तो व्यापार होता है। इसलिए इसका नाम 'नादान इश्क बा' रखा है। मुझे इस टिन एज स्टोरी के लिए 18-19 साल के लड़के लड़की चाहिए थी। मैंने इन दोनों लड़के लड़की का ऑडिशन लिया। अगस्त से शूट शुरू करना है।' निर्माता योगेश कुमार की यह पहली फिल्म है। उन्होंने कहा, 'यह एक साफ सुथरी कहानी है, कोई वल्गैरिटी नहीं। टीन एजर लव स्टोरी है। मोहन राठौड़ की आवाज में छोटे बाबा के संगीत निर्देशन में एक गीत रिकॉर्ड किया गया है। नवम्बर तक रिलीज का प्लान है।' लेखक अभय यादव ने बताया कि संतराम को यह सब्जेक्ट पसंद आया। नया कंटेंट है भोजपुरी सिनेमा के लिए। उम्मीद है कि दर्शको को भी पसंद आएगा। आशीष कुमार और प्रीति कुमारी इस क्यूट सी लव स्टोरी को लेकर बेहद एक्साइटेड हैं। इसमें दलित फैमिली से लड़का बिलोंग करता है। कहानी जातपात के उपर है।

शाहरुख खान के साथ लॉस एंजिल्स में हुई दुर्घटना, नाक पर आयी चोट, करानी पड़ी सर्जरी

मुम्बई।बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान हाल ही में लॉस एंजिल्स में अपने एक प्रोजेक्ट की शूटिंग के दौरान दुर्घटना का शिकार हो गए। कथित तौर पर अभिनेता की नाक पर चोट लगी और उनकी छोटी सर्जरी हुई। शाहरुख अब भारत वापस आ गए हैं। मुताबिक, अभिनेता एक एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग कर रहे थे, तभी उनकी नाक पर चोट लग गई और खून बहने लगा। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी सर्जरी की गई।

अपने सूत्र के हवाले से बताया 'एसआरके एक प्रोजेक्ट के लिए लॉस एंजिल्स में शूटिंग कर रहे थे और उनकी नाक में चोट लग गई। उनके नाक से खून बहने लगा और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। उनकी टीम को डॉक्टरों ने बताया कि चिंता की कोई बात नहीं है और किंग खान को सर्जरी करानी होगी। रक्तस्राव को रोकने के लिए एक छोटी सी सर्जरी की गई।

जया प्रदा का खुलासा- जल गए थे अमिताभ के हाथ, ऐसे शूट हुआ 'दे दे प्यार दे' सॉन्ग

मुम्बई। बॉलिवुड ऐक्ट्रेस जया प्रदा बतौर गेस्ट सिंगिंग रियलिटी शो इंडियन आइडल 12 के सेट पर पहुंची थी। इस दौरान इस शो के सभी प्रतियोगी ने खास तैयारियां की थी। इस दौरान जया प्रदा ने 1984 की सुपरहिट फिल्म शराबी का सुपरहिट गाना 'दे दे प्यार दे' गाने को याद करते हुए एक किस्सा शेयर किया। जया ने बताया कि इस गाने की शूटिंग के दौरान पटाखे से अमिताभ की हाथ जल गई थी लेकिन तब भी उन्होंने अपना घायल हाथ को जेब में रखकर बेहद शानदार अंदाज में इस पूरे गाने की शूटिंग पूरी की है। सोनी टीवी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें जया प्रदा इंडियन आइडल के सेट पर दिखाई दे रही हैं। साथ ही उन्होंने शराबी फिल्म का एक शानदार किस्सा शेयर करते हुए बताती हैं, शराबी फिल्म में जब अमित जी का हाथ जल गया तो उन्होंने स्थिती का लाभ उठाते हुए हाथ को अपनी जेब में रख लिया और फिर वह उनका स्टाइल बन गया और इस पूरे गाने में उनके इस स्टाइल को काफी पसंद किया गया। जया आगे बताती हैं, अमित जी साफ जानते हैं कि कैसे मुश्किलों को अपनी स्थिती में ढाल लेना है। हाथ जलने के बाद अमित जी ने हाथ में रुमाल बांध लिया और फिर आराम से गाने की शूटिंग पूरी की। जया प्रदा ने जैसे ही यह कहानी सुनाया सेट पर मौजूद सभी लोग हैरान हो गए क्योंकि इतने सालों से सभी को लग रहा था कि अमिताभ इस गाने में पैंट के जेब में हाथ डालकर डांस कर रहे हैं वह कोरियोग्राफ का हिस्सा था।

बाहुबली की एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया को इंडस्ट्री में नहीं दे रहा हैं कोई काम

नई दिल्ली। सिनेमा इंडस्ट्री कई बार ऐसा होता है कि एक बड़े स्टार को अपनी जगह बनाए रखने के लिए लगातार फिल्में करना जरूरी होता है, अगर एक अच्छी फिल्म करने के बाद अगर स्टार गायब हो जाए तो लोग भूलने लगते हैं। ऐसा अच्छे-अच्छे स्टार के साथ हो चुका हैं। तमनन भाटिया भी एक ऐसी ही स्टार हैं जिन्होंने सिनेमा के इतिहास की सबसे बड़ी फिल्म बाहुबली में काम किया था। फिल्म बाहुबली का कर किरदार आज भी जनता को याद है। तमनन भाटिया का भी बाहुबली के पहले पार्ट में लीड रोल था। अपनी खूबसूरती और एक्टिंग से तमनन भाटिया ने लोगों के दिन में अलग जगह बना ली थी, लेकिन लंबे समय बीत रहा है तमनन किसी दूसरी फिल्म में नजर नहीं आ रहीं।

लोगों के दिमाग से तमनन उतरने लग गयी हैं। सूत्रो की माने तो तमनन के पास फिल्मों का आभाव चल रहा है। उनके पास दक्षिण की फिल्मों भी नहीं हैं। कहा जा रहा है कि तमनन को फिल्में नहीं बल्कि फिल्मों के अइटम नंबर के लिए ही अप्रोच किया जा रहा है। पिछले दो साल का रिकॉर्ड अगर देखा जाए तो तमनन को किसी भी फिल्म के लिए अप्रोच नहीं किया गया है। दो साल में वह बस कुछ फिल्मों में साइड रोल और आइटम नंबर ही करती नजर आयी हैं। कनन्ड़ फिल्म जौगुआर, यश की मल्टीस्टारर फिल्म ख्इ: र्ण्ड्रि 1 और महेश बाबू की फिल्म सरिलेरू नीकिवारु में स्पेशल सॉन्ग्स में डांस किया है। हालांकि 2019 में वे इ2- फन एंड फ्रस्ट्रेशन, और देवी 2 जैसी सफल फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

सादगी भरे अभिनय के लिए जाने जाते हैं फारूक शेख थे

मुम्बई। फारूख शेख बॉलीवुड व टीवी के ऐसे उत्कर्षट कलाकार थे जिन्हें उनके सादगी भरे अभिनय के लिए आज भी याद किया जाता है। वे उन कलाकारों में से थे जिन्हें समानांतर सिनेमा के साथ-साथ कमशिय्ल सिनेमा में भी कामयाबी मिली। फारुख शेख का जन्म 1948 में गुजरात के अमरोली में हुआ था। बचपन में उन्हें क्रिकेट खेलना बेहद पसंद था। उनके पिता मुस्तफा शेख एक जाने माने वकील थे। सेंट मैरी स्कूल में अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने के बाद फारूख मुंबई गये और सिद्धार्थ कॉलेज ऑफ लॉ से कानून की पढ़ाई की, उनके पिता चाहते थे कि फारुख भी वकील बने किन्तु फारुख को फिल्मों में अभिनय करना पसंद था। कॉलेज के दिनों में भी वे थिएटर पर ज्यादा ध्यान देते थे। थिएटर में फारूख के दमदार अभिनय के चलते 1973 में उन्हें एम.एस.सथ्यू द्वारा निर्देशित फिल्म 'गर्म हवा' में ब्रेक मिला जो भारत पाकिस्तान के

विभाजन की पृष्ठभूमि पर बनी थी और उसके बाद फिल्मों में उनके अभिनय का सिलसिला इस तरह चला कि वर्ष 1977 से लेकर 1989 तक वे बड़े पर्दे और साल 1999 से लेकर 2002 तक छोटे पर्दे पर छाए रहे। फिल्मों में अपने चार दशक के लंबे करियर में फारूख शेख ने लगभग 40 फिल्मों में काम किया। उन्होंने शतरंज के खिलाड़ी, उमराव जान, कथा, बाजार, चश्म-ए-बद्दूर, गरम हवा, नूरी, साथ-साथ, किसी से ना कहना, रंग बिरंगी, घरवाली बाहरवाली, बीवी हो तो ऐसी, तूफान, माया मेमसाब इत्यादि बेहतरीन फिल्मों में अहम भूमिका निभाई। फिल्मों में दीप्ति नवल और शबाना आजमी के साथ फारूख की जोड़ी ने काफी नाम कमाया। दीप्ति नवल के साथ चश्म-ए-बद्दूर , कथा, साथ-साथ, किसी से ना कहना, रंग बिरंगी उनकी काफी हिट फिल्में रहीं। शबाना आजमी के साथ फारूख शेख की फिल्में 'लोरी', 'अंजुमन', 'एक पल' बेहतरीन फिल्मों में गिनी जाती हैं। फिरोज़ा अब्बास खान निर्देशित शबाना आजमी के साथ उनका नाटक 'तुम्हारी अमृता' देश के सबसे मशहूर नाटकों में है। इसके 300 से अधिक शो हुए। फारूख शेख कहते थे कि ये नाटक एक एक्सपेरिमेंट के तौर पर शुरू हुआ था। उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि ये इतना लंबा चल जाएगा। 90 के दशक में फारुख शेख ने 'सास बहू और सेंसेक्स', 'लाहौर' और 'क्लब 60' आदि फिल्मों में काम किया। फिल्म 'लाहौर' में उनके अभिनय के लिए उन्हें साल 2010 में बेस्ट सर्पोटिंग एक्टर रोल के लिए नेशनल अवॉर्ड मिला। फारुख शेख ने सत्यजीत रे, ऋषिकेश मुखर्जी, केतन मेहता और मुज्जफर अली जैसे नामी डायरेक्टर्स के साथ काम किया। आर्ट फिल्मों में उन्होंने बेहतरीन अभिनेता के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई। मशहूर टीवी शो 'जीना इसी का नाम' फारूख शेख ने होस्ट किया था, जिसमें उन्होंने कई जानी मानी हस्तियों के इंटरव्यू किए।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।